

# मिरा भाईदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

मा. महासभा दि. १९/०१/२०१९

आज शनिवार दि. १९/०१/२०१९ रोजी मिरा भाईदर महानगरपालिकेची मा. महासभा सकाळी ११.०० वाजता सभा सुचना क्र. ०७ दि. ०९/०१/२०१९ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

## उपस्थित सदस्य

|     |                         |                      |
|-----|-------------------------|----------------------|
| १)  | डिम्पल विनोद मेहता      | महापौर               |
| २)  | चंद्रकांत सिताराम वैती  | उपमहापौर             |
| ३)  | व्यास रवि वासुदेव       | सभापती, स्थायी समिती |
| ४)  | पाटील रोहिदास शंकर      | सभागृह नेता          |
| ५)  | भोईर राजू यशवंत         | विरोधी पक्षनेता      |
| ६)  | भोईर सुनिता शशिकांत     | सदस्या               |
| ७)  | शाह रिटा सुभाष          | सदस्या               |
| ८)  | तिवारी अशोक सूर्यदेव    | सदस्य                |
| ९)  | पांडेय पंकज सूर्यमणि    | सदस्य                |
| १०) | गोहिल शानू जोरावर सिंह  | सदस्या               |
| ११) | कांगणे मीना यशवंत       | सदस्या               |
| १२) | सिंह मदन उदितनारायण     | सदस्य                |
| १३) | शेठ्ठी गणेश गोपाळ       | सदस्य                |
| १४) | ढवण निलम हरीशचंद्र      | सदस्या               |
| १५) | कदम अर्चना अरुण         | सदस्या               |
| १६) | नलावडे दिनेश दगडु       | सदस्य                |
| १७) | भोईर गणेश गजानन         | सदस्य                |
| १८) | पाटील प्रभात प्रकाश     | सदस्या               |
| १९) | गुप्ता कुसुम संतोष      | सदस्या               |
| २०) | पाटील धनेश परशुराम      | सदस्य                |
| २१) | पाटील वंदना मंगेश       | सदस्या               |
| २२) | शाह राकेश रतिशचंद्र     | सदस्य                |
| २३) | सिंग श्रीप्रकाश जिलेदार | सदस्य                |
| २४) | धृवकिशोर मन्साराम पाटील | सदस्य                |
| २५) | जैन गीता भरत            | सदस्या               |
| २६) | जैन सुनिता रमेश         | सदस्या               |
| २७) | जैन राजेंद्र भवरलाल     | सदस्य                |
| २८) | मोकाशी दिपाली आनंदराव   | सदस्या               |
| २९) | परेरा कॅटलीन एन्थोनी    | सदस्या               |
| ३०) | रकवी वैशाली गर्जेन्द्र  | सदस्य                |
| ३१) | अग्रवाल सुशील गोपीकिशन  | सदस्य                |
| ३२) | खंडेलवाल सुरेश जगदीश    | सदस्य                |

|     |                             |        |
|-----|-----------------------------|--------|
| ३३) | परदेशी गिता हरीश            | सदस्या |
| ३४) | पाटील नरेश तुकाराम          | सदस्य  |
| ३५) | सय्यद नुरजाहॉ नाझर हुसेन    | सदस्या |
| ३६) | शेख अमजद गफार               | सदस्य  |
| ३७) | पाटील जयंतीलाल गुरूनाथ      | सदस्य  |
| ३८) | घरत तारा विनायक             | सदस्या |
| ३९) | पांडे स्नेहा शैलेश          | सदस्या |
| ४०) | आमगावकर हरिश्चंद्र रामचंद्र | सदस्य  |
| ४१) | शिर्के अनंत गेणू            | सदस्य  |
| ४२) | पाटील वंदना विकास           | सदस्या |
| ४३) | पाटील संध्या प्रफुल्ल       | सदस्या |
| ४४) | पाटील प्रविण मोरेश्वर       | सदस्य  |
| ४५) | डॉ. पाटील प्रिती जयप्रकाश   | सदस्या |
| ४६) | शेटी अरविंद आनंद            | सदस्य  |
| ४७) | शिंदे रुपाली वसंत (मोदी)    | सदस्या |
| ४८) | थेराडे संजय अनंत            | सदस्य  |
| ४९) | मुखर्जी अनिता बबलू          | सदस्या |
| ५०) | हसनाळे ज्योत्सना जालींदर    | सदस्या |
| ५१) | पारधी सुजाता यशवंत          | सदस्या |
| ५२) | म्हात्रे सचिन केसरीनाथ      | सदस्य  |
| ५३) | यादव मिरादेवी रामलाल        | सदस्या |
| ५४) | म्हात्रे मोहन गोपाळ         | सदस्य  |
| ५५) | सोनार सुरेखा प्रकाश         | सदस्या |
| ५६) | भोईर विणा सुर्यकांत         | सदस्या |
| ५७) | भोईर कमलेश यशवंत            | सदस्य  |
| ५८) | भोईर भावना राजू             | सदस्या |
| ५९) | मांजरेकर आनंद दत्ताराम      | सदस्य  |
| ६०) | बेलानी हेमा राजेश           | सदस्या |
| ६१) | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव       | सदस्य  |
| ६२) | नाईक विविता विवेक           | सदस्या |
| ६३) | सॉस नीला बर्नाड             | सदस्या |
| ६४) | राय विजयकुमार सिस्थन नारायण | सदस्य  |
| ६५) | शेख रुबीना फिरोझ            | सदस्या |
| ६६) | डिसा मर्लिन मर्विन          | सदस्या |
| ६७) | सावंत अनिल दिवाकर           | सदस्य  |
| ६८) | मेहरा राजीव ओमप्रकाश        | सदस्य  |
| ६९) | परमार हेतल रतिलाल           | सदस्या |
| ७०) | कासोदारिया अश्विन शामजीभाई  | सदस्य  |
| ७१) | भावसार वंदना संजय           | सदस्या |
| ७२) | शाह सीमाबेन कमलेश           | सदस्या |
| ७३) | दुबे मनोज रामनारायण         | सदस्य  |

|     |                         |        |
|-----|-------------------------|--------|
| ७४) | विराणी अनिल रावजीभाई    | सदस्य  |
| ७५) | सपार उमा विश्वनाथ       | सदस्या |
| ७६) | इनामदार जुबेर अब्दुल्ला | सदस्य  |
| ७७) | म्हात्रे नयना गजानन     | सदस्या |
| ७८) | भानुशाली वर्षा गिरधर    | सदस्या |
| ७९) | गोविंद हेलन जॉर्जी      | सदस्या |
| ८०) | बगाजी शर्मिला विन्सन्ट  | सदस्या |
| ८१) | बांङ्या एलायस दुमिंग    | सदस्य  |

**गैरहजर सदस्य -**

|     |                           |        |
|-----|---------------------------|--------|
| १)  | रावल मेघना दिपक           | सदस्या |
| २)  | रॉडीकस मोरस जोसेफ         | सदस्य  |
| ३)  | भूपताणी रक्षा सतीश (शाह)  | सदस्या |
| ४)  | गेहलोट हसमुख मोहनलाल      | सदस्य  |
| ५)  | पाटील अनिता जयवंत         | सदस्या |
| ६)  | अरोरा दीपिका पंकज         | सदस्या |
| ७)  | गजरे दौलत तुकाराम         | सदस्य  |
| ८)  | जैन दिनेश तेजराज          | सदस्य  |
| ९)  | अहमद साराह अकरम           | सदस्या |
| १०) | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहीम | सदस्य  |
| ११) | भोईर जयेश भानुदास         | सदस्य  |
| १२) | म्हात्रे विनोद काशिनाथ    | सदस्य  |

**रजेचा अर्ज -**

|    |                         |        |
|----|-------------------------|--------|
| १) | म्हात्रे परशुराम पदमाकर | सदस्य  |
| २) | भट दीप्ती शेखर          | सदस्या |

मा. महापौर :-

सचिव महोदय सभेला सुरुवात करावी. नमस्कार. उपस्थित सर्व मान्यवर पदाधिकारी, गटनेता, नगरसेवक, नगरसेविका, आयुक्त, अधिकारी, पत्रकार बंधु, नागरिक यांचे स्वागत आहे. सर्वांनी आजची सभा खेळीमेळीच्या वातावरणात व शांततेत पार पाडावी तसेच आजच्या सभेमध्ये मिरा भाईंदर शहराचे नावलौकीक वाढविलेले प्रतिष्ठित मान्यवर व्यक्ती उपस्थित असून महासभेमध्ये त्यांचा सत्कार करण्यांत येत आहे.

नगरसचिव :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा शनिवार दि. १९/०१/२०१९ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मिरा भाईंदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात महासभा सूचना क्र . ०७ मधील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे. आजच्या सभेत मा. महापौरांनी निर्देश दिल्याप्रमाणे महापालिका क्षेत्रात राहणाऱ्या दोन मुलींचा आपण सत्कार करणार आहोत. पहिली आहे. कु. पुजा अजय जयस्वाल. ही शितल नगर, मिरारोड येथे राहत असून मिरा भाईंदरची रहिवासी आहे. तिने महाराष्ट्र राज्यातर्फे अगरतला, त्रिपुरा येथे सातव्या राष्ट्रीय चेस बॉक्सींग चॅम्पीयन स्पर्धा २०१८-१९ मध्ये ज्युनियर मुलींमध्ये ५५ किलो वजनी गटामध्ये भाग घेऊन प्रथम क्रमांक पटकावलेला आहे आणि तिला गोल्डमेडल प्राप्त झालेले आहे. त्यामुळे मिरा भाईंदर शहराचे आणि महाराष्ट्र राज्याचे नाव लौकीक झालेले आहे. तसेच तिने एक विश्व किक बॉक्सींग डी.एस.ओ गोल्ड डिव्हिजन ब्रॉन्झ, तुसांडो, कराटे डी.एस.ओ. सिल्वर, आणि तीन युनिफाईट कराटे डी.एस.ओ. गोल्ड डिव्हिजन सिल्वर अशी अनेक पदके तिने प्राप्त केलेली आहेत. तर तिचा आपण ह्या ठिकाणी सत्कार करत आहोत. पुजा जयस्वाल हिने सभागृहात यायचे आहे. तसेच मिरा भाईंदर मध्ये

मिरारोड, शांती पार्क येथे प्रभाग क्र. १७ मध्ये राहणारी जिविधा नरेश पटेल, वय वर्ष १४ या कुमारीने चेन्नई येथील राष्ट्रीय तिरंदाज स्पर्धेत ७ सुवर्ण, १ रौप्य आणि १ कांस्य पदक पटकावून मिरा भाईंदर शहराचे नाव उंचावलेले आहे. संपूर्ण भारतातून कित्येक खेळाडूंना पिछाडत तिने ९ पदके पटकावलेली आहेत. म्हणून आपण कु. जिविधा नरेश पटेल हिचा याठिकाणी सत्कार करणार आहोत. प्रथम पुजा जयस्वाल यांनी डायसवर यायचे आहे. पुजा जयस्वाल यांचे हार्दिक अभिनंदन आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिकेतर्फे, तद्नंतर जिविधा नरेश पटेल यांनी कृपया डायसवर यायचे आहे. तिने राष्ट्रीय तिरंदाज स्पर्धेमध्ये ७ सुवर्ण, १ रौप्य आणि १ कांस्य पदक मिळवलेले आहे. तिचे मिरा भाईंदर महापालिकेतर्फे अभिनंदन करण्यांत येत आहे.

**मर्लिन डिसा :-**

कॉन्स्युलेशनस बोथ द गर्ल्स वी वेरी प्राऊड ऑफ यू. अॅन्ड विश यू मेनी मेनी मोर अॅवार्डस ईन युअर फ्युचर. गॉड ब्लेस यु.

**प्रशांत दळवी :-**

महापौर मॅडम गेल्या महिन्यामध्ये त्याच्यामध्ये चंद्रशेखर सावंत याबाबतचे पत्र आपणास दिले होते. त्यांचा ही सत्कार आपण करावा.

**मा. महापौर :-**

पुढच्या सत्रामध्ये त्यांना घेऊ. त्यात तुमचे पण पत्र आहे आणि अनिल सावंतजीचे पण पत्र आहे.

**नरेश पाटील :-**

मी एक पत्र दिलेले आहे. माझ्या वॉर्डमधली हॉगकॉंगला जाऊन सुवर्ण पदक पटकावून आली होती. तिचा ही सत्कार केलेला नाही.

**अनिल सावंत :-**

आयुक्त साहेब आपण शहरातील मान्यवरांचा खेळाडूंचा वगैरे सत्कार करतो. तेव्हा आपण सन्मान चिन्हे आणि तुळशीचे रोप देतो. माझी आपल्याला अशी विनंती आहे की यापुढे जेव्हा सत्कार करू त्यावेळी व्यवस्थित चांगले सर्टिफिकेट आणि त्याच्यात त्यांच्या कार्याचा उल्लेख असेल हे दिले तर बरे होईल.

**मा. महापौर :-**

नक्की.

**जुबेर इनामदार :-**

महापौर मॅडम सभा कामकाज सुरु होण्याच्या आधी खरतर परत हा विषय जाणूनबुजून आणतो. ह्या सभागृहामध्ये बराच गाजलेला आहे. सभा कामकाज हे जे सुरु आहे किंवा आपण सभा कामकाज करतो. कोणत्या नियमाच्या अनुसार कोणत्या अधिकारात करतो? याचे जरा स्पष्टीकरण देण्यात यावे. कारण विषय असा आहे.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

महापौर मॅडम मी लास्ट मिटींगला पण बोललो होतो की सर्व सदस्यांना जो वेळ आहे त्याचे थोडेसे आमचे सिनियर नगरसेवक वारंवार एकच प्रश्न विचारतात इतके वर्षे झाले यांना हे माहित नाही की सभा कामकाज कुठल्या अधिनियमानुसार चालते.

**जुबेर इनामदार :-**

तुम्हाला जास्त माहिती आहे. तुम्हाला थोडे जास्त माहिती असेल.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

आम्हाला जे माहिती आहे त्यानुसार आम्ही चालतो.

**जुबेर इनामदार :-**

कसे आहे तुम्हाला कायदयाचे भान नाही.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

आहे ना.

**जुबेर इनामदार :-**

म्हणून त्याच्यावर चर्चा करू द्या. कमीत कमी प्रशिक्षण तरी होईल.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

आमचे प्रशिक्षण झालेले आहे. साहेब आपण वारंवार एकच प्रश्न विचारुन.....

(सभागृहात गोंधळ)

## जुबेर इनामदार :-

मा. महापौर मॅडम, मा. महासभेमध्ये सन्मा. सदस्यांना बोलू घ्यायचा अधिकार महापौर मॅडम आपल्याला आहे आणि तो महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम अनुसार आहे. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम सभा कामकाज आहे हा स्पष्ट सांगतो. महापौरांनी सभा बोलावली पाहिजे. तो अधिकार महापौरांचा आहे. सभेमध्ये चालणारे कामकाज किंवा घेण्यात येणारे कामकाज हा प्रशासनाच्या माध्यमातून असले पाहिजे. प्रशासन तुम्हाला वेळोवेळी सभा लावण्यासाठी वेगवेगळे प्रस्ताव तुमच्याकडे दिले जातात. आणि ते प्रस्ताव तुम्हाला सभेमध्ये विषयपत्रिकेवर घ्यायचा अधिकार तुमचा आहे. पाठविलेला प्रस्ताव प्रशासनाचा प्रशासनाने प्रस्ताव दिला त्याला गोषवारा देणे बंधनकारक आहे. ते प्रशासनाचे त्याचे कर्तव्य आहे. तुम्ही दिलेले विषय प्रशासनाने दिलेला विषय ९० दिवसांच्या आतमध्ये आपण चर्चेवरती घेतलेला नाही. विषयपटलावर घेतला नाही, विषयपत्रिकेवर घेतला नाही. तर आयुक्तांना सोमोटो अधिकार आहे की, त्या विषयावर त्याने त्याचा निकाल किंवा त्याचा निर्णय लावावा. आजच्या महासभेमध्ये आणि हे वारंवार होत आलेले आहे. याच्यावर चर्चा होणे गरजेचे आहे. काहीतरी एकदा ठरवा करायचे तरी काय? आजच्या महासभेमध्ये सुचना प्रसिध्द झाली. ०९/०९/२०१९ रोजी वर्तमान माध्यमांमध्ये सुध्दा त्याची प्रसिध्दी करण्यात आली. ३१ विषय देण्यात आले. ३१ विषय देताना त्याच्यामध्ये १६ विषयाचा गोषवाराच नव्हता. सचिव महोदय, आजही परिस्थिती आहे की आज आमच्या ह्यामध्ये आज एक गोषवारा आलेला आहे. तरी ही १२ विषयांवर गोषवारा प्रशासनाने दिलेला नाही. मग हे विषय कोणाचे प्रशासनाचे विषय आहेत किंवा हा विषय तुम्हाला कोणी दिलेला आहे आणि तुम्ही त्याला विषय पटलावर घेतलेला आहे. कारण देताना विषय देण्याचा अधिकार प्रशासनाचा आहे. विषयाचा आढावा घेण्याचा अधिकार महापौर मॅडम सर्वसंमतीने असू शकतो. ज चा प्रस्ताव असू शकतो. के चा प्रस्ताव असू शकतो. सोमोटो तुम्ही घेतलेले विषय त्यावर प्रशासनाचा गोषवारा नाही अशा विषयांवर चर्चा करायची तरी कशी याचे आम्हाला आज उत्तर पाहिजे आणि तो ऑन द हाऊस पाहिजे. सचिवाने द्यावे, महापौरांनी द्यावे, आयुक्तांनी द्यावे. कारण आयुक्त महोदय तुमच्या गोषवा-यावर तुमची स्वाक्षरी काही विषयांवर विभागीय अधिका-यांची स्वाक्षरी असते. त्याला मान्यता आहे. त्यावर चर्चा करता येईल. आज सुध्दा साहेब आपला गोषवारा आम्हाला प्राप्त झालेला आहे. आता १३५ क्रमांकाचा या विषयावर काही लोकं बाहेर आंदोलन करत बसलेले आहेत आणि त्या आंदोलनाला आज कमीत कमी मला वाटते १५ ते २० दिवस झाले. त्याचा गोषवारा तो एवढा गांभिर्याचा विषय आहे. त्यावर गोषवारा आम्हाला आज प्राप्त होत आहे. तुम्ही साहेब वर्षानुवर्षे अभ्यास करायचा आणि आम्हाला तुम्ही एक तासाची सुध्दा संधी देणार नाही आणि आम्हाला याच्यावर चर्चा करायची असेल. आम्हाला याच्यावर बोलायचे असेल तर आमची तयारी नसावी का साहेब. कदाचित प्रशासनाची अशी भुमिका आहे त्यावर तसा मानस कदाचित प्रशासनाने तयार केलेला असावा. खर काय याच्यातले आहे. विषय तुम्ही दिले की नाही दिले. विषय आल्यानंतर त्यावर ते आम्हाला ठरवता येत नाही. हे प्रशासनाचे विषय आहेत की महापौरांनी सोमोटो घेतलेले आहेत. महापौरांना सोमोटो असे विषय घेता येतात का? त्यावर एक प्रश्नचिन्ह आहे. याचे ह्या सभागृहामध्ये आज स्पष्टीकरण करावे. कमीत कमी पुढच्या वेळी आम्हाला आमची मानसिक तयारी करता येईल याचे उत्तर कोण देणार?

## मा. उपमहापौर :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो. आदरणीय आमचे सहकारी नगरसेवक जुबेर इनामदार साहेबांनी अगदी पहिल्या ओव्हरमध्येच स्पीनला सुरुवात केलेली आहे. इनामदार साहेब ह्या महापालिकेची स्थापना २८ फेब्रुवारी २००२ ला झाली. त्यानंतर पहिल्या सार्व. निवडणुका संपन्न होईपर्यंत ह्या सभागृहाचे कामकाज चालविण्यासाठी बायलोज बनविण्यात आले त्याची कॉपी तुम्ही हातात घेऊन आहात. ही बायलॉज दि. १६ फेब्रुवारी २००२ ला तयार करण्यात आली. शासनाच्या मान्यतेसाठी पाठवली. तुमचा प्रश्न असेल की मग शासनाची मान्यता मिळाली का तर २००२ नंतर झालेल्या पहिल्या सार्वत्रिक निवडणुकीच्या तत्कालीन आदरणीय महापौर मायरा मेन्डोसा मॅडम यांच्या नेतृत्वात हे सभागृह याच बायलॉजने चालत होते. त्यानंतर निर्मला सावळे मॅडम त्यांच्या महापौर पदाच्या कारकिर्दीत याच बायलॉजने ते चालले. ह्या सभागृहात उपस्थित असलेल्या आदरणीय पूर्व महापौर कॅटलीन मॅडम ह्या दोनदा महापौर राहिल्या. त्यांच्या कारकिर्दीत ह्याच बायलॉजने काम चालले. एकदा महापौर राहिल्या त्यांच्या कारकिर्दीत देखील ह्या बायलॉजने कामकाज करण्यांत आले. काँग्रेसचे जेष्ठ नेते तुळशीदास म्हात्रे साहेब यांच्या कादकिर्दीत ह्या शहराचे विद्यमान आमदार श्री. नरेंद्र मेहता साहेब, विद्यमान नगरसेविका श्रीम. गिता जैन मॅडम ह्या महापौरांच्या कारकिर्दीत ह्याच बायलॉजवरती काम करण्यांत आले. मग शासनाकडे मान्यतेसाठी पाठविण्यात आल्यानंतर शासनाकडून आपल्याला काही सुचना करण्यात आल्या. त्याच्यामध्ये त्याचे इंग्रजीत काही गोष्टींचे स्पष्टीकरण मागितले. ह्या महाराष्ट्रात जेवढ्या तमाम महानगरपालिका आहेत मग ती मुंबई

महानगरपालिका असेल, ठाणे महापालिका असेल, औरंगाबाद महानगरपालिका असेल, ३५ ड क्लास महानगरपालिका असतील. ह्या सर्व सभांचे कामकाज अशाच बायलॉजच्या माध्यमातून चालत असते आणि आपल्याकडे जे कामकाज आहे. तर किती महापालिकांना महाराष्ट्रात मान्यता आहे. मी जी माहिती घेतली त्या माहितीप्रमाणे अवघ्या २ महानगरपालिका कल्याण डोंबिवली आणि ठाणे महानगरपालिकामध्ये बायलॉजला मान्यता मिळालेली आहे. आजच्या सभेत हा विषय आलेलाच आहे. तर मा. आयुक्तांना महापौरांना विनंती करतो की बाबत शासनाने त्या सुचना दिलेल्या आहेत. त्या सुचनांवरती अंमलबजावणी करून ह्याची लवकरात लवकर आपण मान्यता घेतली पाहिजे. आपण कामकाज करत आहोत. आजपर्यंत जेवढे कामकाज झाले ते सगळे चुकीचे आहे असे म्हणण्याचे धाडस कोणी करू नये. आणि राहिला विषय महापौरांना विषय घेता येतो का हाच बायलॉज आपल्याला सांगतो की महापालिका सचिव खंड (आय) मध्ये निर्देशिलेल्या नोटिसीत आयुक्तांचे प्रस्तावाखेरीज महापौरांची मान्यता घेतल्या शिवाय कोणतेही कामकाज दर्शविणार नाही. मग तुम्ही ह्या शब्दाचा अर्थ तुम्हाला पाहिजे तसा घेतला असेल तर तुम्ही चुक करत आहात. आयुक्तांच्या मान्यतेने महापौरांच्या मान्यता घेतल्या शिवाय म्हणजे महापौर त्यांच्या खेरीज म्हणजे त्याशिवाय महापौरांच्या मान्यतेने देखील विषय येतो आपण याचा निट अर्थ लावला.....

**प्रविण पाटील :-**

उपमहापौर साहेब ह्या बायलॉजमध्ये असे लिहिलेले आहे एखाद्या सदस्याने प्रश्न विचारला तर त्याचा अधिकार महापौरांचा आहे. मग महापौर असताना तुम्ही कशाला बोलत आहोत. हेच महापौरांनी बोलायला पाहिजे.

(सभागृहात गोंधळ)

**सुरेश खंडेलवाल :-**

महापौरांच्या परवानगीने कोणी पण बोलू शकतो.

(सभागृहात गोंधळ)

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

साहेब तुम्हाला बोलण्याचा अधिकार नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

तुम्ही बोलायची संधी दिलेली आहे. त्या विषयाचे विश्लेषण तुम्हालाच करावे लागेल मॅडम.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

मी त्यांना बोलायचा अधिकार दिलेला आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

मी तुम्हाला अधिकार वाचून दाखवतो.

(सभागृहात गोंधळ)

**जुबेर इनामदार :-**

मी तुम्हाला अधिकार वाचून दाखवतो. म्हणजे मिटींग

(सभागृहात गोंधळ)

**जुबेर इनामदार :-**

सभा कामकाज खंड दोन. Every meeting shall be presided over by the mayor. फक्त तुम्ही if his not present at the time of appointing म्हणजे मिटींग any the office of mayor is wakent or is the mayor is absent by the deputy mayor or the absent of the deputy mayor one such of the counsillors present shall be fore the metting to the chairmen of the officially मॅडम तुम्ही एक काम करा. सभागृह सोडून जा.

(सभागृहात गोंधळ)

**सुरेश खंडेलवाल :-**

महापौर मॅडम मीने पहिले भी कहां था यह सभागृह का टाईम बरबाद करने का यह षडयंत्र है।

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

महापौर मॅडम अभी जुबेरजी ने कहां की महासभेमध्ये विषय घेण्याचा अधिकार आयुक्तांचा आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

आयुक्तांचा अधिकार देण्याचा आहे.

### **धृवकिशोर पाटील :-**

असे अनेक विषय महासभेमध्ये घेतलेले आहेत. पण त्याचे गोषवारे नाहीत. मॅडम मी ह्या सभागृहाच्या निर्देशनास आणु इच्छितो की ह्याच्या अगोदर पण सेम प्रथा होती. १८/०५/२००६ ला महासभा होती. त्याच्यामध्ये आमच्या निर्मला सावळे महापौर होत्या. त्याच्यात प्रकरण २१ मंजूर विकास योजनेत मौजे भाईंदर सर्व्हे क्र. ७४७ या जागेत महाराष्ट्र प्रादेशिक नगररचना अधिनिय १९६६ चे कलम ३७ अन्वये कब्रस्तान, स्मशानभूमी, परेड ग्राऊंड व बगीचा आरक्षण प्रस्तावित करणेबाबत हा पण विषय घेतला होता. याच्यामध्ये अजिबात गोषवारा नव्हता. नंबर २ दि. १८/२/२०१२ आमचे सन्मा. महापौर साहेब त्यावेळी होते तुळशीदास म्हात्रे प्रकरण क्र. ११२ भाईंदर पूर्व खारी गाव शाळा ऑब्लीक प्रभाग कार्यालय क्र. २ इमारतीमध्ये जागा निरिक्षक.....

(सभागृहात गोंधळ)

### **धृवकिशोर पाटील :-**

मॅडम अशा अनेक प्रकारचे विषय ह्या महासभेमध्ये आलेले होते. त्याचे अजिबात गोषवारे आले नाहीत आणि ही प्रथा आम्हीच पाडली होती आणि आमच्याकडून आमचे सन्मा. जुबेरजी होते.

(सभागृहात गोंधळ)

### **निलम ढवण :-**

महापौर मॅडम मला एक उत्तर द्या. जर विषयपत्रिकेवर विषय घेतले गेले आपण गोषवारे कशासाठी देतो?

### **मा. महापौर :-**

माहितीसाठी.

### **निलम ढवण :-**

माहितीसाठी देतो त्या विषयाची पूर्ण माहिती आणि तुमचे जे काही निर्णय कशा पध्दतीने घ्यायचे हे नगरसेवकांच्या माहितीसाठी देतो. मग काही गोषवारे दिले जातात आणि काही गोषवारे दिलेच जात नाही. आज वाद निर्माण कशामुळे झाला. याच्यापूर्वी देखील मागच्या दालनात देखील हे विषय सतत येत होते. आणि त्यावेळी एक असा निर्णय झाला होता की गोषवारा नसेल तर तो विषय इथे महासभेत चर्चेला जाणार नाही. तो विषय पुढच्या सभेमध्ये घेतला जाईल गोषवारासहित. मग ह्या पुन्हा पुन्हा चुका का होतात आणि सभागृहाचा वेळ आमचा देखील वेळ का वाया घालवला जातो. त्याच्यामागे दुसरा उद्देश आहे का गोषवारे दिले जात नाही. सांगा ना इतके दिवस अगोदर देऊन पण एखाद दुसरा ठिक आहे. पण हे तुम्ही १५-१५ गोषवारे देत नाही त्याच्या मागील तुमचा उद्देश काय आहे. सांगा ना. ही एवढी चर्चा वाद कशामुळे झाले आणि दुसरी गोष्ट मागचे तुम्ही पुरावे देत आहेत की मागच्या मिटींगला हे झाले, मागच्या मिटींगला ते झाले. मग झालेल्या चुका तुम्ही त्याच करत राहणार का? त्याच होणार का मला सांगा. सुधारणा तुम्हाला करायची आहे ना. मग मागचे प्रश्नोच उदाहरण देऊ नका ना.

### **धृवकिशोर पाटील :-**

तीच प्रथा एकत्र आपण चालू ठेवत आहोत ना.

(सभागृहात गोंधळ)

### **जुबेर इनामदार :-**

सभा कामकाज प्रथेवर चालत नाही.

### **मा. महापौर :-**

मी मागे प्रशासनाला अभिप्राय दिलेला आहे की सर्व विषयांचा गोषवारा द्या.

### **निलम ढवण :-**

आजही गोषवारे नाही आहेत. गोषवारे जोपर्यंत येत नाही तोपर्यंत हे विषय चर्चेला घेतले जाणार नाही. पहिला गोषवारे द्या ही पध्दत कायम ठेवा.

### **मा. महापौर :-**

मी आयुक्त साहेबांना निर्णय दिलेला आहे की सर्व गोषवारे सर्वाना पाठवायचे आहेत.

### **निलम ढवण :-**

पाठवायचे नाही जेव्हा गोषवारे येतील तेव्हा हे विषय चर्चेला घ्यायचे. तोपर्यंत घ्यायचे नाहीत.

### **हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

मिटींग झाल्यावर तुम्ही पाठवणार.

### **मा. महापौर :-**

मी नाही पाठवत प्रशासन पाठवते.

**निलम ढवण :-**

जेव्हा गोषवारे येतील आज जे गोषवारे नाहीत ते विषय चर्चेला घ्यायचे नाहीत.

**मा. उपमहापौर :-**

महापौरांनी काय सांगितले की जेवढे विषय मी घेतलेले आहेत ह्या विषयासंदर्भात आयुक्त साहेबांना अर्थात प्रशासनाला विनंती पत्र देण्यात आलेले आहे की या विषयाचे गोषवारे सादर करावेत. ते त्यांनी केलेले नाहीत.

**निलम ढवण :-**

मग त्यांना ते विषय पटलेले नसतील.

**जुबेर इनामदार :-**

म्हणजे प्रशासनाचे विषय नव्हते.

**निलम ढवण :-**

आयुक्तांना पूर्ण शहराचे हित बघायचे असते.

**मा. उपमहापौर :-**

अॅक्ट काय सांगतो की एखादा विषय जर आयुक्त कार्यालयात आयुक्तांना प्रशासनाला पटला नाही तर विखंडीत करण्याचे कायदेशीर तरतुद आहे. शहराच्या वेळोवेळी उद्भवणारे प्रश्न अडचणी समस्या याच्यावरती मार्ग करण्यासाठी आपल्याला वेळोवेळी असे विषय महापौरांना स्वतःच्या अधिकारात घेता येतात.

**निलम ढवण :-**

विषय घेता येतात आयुक्तांना पण पूर्ण शहराचे हित काय असेल तेही माहिती आहे ना.

**जुबेर इनामदार :-**

साहेब असे लेखी कुठेतरी असायला पाहिजे ना. असे कुठे तरी नियमात असायला पाहिजे ना.

**धृवकिशोर पाटील :-**

अगोदर सुध्दा असे अनेक विषय महासभेमध्ये घेतले गेले आणि गोषवारा जरी नसेल तरी आपण महासभेत चर्चा करतो आणि चर्चा करून निर्णय घेतो आणि निर्णय हा आयुक्तांवरती बंधनकारक नाही आहे. जर समजा तो डिसेंबर त्यांना पसंत नसेल तर त्यांनी तो विखंडीत करावा ना.  
(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

आपको सभी विषय का जवाब मिल गया अभी प्रश्नोत्तर चालू करो।

**नगरसचिव :-**

आपण कृपया पिठासीन अधिकाऱ्यांशी बोलावे.

**निलम ढवण :-**

गोषवारे नाहीत ते विषय घेणार नाहीत का ते बोला?

**नगरसचिव :-**

पिठासीन अधिकारी यांना आपण बोलावे.

**जुबेर इनामदार :-**

पिठासीन अधिकारी उत्तर देत नाही.

**निलम ढवण :-**

तुम्ही उत्तर दिले पाहिजे.

**मा. महापौर :-**

तुम्हाला सर्व उत्तर दिलेली आहेत.

**निलम ढवण :-**

दिली नाहीत.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. उपमहापौर :-**

विषयपत्रिकेला सुरुवात व्हायची आहे. प्रश्नोत्तराचा काळ आहे. तो पहिला आहे. विषयपत्रिका पुढे आहे.

(सभागृहात गोंधळ)



**मा. आयुक्त :-**

तुम्ही जागेवर बसा तेव्हा महापौर महोदय उत्तर देतील. माझी विनंती राहिल हेल्टी चर्चा होऊ द्या. चर्चेने सर्व प्रश्न मिटतात. माझी विनंती राहिल एकट्याने बोलावे, जागेवर बोलावे.

**जुबेर इनामदार :-**

आयुक्त महोदय मला सांगा हा अतिमहत्वाचा विषय आहे शेवट सध्या चाललेला ज्वलंत विषय आहे. १३५ चा तुम्ही शेवट ठेवला गोषवारा. आम्हाला आज देत आहेत. आम्ही त्याच्यावर काय चर्चा करणार.

**मा. आयुक्त :-**

त्याच्यात काय अवघड आहे आणि काय न समजण्याचे आहे ते तुम्ही सांगा ना.

**जुबेर इनामदार :-**

हा विषय घेऊन तुमच्या दारावर बसतात. याची तुम्हाला अजिबात माणूसकी नाही. (सभागृहात गोंधळ)

**मा. आयुक्त :-**

त्याच्यावर पूर्ण चर्चा करायला प्रशासन तयार आहे. आणि ओपन आहे.

**मा. महापौर :-**

सर्व विषयांवर आपण चर्चा करणार. ठराव नाही होणार.

**मा. उपमहापौर :-**

आपण करू काय करायचे आहे ते. ऐकून घ्या विषयाला सुरुवात होऊ द्या.

**मा. आयुक्त :-**

आपणाला विनंती राहिल आपण जागेवर बसावे आणि व्यवस्थित कामकाज चालू ठेवावे.

**मा. उपमहापौर :-**

तुम्ही कायदेशीररित्या सभागृहाचे कामकाज चालावे अशी तुमची कळकळ आहे. या कळकळीशी आम्ही सहमत आहोत. परंतु सभा नियमाप्रमाणे प्रश्नोत्तराचा काळ तो होऊ द्या. जो जो विषय येईल त्याच्यामध्ये तुम्हाला काय अडचण आहे, तुमचे काय मत आहे ते विचारात घेतले जाईल. इथे कोणाला दुःखावण्याचा, कोणाला खिजवण्याचा प्रयत्न नाही.

**निलम ढवण :-**

साहेब त्या प्रश्नोत्तराच्या विषयांतर हा विषय आहे गोषवारा त्यांनी.....

**मा. उपमहापौर :-**

प्रशासनाकडून तुम्हाला उत्तर मिळेल हे सदन प्रशासकीय आहे ते ह्या शहराचे कामकाज शासन आणि प्रशासन याच्यामधला दुवा साधण्याचे काम ह्या सभागृहात चालते. तर तुम्ही ऐकून घ्यावे सर्व नगरसेवकांना आपआपल्या जागेवर स्थानापन्न व्हावे. हे सांगणे सतत अशी चर्चा ह्या शहराच्या हितासाठी आपण कराल असा मला विश्वास आहे. आपआपल्या जागेवर बसा बोलताना प्रत्येकाने नियम पाळा. एकानेच बोला, दुसऱ्यांचे ऐका सगळे जण ओरडलात तर कोणाला कोणाचे समजणार नाही. प्रश्नोत्तर काळाला सुरुवात करा.

**नगरसचिव :-**

प्रश्नोत्तराच्या वेळेला सुरुवात होत आहे. १२.०१ मिनिट झालेले आहेत. पहिला प्रश्न सन्मा. सदस्य श्री. अनिल सावंत यांचा आहे.

**अनिल सावंत :-**

महापौर मॅडम महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम त्यामध्ये जनरल बॉडीची जी मिटींग असेल त्याची नोटिस द्यायची काय प्रोव्हिजन आहे. किती दिवसाच्या आत नोटीस द्यायला पाहिजे. कमीत कमी ७ दिवसाच्या आत म्हणजे ती नोटिस म्हणजे फक्त विषय नाहीत त्या नोटिसी बरोबर असलेले विषय. (सभागृहात गोंधळ)

**मा. आयुक्त :-**

प्रश्नोत्तराचा तास संपला ना आपल्या त्या मुळ मुद्यावर सविस्तर चर्चा करू.

**अनिल सावंत :-**

मी प्रश्नावरच येत आहे. माझी वेळ सुरु झालेली आहे. आयुक्त साहेब याच्यापुढे तरी निदान काळजी बाळगा की ७ दिवस अगोदर गोषवारा सहीत प्रश्नोत्तरासहीत यायला पाहिजे. उत्तरे जनरल बॉडीच्या ५ मिनिट अगोदर आम्हाला दिली जातात.

**मा. आयुक्त :-**

सचिवाने याची नोंद घ्यावी. सभाशास्त्राप्रमाणे जे जे त्यांना नोटिसा सोबत देणे अपेक्षित आहे ते आपण द्यावे.

**अनिल सावंत :-**

ते द्या ना अर्जेडा म्हणजे सर्व आले नोटिस नाही फक्त विषय नोटिस वरुन विषय आहेत. त्याच्यात गोषवारा पाहिजे.

**धृवकिशोर पाटील :-**

तुमचे प्रश्नोत्तर आले ना साहेब.

**अनिल सावंत :-**

प्रश्नोत्तरे आता दिलेली आहेत.

**धृवकिशोर पाटील –**

तुमचे प्रश्नोत्तर आहेत ना हे नोटिस बरोबर आले आहे ना.

**अनिल सावंत :-**

त्याच्यानंतर आता जे त्यांनी उत्तरे दिलेली आहेत. नोटिसी बरोबर गोषवारा वगैरे हा प्रश्न तेव्हाच येतो.

**मा. महापौर :-**

सचिवांनी त्यांची नोंद घ्यावी.

**अनिल सावंत :-**

ज्यावेळी हा शाळेचा मागच्या मिटींगला चर्चेला विषय आला. त्याच्यात थोडीशी चर्चा अर्धवट राहिलेली होती. त्यावेळी उत्तर पूर्ण दिलेले नव्हते. म्हणून मला वाटते हा विषय रिपीट झालेला आहे. याच्यामध्ये मी एक माहिती मागितली होती. महापालिका क्षेत्रात कोणत्या शाळेला प्रत्येकी किती दारिद्र्य रेषेखालील मुलांना प्रवेश दिले जातात आणि महापालिकेचा जो ठराव झाला आहे त्याला अनुसरुन कारवाई केली जाते. साहेब ज्यावेळी हा ठराव झाला त्यावेळी अपेक्षा ही होती की जे आपण ५० टक्के अनुदान ह्या शाळांना देतो त्याचा काहीतरी फायदा ह्या शहरातील गरीब विद्यार्थ्यांना व्हावा त्यांना त्याठिकाणी अँडमिशन मिळेल. साहेब मी लिस्ट मागितली होती. लिस्ट ह्या बरोबर दिलेली नाही. ती लिस्ट तर तुम्ही बघा. त्या शाळांमध्ये अशा शाळा आहेत की ज्या अडीच अडीच तीन तीन हजार रुपये फी घेत आहेत. विद्यार्थ्यांकडून आणि महापालिकेने रेकमेंड केलेल्या कुठच्याही विद्यार्थ्याला त्या ठिकाणी प्रवेश मिळत नाही. आज त्या ठिकाणी २५ टक्के आपला राखीव कोटा आहे. महापालिकेचा आपण त्यांना ती कर सवलत देतो म्हणून पण कुठच्याही पत्राला किंवा कोणाला मी लिस्ट मागितली होती कितीवेळा प्रवेश दिला तर त्यांनी त्याठिकाणी सदर माहिती ह्या विभागाशी संबंधीत नाही मग कुठच्या विभागाशी संबंधित आहे? त्या विभागाला प्रश्न गेला पाहिजे होता ना. म्हणजे परत उत्तर अपूर्ण माहिती मागितलेली तुम्ही जर पूर्ण माहिती दिली तर चर्चेसाठी एवढा वेळ घ्यायची गरज आम्हाला नसते. परत परत आम्ही प्रश्न विचारायचे. परत परत अपूर्ण माहिती द्यायची. आता महासभेतील ठरावाच्या अटिशीर्तीचे पालन न करणाऱ्यांवर व करसवलत घेणाऱ्या महापालिका क्षेत्रातील शाळांवर अजूनपर्यंत कोणती कारवाई करण्यात आली. निरंक म्हणजे आपण काय करत आहोत. एका बाजूला टॅक्स नाही उत्पन्न कमी म्हणून महापालिकेची परिस्थिती डबघाईला येत आहे आणि दुसऱ्या बाजूला आपण अशा सवलती देत सुटले आहोत की ज्याला खरोखरच गरज आहे त्या कर सवलतीची आणि ज्याच्यामुळे ह्या शहरातील गरिब विद्यार्थ्यांचे काहीतरी हित होईल त्याला सवलती द्यायला पाहिजे. पण ह्या ज्या मोठमोठ्या शाळा आहेत. आता दालमिया सारखी शाळा ती फाईव्ह स्टार शाळा आहेत. त्या लिस्टमध्ये तिचे नाव आहे. आणि कोणत्या विद्यार्थ्यांना प्रवेश देतात. एकही नाही. प्रलंबित किती संस्थांचे प्रस्ताव आहेत. ही माहिती मी मागितली होती. त्यांना नावे काही दिली नाहीत. ४ शैक्षणिक संस्थांचे अर्ज प्राप्त झालेले आहेत. ते कुठचे जरा शिक्षण अधिकाऱ्यांनी सांगावे किंवा प्रॉपर्टी टॅक्स डिपार्टमेंटने सांगावे तुम्ही पूर्ण उत्तर द्यावे. आम्हाला जास्त चर्चा करायची गरजच नाही.

**मा. आयुक्त :-**

प्रथा अशी आहे की, जे प्रश्न विचारतात ते त्याचवेळेस त्यांना विहित मुदतीत उत्तर सदस्यांना लेखी दिले पाहिजे आणि जे प्रश्न विचारले गेले आणि जे उत्तर दिले होते. त्याबाबत इतर सदस्यांना त्याची माहिती अवगत व्हावी सभाशास्त्र कामकाजाप्रमाणे हा एक कामकाजाचा भाग होतो. आणि तो आपण डिटेल अर्जेडा सोबत सगळ्यांना देत नाही. आपली जी प्रथा आहे ते सभागृहामध्ये आपण सगळ्यांना जे उत्तर यापूर्वी मागणी केली होती आणि उत्तरे दिलेली आहेत त्याचा तपशिलचा गोषवारा आपण सभागृहात देतो आपली मागणी अशी होती की अर्जेडा सोबत द्या. तर आपण ते अर्जेडा सोबत देण्याची प्रथा सुध्दा

करता येईल. त्याच्यात काही दुमत नाही. ह्याठिकाणी महासभेने ऑलरेडी जो निर्णय घेतलेला आहे की शहरातील ५० टक्के मालमत्ता करास सुट देण्याचा आणि आपली जी मागणी आहे त्यामध्ये विशेष कोट्यातुन आपल्या शिफारशीनुसार.....

**अनिल सावंत :-**

२५ टक्केचे प्रोव्हिजन आहे साहेब.

**मा. आयुक्त :-**

अॅडमिशन आपल्या मार्फत व्हावेत हा ठराव आणि आपली कार्यप्रणाली विचारात घेता राज्य शासनाचे केंद्र शासनाचे वेळोवेळी निर्णय बदलतात. आता राईट ऑफ एज्युकेशन अॅक्ट खाली शाळांचे अॅडमिशनचे आपल्याला माहिती आहे. ऑनलाईन पध्दतीने झालेले आहे. आणि त्यामध्ये याच्या पुढच्या स्टेजला राज्यशासनाने टेक ओव्हर घेतलेले आहे. तर त्या नियमात आणि याच्यात डूब्लिकेशन न होता आपण एज्युकेशन डायरेक्टरशी चर्चा करुन ह्या ठरावाच्या माध्यमातून महापालिकेला त्यामध्ये कसा शिफारस राहिल याचे आम्ही कार्यपालन निश्चित करु. आतापर्यंत २० शाळांना ही सवलत दिलेली आहे. त्याची यादी आपल्याला दिली जाईल आणि ४ संस्थेचे अर्ज आलेले आहेत त्याचे नावे ही आपल्याला दिली जातील.

**अनिल सावंत :-**

आता नावे असतील तर सांगा.

**मा. आयुक्त :-**

सावंत साहेब हा प्रश्न फार जुना आहे. आपल्या सगळ्यांना निश्चितच ही डिटेल् माहिती देऊ.

**अनिल सावंत :-**

अजूनही आपल्या डिपार्टमेंटजवळ माहिती नाही हे दुर्दैव आहे ह्या शहराचे.

**मा. आयुक्त :-**

माहिती आहे. एज्युकेशन ऑफिसर डेप्युटी डायरेक्टर म्हणून पदोन्नती झाली त्यांना आम्ही रिलिव्ह केलेले आहे. दुसऱ्यांची मागणी केलेली आहे. आपल्याला ही माहिती उपलब्ध करु.

**अनिल सावंत :-**

माझी साहेब आपल्याला विनंती आहे २५ टक्के ज्या शाळांमध्ये कर सवलत आपण देतो आणि २५ टक्के महापालिकेचा कोटा आहे. त्याठिकाणी प्रवेश देतेवेळी एक काहीतरी सेंट्रलाईज मेशड करा की नगरसेवक लेटर देत असतील तर त्यांना तुम्ही रेकमेन्डेशन करा. आयुक्तांनी रेकमेन्डेशन करावे म्हणजे काय राहिल की त्या शाळांमध्ये त्या विद्यार्थ्याला प्रवेश मिळेल. आणि ती माहिती प्रवेश प्रक्रिया संपल्यानंतर महापालिकेजवळ असावी.

**मा. आयुक्त :-**

निश्चित त्या पध्दतीने कार्यप्रणाली निश्चित करण्याचा प्रयत्न केला जाईल.

**मर्लिन डिसा :-**

सर संबंधित वॉर्डच्या नगरसेवकांना तरी त्यांनी प्राधान्य द्यायला पाहिजे. ज्या ज्या शाळा ज्या वॉर्डमध्ये आहेत त्यांना ते द्यायला पाहिजे.

**मा. आयुक्त :-**

मी तुम्हाला सुरुवातीलाच सांगितले. राईट ऑफ एज्युकेशन अॅक्ट खाली महापालिकेच्यावर एज्युकेशन डायरेक्टर आणि डेप्युटी डायरेक्टर याचे नियंत्रण करतात आणि आता त्यामध्ये शाळांचे अधिकार सुध्दा फार कमी केलेले आहेत राज्यशासनाने. आणि सगळ्या अॅडमिशन प्रणाली हे ऑनलाईन पध्दतीने केलेल्या आहेत.

**अनिल सावंत :-**

आर.टी.ई मध्ये जो कोटा आहे तो वेगळा.

**मा. आयुक्त :-**

आर.टी.ई अॅक्टला हे सुपरसीड होऊ शकत नाही असे मी म्हणत आहे. आपला निर्णय असला तरी आता जे नव्याने निर्णय झाले त्याच्यात आपला हक्क राहू शकतो की हे पहिला बघावे लागेल.

**अनिल सावंत :-**

साहेब राहायला पाहिजे. महापालिकेचा ठराव काढून बघा.

**मा. आयुक्त :-**

पूर्ण राज्याचा निर्णय आहे. सगळ्या विद्यार्थ्यांचा पारदर्शक पध्दतीने अॅडमिशन घेण्याचा निर्णय आहे. त्यात स्थानिक स्वराज्य संस्थेचा निर्णय कितपत आपल्याला साध्य करता येतो. आम्ही हे डायरेक्टरशी रिटर्नमध्ये संमती घेऊन आपल्याला त्याची कार्यप्रणाली निश्चित केली जाईल.

**अनिल सावंत :-**

साहेब महापालिकेने ठराव केलेल्याला अर्थ राहत नाही ना.

**मा. आयुक्त :-**

आपली जी मागणी होती त्या त्या भागातील सदस्यांना त्याच्यामध्ये समावेश केला जाईल. निश्चित त्याचा विचार केला जाईल.

**मर्लिन डिसा :-**

साहेब विद्यार्थ्यांना सुध्दा अकॉर्डिंग टू आर.टी.ई ते त्या परिसरात जी शाळा आहे त्यांना मिळायलाच पाहिजे असे त्या अकॉर्डिंग टू आर.टी.ई मध्ये कॅडीशन आहे.

**रिटा शाह :-**

साहेब आर.टी.ई येऊन किती वर्षे झाले? साहेब आर.टी.ई ची परिभाषा अलग आहे. त्याच्यामध्ये अंडर बिलो पॉवर्टी लाईनच्या मुलांना घ्यायचे असे त्याच्यामध्ये नमुद आहे. पहिला शाळेच्या मॅनेजमेंटला ते सोपविले की तुम्ही २५ टक्के जागा भरायची आता मागच्या वर्षापासून ते ऑनलाईन झालेले आहे. साहेब ते डायरेक्ट एज्युकेशनतर्फे ते आमच्याकडे येत आहे. शाळावाल्याकडे आणि ते बघायला गेलो तर साहेब त्याच्यामध्ये चुका काय आहेत. पेणकरपाड्यामध्ये राहणारा मुलगा भाईदर वेस्टमध्ये ते अलोड करतात. म्हणून तो मुलगा अॅडमिशन तर सोडा तो शकल पण दाखवत नाही की मला अॅडमिशन पाहिजे. हे त्याच्यात चुका आहेत.

**नगरसचिव :-**

प्रश्न क्र. १३, **मिरा भाईदर शहरासाठीच्या विकास योजनेतील आरक्षण क्र . २४६ (खेळाचे मैदान)**

**किती टक्के आपल्या ताब्यात आलेले आहे?**

**अनिल सावंत :-**

साहेब ते रिपीट झालेले आहे. एम.एम.आर.डी.ए चे मागच्यावेळी चर्चा झालेली आहे.

**नगरसचिव :-**

एम.एम.आर.डी.ए चा प्रश्न क्र. १२ रिपीट झालेला आहे. आपण आता १३ नंबर घ्यायचा आहे.

**मा. आयुक्त :-**

मागे जे हायर एफ.एस.आय. ची चर्चा होती तीच कम्पलीट आहे.

**नगरसचिव :-**

प्रश्न क्र. १४, **शहरामध्ये किती ठिकाणी 'बाजार ठेके' देण्यात येतात?**

**अनिल सावंत :-**

१३ नंबर आहे ना.

**नगरसचिव :-**

तुम्ही १३ झाला बोललात ना.

**अनिल सावंत :-**

नाही १२ झाला. एम.एम.आर.डी.ए चा झाला.

**मा. महापौर :-**

१३ नंबर बोला.

**नगरसचिव :-**

प्रश्न क्र. १३, **मिरा भाईदर शहरासाठीच्या विकास योजनेतील आरक्षण क्र . २४६ (खेळाचे मैदान)**

**किती टक्के आपल्या ताब्यात आलेले आहे?**

**अनिल सावंत :-**

आयुक्त साहेब प्रश्न विचारण्या मागे फक्त उत्तर अपेक्षित नसते. पालिकेने काय कारवाई केली ते अपेक्षित असते. आपल्या अजेंडावर पुढे एक विषय आहे. आरक्षणातील कुंपण भिंत आणि माती भराव साठीचा त्या अनुषंगाने हा प्रश्न आहे. साहेब हे आरक्षण क्र. २४६ खेळाचे मैदान मागच्या मिटींगमध्ये याच्यावर ठराव झाला की बायबॅक पध्दतीने त्या विकासकाला विकसित करायला घ्यायचे. त्यावेळी डिटेल् चर्चा होऊ शकली नाही. साहेब हे जे आरक्षण आहे २० हजार चौ.मी आणि आपण टी.डी.आर दिलेला

आहे. २१ हजार ६४९ स्क्वेअर ६८ हे कसे काय? याची कुठची तरी एक फिगर चुकलेली असली पाहिजे. चुकीची असली पाहिजे. २० हजार जर आरक्षण असेल तर २१ हजार टी.डी.आर कसा काय दिला. २१ हजार ६४९.

**मा. आयुक्त :-**

क्षेत्र आहे ते टी.डी.आर नाही जागा ताब्यात जास्तीची आलेली आहे.

**नगररचनाकार :-**

विकास योजनेमध्ये.....

**मा. आयुक्त :-**

सातबा-याला जागा आणि पझेसन जागा याच्यामध्ये फरक असतो. तर त्या चतुर्थ श्रेणी मधली जागा जर मोजली तर तुम्ही म्हणता त्याप्रमाणे जास्तीची आहे.

**अनिल सावंत :-**

म्हणजे आपण त्याला किती टी.डी.आर दिलेला आहे २० हजार.

**नगररचनाकार :-**

टी.डी.आर जेवढी जागा ताब्यात आलेली आहे.

**अनिल सावंत :-**

२१ हजार ६४९.

**नगररचनाकार :-**

त्याचेच दिलेले आहे.

**अनिल सावंत :-**

म्हणजे ताब्यात आलेली २१ हजार आहे.

**नगररचनाकार :-**

२१ हजार.

**अनिल सावंत :-**

हरकत नाही साहेब. आरक्षण ताब्यात घेतेवेळी मा. महासभेमध्ये एक ठराव केलेला होता की कुंपण भित्त आणि माती भराव हे त्या विकासकाने करून घ्यायचे आहे. विकासक जर करत नसेल तर ते महापालिकेने करायचे आहे. त्याचा मोबदला त्याच्याकडून घ्यायचा. तरच त्याला टी.डी.आर दिला जाऊ शकतो. आज हे आरक्षण आपण म्हणतो १०० टक्के ताब्यात आहे. तर आज ५० टक्के आरक्षणावर विकासकाने पत्रे मारलेले आहेत ही वस्तुस्थिती आहे आणि ते खेळाचे मैदान लोकांच्या उपयोगासाठी येत नाही. विकासक आहेत, सेव्हन इलेव्हन कंस्ट्रक्शन, घनशाम आहे. रामगड आहेत. सेव्हन इलेव्हन कंस्ट्रक्शन मनोज पुरोहित आहेत साहेब ठिक आहे. विकासकाने पालिकेच्या ताब्यात आरक्षण दिले पालिकेने टी.डी.आर दिल्यानंतर पालिकेची जबाबदारी नाही का....

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य सर्व बसुन जा.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. आयुक्त :-**

माझी विनंती राहिल एकाने व्यवस्थित चर्चा करावी.

**अनिल सावंत :-**

हे प्रशासनाचे बोल आहेत त्यांनी ज्यावेळी टी.डी.आर दिला त्यावेळी १०० टक्के आरक्षण ताब्यात घेऊन याची निगा राखली पाहिजे होती. एवढीच अपेक्षा होती. आता त्यानंतर ते आरक्षण माझी अशी अपेक्षा आहे की तुम्ही ते पूर्ण ताब्यात घ्याल. टी.डी.आर आपण दिलेला आहे. आता त्यानंतर एक साहेब माती भराव आणि कुंपण भित्त त्याचे पैसे पालिकेकडे जमा झाल्यानंतरच त्या आरक्षणाचा टी.डी.आर देण्यात येतो ती कॉस्ट आपण त्याच्या जवळून मार्केट रेटप्रमाणे वसूल करतो. साहेब ह्या पूर्ण २० हजार चौ.मी. आरक्षणाच्या कुंपण भित्त आणि माती भरावासाठी फक्त ३ लाख ५८ हजार १८२ रुपये विकासकाजवळून आपण घेतलेले आहेत. ठिक आहे त्यावेळी कुठच्या डिपार्टमेंटने तो सर्व्हे केला आणि ती कॉस्ट फाईनल केली. याच्यामध्ये फक्त दोन विकासकाने पैसे भरलेले आहेत. बाकीचे ४ विकासक आहेत. त्यांनी त्याचे पैसेच भरलेले नाहीत. याचा अर्थ तिथे कुंपणभित्त होती किंवा माती भराव होता.

**प्रभात पाटील :-**

सावंत साहेब तुमच्या म्हणण्याशी मी दुजोरा देते. एकदम दुजोरा देते तुम्ही आता सेव्हन इलेव्हन बदल बोलले. आणखीन ४ लोकांविषयी बोला पण जो नियम सेव्हन इलेव्हन आणि इतर चार लोकांना पण लागू आहे. तो ह्या सभागृहात बसलेल्या प्रत्येकाला पण लागू आहे.

**अनिल सावंत :-**

हे असायलाच पाहिजे. प्रभात ताई महासभेमध्ये ज्यावेळी विषय येतो त्यावेळी हिच अपेक्षा असते.

**दिनेश नलावडे :-**

महापौर मॅडम प्रभात ताईने जो विषय घेतला. सर्वांच्यासाठी लागू आहे ह्या मताशी मी १०० टक्के सहमत आहे. परंतु हे मात्र प्रशासनाने आणि सत्ताधाऱ्याने लक्ष द्या की इथे जे सगळे बसलेले आहेत त्यांच्यावरती सर्वांवर एकच नियम लागू ठेवा.

**अनिल सावंत :-**

त्यावेळी ३ लाख ५८ हजार कॉस्ट कशी ठरवली. ते तुम्ही फाईनल करा. इन्व्हेस्टीगेशन करा. त्याच्यामध्ये जे दोषी असतील त्यांना शिक्षा करा. आता त्यांनी ती कॉस्ट डिक्लेअर केली ३ लाख ५८ हजार ती आपण विकासकाकडून जमा करून घेतली आणि महापालिकेने मात्र कुंपण भिंत आणि माती भरावसाठी ४३ लाख २७ हजार ५९८ रुपये खर्च केले आहेत. म्हणजे विकासकाकडून फक्त ३ लाख घेतले आणि महापालिकेने ४४ लाख रुपये त्याठिकाणी खर्च केलेले आहेत. हा विरोधाभास का? हा विषय मी घेतला कारण मागच्या मिटींगमध्ये २४६ आरक्षण बायबँक पध्दतीने परत विकासकाला द्यायचे असा ठराव बहुमताने संमत झाला. तर त्या आरक्षणाची खरी वस्तुस्थिती काय आहे त्यावेळी चर्चा होऊ शकली नाही.

**मा. आयुक्त :-**

यामध्ये सन्मा. सदस्य अनिल सावंतजीने जो प्रश्न विचारलेला आहे की शहरातले जे आरक्षण आहेत त्या आरक्षणाचे टी.डी.आर देताना सपाटीकरण म्हणजे लेव्हलींग भराव आणि त्याला कुंपणभिंत हे विकासकाकडून करून घेतले पाहिजे आणि त्यानंतर त्याला टी.डी.आर दिला पाहिजे. जेणेकरून जे काही त्यांना आपण मोबदला देतो सार्वजनिक हितासाठी आणि डिस्प्युटेड आपल्या ताब्यात आला पाहिजे आणि वर्केबल असला पाहिजे. हा त्या मागचा उद्देश आहे. पण १-१ आपल्या आरक्षणांमध्ये पाच ओनर चार ओनर, तीन ओनर कधी कधी ७-८ ओनर. उदा. आपण जर बघितले गोल्डन नेस्टच्या बाजूला त्यात मल्टीपल ओनर आहेत. पण त्याच्यात होते काय कुणाची १०० स्क्वेअर मीटर येते, कोणाची ५० स्क्वेअर मीटर येते. मग त्यामध्ये आपला परपज आहे. अधिनियमातला किंवा आपल्या परिपत्रकाचा मग तो इंटरनल कुंपण भिंतीचे जाळे तयार होतात आणि ते अनवर्केबल होते. म्हणून त्याचा मोबदला पैशांचा स्वरूपात भरून घ्यायचा. हा त्याचा मागचा उद्देश आहे. आजच्या कामकाजात सुध्दा तो विषय मा. महापौरांनी तो विषय १२४ मध्ये घेतलेला आहे. आपण त्याच्यावर यापुढे अंतिम काहीतरी प्रणाली ठरवून काम करायचा आमचा उद्देश आहे. म्हणून तो विषय आणलेला आहे. आणि ह्या ठिकाणी तुम्ही म्हणता की ३ लाख ५८ हजार रुपये वसूल केलेले आहेत. आणि खर्च जास्तीचा केलेला आहे. त्याची डिटेल्स आम्ही चौकशी करू आणि जे नियमाप्रमाणे वसूल झाले की नाही याची खात्री करू. आणि जर वसूल झाले नसतील तर त्या विकासकाकडून पैसे वसूल करू.

**अनिल सावंत :-**

साहेब याच्यामध्ये प्रश्न विचारल्यापासून आपल्या बायबँक ठराव त्या ठिकाणी करतो.

**मा. आयुक्त :-**

ती माहिती मी आपल्याला सबमिट करतो.

**अनिल सावंत :-**

ती चर्चा नको. तो विषय झालेला आहे.

**मा. आयुक्त :-**

माहिती घ्यायची असेल तर मी सांगू इच्छितो नाहीतर असु द्या काही हरकत नाही.

**अनिल सावंत :-**

हा विषय संपवू द्या मग सांगा. मला अपेक्षा ही आहे की ज्यावेळी मी प्रश्न विचारला त्यानंतर टाऊन प्लानिंग फक्त उत्तर देऊन मोकळा झाला. आम्ही विकासकाकडून ३ लाख ५८ हजार घेतले आणि आम्ही खर्च ४३ लाख रुपये केला.

**मा. आयुक्त :-**

ते आम्ही तपासून घेऊ.

## अनिल सावंत :-

ह्या पिरेडमध्ये का तपासले नाही? एवढे दिवस गेले एक महिना गेला त्याच्यात का नाही तपासले. कारवाई का केली नाही? प्रश्न विचारण्याचा उद्देशच हा असतो. मागच्यावेळी मी साहेब बाजार फी चा विषय आणला होता मी प्रश्न टाकल्यानंतर लाखो रुपये पालिकेने वसूल केले.

## मा. आयुक्त :-

यामध्ये सुध्दा आम्ही डिटेल चेक करून घेऊ आणि महापालिकेचे त्याच्यात नुकसान होणार नाही ही खात्री देतो कारण ऑलरेडी भुखंड पूर्ण आमच्या ताब्यात आलेला आहे. त्याला सुस्थितीत कुंपण भिंत आहे तिथे कुठलाही डिस्प्युट नाही आहे. प्रश्न जो तुमचा बायबॅकचा होता. मागचा २१४ आरक्षणाचा एखादे आरक्षण मेजर स्वरूपात प्रायव्हेट लोकांकडे असतील आणि त्याच्यात महापालिकेच्या ताब्यात आलेले आरक्षणाचा हिस्सा जर नगण्य असेल तर ते आरक्षण जोपर्यंत तो विकासक आपल्याकडे देत नाही तोपर्यंत असाच पडून राहतो. आणि आपल्या शहरात असे भुखंड मोठ्या प्रमाणात आहेत. त्याच परिसरातील नागरिकांना विद्वुपीकरण म्हणा तिथे घाण पडून माती डेब्रीज पडून तो परिसर आरोग्याच्या दृष्टीने राहण्याच्या दृष्टीने चांगला राहत नाही तर त्यामध्ये ठाणे महानगरपालिकेमध्ये हे धोरण आहे की सिडकोमध्ये आपण एखादे भूखंड घेतला किवा एम आय डी सी मध्ये भूखंड घेतला तर त्याला बेस लिमिट असते तीन वर्षांमध्ये तो विकसीत झाला पाहिजे तर जे खाजगी आहे आपल्याला त्याला तसे बंधन करता येत नाही पण आपण त्याला काही वेगळी स्किम दिली तर तो लवकर शहरात विकसित व्हावा ह्या उद्देशाने मागच्या महासभेत तो विषय आला होता. तुम्ही म्हणता त्याप्रमाणे त्याच्यावर अपेक्षित चर्चा होणे अपेक्षित होती पण त्यावेळी झाली नाही. त्यामध्ये उद्देश असा आहे मार्केट आरआर व्हॅल्युप्रमाणे महापालिकेच्या ताब्यात जो भूखंड आलेला आहे त्याच्यावर १० टक्के एक्स्ट्रा अमाऊंट तो विकासक पाहिला तो भूखंड ताब्यात घ्यावे. लक्षात आले ना. आपल्या ताब्यात आलेल्या भूखंडाची आरआर बेस व्हॅल्युच्या १० टक्के अॅड करून म्हणजे समजा आता ९० टक्के एकाकडे भूखंड आहे, १० टक्के मनपाच्या ताब्यात आहे तर १०० टक्के चे आपण घेवून विकसित करायला वेळ लागणार पण एखादा ९० टक्केवाला तो घेऊ शकतो. मग त्याने घेताना काय केले पाहिजे. आरआर च्या व्हॅल्युप्रमाणे १० टक्के एक्स्ट्रा कॉस्ट देवून महापालिकेकडून तो भूखंड त्याने घेतला पाहिजे. पहिली अट एकदा तो १०० टक्के भूखंड घेतला नंतर त्याचे विकास समावेशन आरक्षणातून करणे अपेक्षित आहे. जर गार्डन असेल तर त्याच्या बदल्यात त्याने ७० टक्के त्या भूखंडाचा हिस्सा म्हणजे आपला घेतला तर तो १०० टक्के गार्डन विकसित करून फ्री ऑफ कॉस्ट त्याने महापालिकेच्या ताब्यात देणे अपेक्षित आहे. त्याच्या स्वखर्चाने ७० टक्के मग ३० टक्के जो राहिलेला भाग असेल त्याने लगतच्या याच्यानुसार रहिवास वापर करू शकतो मला सांगा याच्यात महापालिकेचा फायदा आहे आणि ते धोरण आपण केलेले आहे. त्याला ३ प्रकारे घाटा होतो. एक आपली कॉस्ट १० टक्के जास्तीने त्याला द्यावे लागणार. त्याचा महापालिकेला फायदा होणार ती जागा त्याच्या फेरमालकी जास्तीची असल्यामुळे ते कितीही दिवस विकसित होत नाही जोपर्यंत त्याची कन्सेप्ट येत नाही त्याला लवकर विकसित होण्यासाठी चालना भेटू शकते आणि त्याच्यात कुठलाही खर्च न करता आपल्याला एवढाच नुकसान आहे. १०० टक्के पेक्षा ७० टक्के आपल्या ताब्यात येते. तर हे ठाण्यात आणि इतरत्र विविध कन्डीशनमध्ये हे विषय येतात आणि हा विषय इथे आणण्यापूर्वी प्रधान सचिव महोदयांशी चर्चा केली आणि ठाण्यात हे चांगल्या पध्दतीने राबविले जाते. त्यामुळे आपल्या शहरात आणलेले आहे. कोणीही असे विकासक म्हणून नाही शहरातला कोणीही विकासक याचा लाभ घेवू शकतो.

## जुबेर इनामदार :-

साहेब हा चांगला विषय आहे. नो डारुट त्यासाठी सिंगल ओनरशीप लागेल ना.

## मा. आयुक्त :-

मल्टीपल असले तरी त्यांनी सगळ्यांनी एकत्रित येऊन मागणी केली पाहिजे.

## जुबेर इनामदार :-

एकत्र आले तर होईल. मागणी नाही तर आहे तसाच विषय प्रलंबित राहणार.

## मा. आयुक्त :-

मॅक्झीमम निघतील ना. समजा मेन सेल होल्डर जास्तीचा असेल त्याने दुसऱ्याकडून घेईल आणि जो आपला असेल तो आपल्याकडून घेईल.

## गिता जैन :-

साहेब हे फक्त बिल्डेबलसाठी मुंबईमध्ये आणलेले आहे. मैदानासाठी अजूनपर्यंत कदाचित आलेले.....

**मा. आयुक्त :-**

समावेशक आरक्षणामध्ये आता सगळ्या बाबींचा समावेश झालेला आहे. बिल्डेबलमध्ये आपल्याला रेश्यु कमी आहे, मैदानामध्ये रेश्यु जास्त आहे. गार्डनमध्ये रेश्यु जास्त आहे.

**अनिल सावंत :-**

आयुक्त साहेब, नफा तोटा बघायला महापालिका काही प्रायव्हेट लिमिटेड कंपनी नाही लोकांच्या हितासाठी आपण बसलो आहोत. आता त्यानंतर तुम्ही म्हणता की एखादे आरक्षण ७० टक्के महापालिकेच्या ताब्यात दिले जाते. खेळाचे मैदान धरून चाला. २० हजार चौ.मी. चे आरक्षण आहे. ७० टक्के तुमच्या ताब्यात दिले १६ हजार आणि त्याठिकाणी त्या ३० टक्के मध्ये त्याने रेसिडेन्शीयल कॉम्प्लेक्स बांधले. तुमची अशी अपेक्षा आहे का इतर लोकांना ते गार्डन वापरायला मिळेल की, ते ३० टक्के वाले वापरतील?

**मा. आयुक्त :-**

७० टक्के पूर्ण शहराला वापरण्याचे हक्क आहे.

**अनिल सावंत :-**

असे होईल का?

**मा. आयुक्त :-**

तसेच व्हायला लागेल. त्याची टायटल परत आपल्या नावाने होणार.

**अनिल सावंत :-**

साहेब मॅक्सिस मॉलचे ग्राऊंड ताब्यात घेण्यासाठी कोर्टाने निर्णय दिलेले आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

आपण दिलेले ग्राऊंड मॅक्सिस मॉलचे ग्राऊंड आजपर्यंत आपण ताब्यात घेऊ शकलो नाही.

**मा. आयुक्त :-**

मॅक्सिस पार्कचा विषय वेगळा आहे. महापालिकेने ऑक्शन काढून भाड्याने दिलेले आहे. ३० वर्षांचा त्याच्यामुळे तो डिसपुट आपण जर त्याला भाड्याने दिला नसता आपली ओनरशीप राहिली असती. सर्व आपले राहिले असते.

**जुबेर इनामदार :-**

आज तिथे परिस्थिती बघा काय आहे.

**मा. आयुक्त :-**

आपणच घेतलेला निर्णय आणि त्याची आपणच चर्चा करतो.

**जुबेर इनामदार :-**

बरोबर आहे निर्णय घेतला त्याच्यात १० टक्के त्याला वापरायला दिला होता.

**मा. आयुक्त :-**

तो सुध्दा अंतिम निर्णयासाठी हायकोर्टामध्ये आहे.

**अनिल सावंत :-**

साहेब ह्या प्रकरणाचा डिटेल इन्व्हेस्टीगेशन करून मला डिटेल उत्तर तुम्ही १५ दिवसात द्याल अशी माझी अपेक्षा आहे.

**मा. आयुक्त :-**

ठिक आहे.

**अनिल सावंत :-**

धन्यवाद.

**नगरसचिव :-**

प्रश्नोत्तराची वेळ संपलेली आहे. आजच्या सभेकरिता २ के खाली दोन प्रस्ताव प्रशासनाकडून आलेले आहेत. त्यातला पहिला प्रस्ताव आहे. पहिला २ के राष्ट्रीय महामार्ग क्र.८ वर खासदार निधी व मनपा निधीतून फुटओव्हर ब्रिज बांधणे कामाबाबत. हा २ के खाली घ्यावयाच्या प्रस्तावाला सभागृहाची मान्यता आहे का? मान्यता आहे त्यामुळे हा विषय विषयपत्रिकेवरील सर्व विषय संपल्यानंतर शेवटी घेण्यात येईल. दुसरा २ के प्रस्ताव हा देखील प्रशासनाकडून आलेला आहे. ह्या विषयाला सभागृहाची मान्यता आहे का?

**निलम ढवण :-**

साहेब लोकशाहीवर पूर्ण गदा आणायचा प्रयत्न आहे का?



**मा. आयुक्त :-**

ताई माझा मुद्दा असा आहे की, कुठल्याही लोकशाहीमध्ये आंदोलन हे होतच राहणार आणि ते केलेच पाहिजे. त्याच्याबद्दल कुणाचेही दुमत नाही. पण आता मंत्रालय आहे, मुंबई महापालिका आहे, ठाणे महापालिका आहे, नवि मुंबई महापालिका आहे. आपली महापालिका आहे. महानगरपालिकेचे जे पुर्वीचे जे प्लेसेस आहेत. त्याठिकाणी जी अपेक्षित जागा पाहिजे. ते आंदोलनकर्तेची गैरसोय होते. तिथे त्यांना बसता येत नाही. त्याच्यासाठी आपल्याला एक पालिकेने जागा निश्चित केली पाहिजे आणि लोकशाहीमध्ये विरोध आणि सत्ता हे कायम नाहीत. आपणच आहोत ते कोणी वेगळे नाहीत. आंदोलनकर्ते आपल्यापेक्षा वेगळे नाहीत तर मला काय वाटते त्याची दखल घेतली पाहिजे. आपण त्याच्याबद्दल सुविधा आणि चांगल्या पध्दतीने आणि आता वेगवेगळ्या ठिकाणी तसे नोटिफाईड प्लेसेस आहेत आपण ते नोटिफाईड प्लेस केला पाहिजे.

**निलम ढवण :-**

साहेब ज्याच्या संदर्भात आंदोलन असेल.

**मा. आयुक्त :-**

आंदोलने हे अनेक विषयाबद्दल राहू शकतात. त्या-त्या संदर्भ काळात राहू शकतात. आंदोलनाची चर्चा वेगळी आणि हा विषय वेगळा आहे.

**निलम ढवण :-**

ज्याच्या संबंधित असू शकेल त्यांना तुम्ही.....

**मा. आयुक्त :-**

तुम्ही सर्वांनी ठरावा ना. माझा विषय आहे. सुभाषचंद्र बोस मैदानाचा समोरचा परिसर आपण ह्या शहराचे पालक आहोत. आपण लोकांची काळजी घेतली पाहिजे. आपण तो विषय ठरवा.

**निलम ढवण :-**

अजिबात नाही हे होऊ देणार नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. आयुक्त :-**

हा विषय सत्तेच्या विरोधाचा नाही. लोकांच्या काळजीचा आहे आणि प्रत्येक महापालिकेमध्ये ह्या जागा निश्चित झालेल्या आहेत.

**निलम ढवण :-**

साहेब ज्याच्या संबंधित करणार आहेत इथे परिसरच मोकळा नाही.

**मा. आयुक्त :-**

तुम्ही ठरवा.

**निलम ढवण :-**

तुम्ही एका साईडला करुन लोक तिथे कशाला बघायला जाणार.

**मा. आयुक्त :-**

तुम्ही मुद्दा समजून घ्या.

**निलम ढवण :-**

साहेब एवढे लांब सुभाषचंद्र बोस मैदान.

**मा. आयुक्त :-**

तुम्ही ठरवा. जागा आम्ही सुचवली नाही.

**निलम ढवण :-**

तिथे कम्पाऊंडच्या बाहेर कुठेही बसू शकतात.

**मा. आयुक्त :-**

के खाली प्रस्ताव सादर केलेला आहे. तो सिनिअरीटीमध्ये येईल. त्याच्यावर तुम्ही चर्चा करा. कामकाजामध्ये त्याच्यावर निर्णय करा.

**निलम ढवण :-**

साहेब एवढे चांगले विषय आहेत. लोकांच्या हिताचे आहेत. ते घ्या ना. के खाली ज खाली प्रस्ताव. आंदोलकांवर तुम्ही बंधने घालायला बघत आहेत.

**मा. आयुक्त :-**

त्यांचीच मागणी आहे. त्यांना तेवढ्या कमी जागेमध्ये गैरसोय तिथे थंडी.....

**निलम ढवण :-**

थंडी आहे तर मग तिथे.....

**जुबेर इनामदार :-**

पालिकेच्या बाहेरचा फुटपाथ जर असेल ते आडवे ग्रिल लाऊन बंद का केले?

**मा. आयुक्त :-**

मला तेच म्हणायचे आहे फुटपाथ सुप्रिम कोर्टाच्या निर्णयाप्रमाणे आंदोलनासाठी नाही. फुटपाथवर आंदोलन होऊ शकत नाही. नागरिकांना चालण्यासाठी आहे.

**निलम ढवण :-**

आपल्या गेटच्या बाहेर भरपुर जागा आहे.

**मा. आयुक्त :-**

गांभियाने आम्ही विषय दिलेला आहे. तुम्हाला त्याचा सिरियसली विचार करता येत नसेल.....

**निलम ढवण :-**

पालिकेच्या एन्ट्रीला द्या.

**मा. आयुक्त :-**

हा विषय गांभियाने दिलेला आहे. त्याला सिरियसली घेतला पाहिजे.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

सभा त्यांच्या हिशोबाने चालणार का. हे बोलता घ्या नाही घ्या आम्ही इथे कशासाठी बसलेलो आहोत.

(सभागृहात गोंधळ)

**सुरेश खंडेलवाल :-**

सचिव साहेबांनी विषय वाचला तो सभागृहाचा अधिकार आहे त्यांनी घ्यायचे की नाही घ्यायचे आणि याची भाषा अशी आहे हे आम्ही होऊ देणार नाही हे आम्ही चालू देणार नाही हे आम्ही करू देणार नाही. मग आम्ही इथे कशाला बसलो आहोत. तर मग तुम्ही ठरवून घ्या. त्यांनी विषय वाचला आहे. सभागृहाला ठरवू द्या विषय घ्यायचा की नाही घ्यायचा. त्याचा निर्णय सभागृह घेईल. तुम्ही मेहरबानी करून तुमचा विषय जेव्हा येईल तेव्हा तुम्ही उभे रहा. प्रत्येक गोष्टीला तुम्ही विरोध करतात. सभागृहाचा वेळ तुम्ही वाया घालवता.

(सभागृहात गोंधळ)

**सुरेश खंडेलवाल :-**

विषय आल्यानंतर तुम्ही चर्चा करा.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

ह्या विषयाला सभागृहाची मंजूरी आहे का?

(सभागृहात गोंधळ)

**प्रविण पाटील :-**

महापौर मॅडम प्रशासनाने हा विषय आणलेला आहे. मुळात याच्यावरून असे सिध्द होते की ह्या शहरामध्ये भरपूर आंदोलने होणार आहेत. गेल्या एक दिड वर्षापासून आपली सत्ता आल्यापासून असे विषय आले की प्रत्येक विषयावर आंदोलन करावे लागणार आहे. असे आयुक्तांना वाटते. मुळात ही जागा निश्चित करावी कारण आता जे आंदोलन चालू आहे त्या आंदोलनकर्त्यांची गैरसोय बघून आयुक्तांना खरच वाटले की हा विषय घ्यावा.

**निलम ढवण :-**

आम्हाला हा विषय मंजूर नाही.

**प्रविण पाटील :-**

आम्हाला चर्चा करू द्या. आम्ही निर्णय कुठे घेतलेला आहे.

**शानु गोहिल :-**

महापौर मॅडम प्रविण पाटीलजी लगता है ज्योतीषी है। उनको आगे की भविष्यवाणी पता है।

(सभागृहात गोंधळ)

**प्रविण पाटील :-**

असे ठराव झाले आहेत असे विषय झाले आहेत की त्या प्रत्येक विषयावर आंदोलन होणार आहे असे आयुक्तांचे मत आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

**प्रविण पाटील :-**

कारण आतापर्यंत आंदोलन करायची ह्या शहराला गरज लागली नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**दिनेश नलावडे :-**

महापौर मॅडम हा जो विषय आलेला आहे. सभागृहामध्ये मी सांगतो हे मोर्चे आपण कुठे आणायचे आणि कुठे अडवायचे हा विषय आयुक्त साहेबांनी सांगितले. सुभाषचंद्र बोस मैदानात मोर्चे येतात. मोर्चे कोणाला दाखवायला येतात. त्या सुभाषचंद्र बोसमध्ये मोर्चा आला तो तिकडे कोणाला सांगणार तो कोणाला दाखवणार. मोर्चा येतात ते सभागृहाला जागवण्यासाठी.

(सभागृहात गोंधळ)

**दिनेश नलावडे :-**

हा विषय चुकीचा आलेला आहे. ह्या विषयात दम नाही महापौर मॅडम हा विषय रद्द करण्यात यावा.

**मा. आयुक्त :-**

नलावडेजी आपल्याला माहित आहे का, कायदा सुव्यवस्थेचा प्रश्न. नागरिकांची सोय ह्या बाबी आपण इतर महापालिकेची माहिती घ्या. आयुक्तांनी प्रस्ताव हा लोकांच्या हितासाठी आणलेला आहे. ते तुम्ही ठरवा.

**प्रभात पाटील :-**

खरतर हा विषय घेतला तर एवढीच चर्चा अपेक्षित आहे. पण विषय सुध्दा घेत नाही आणि चर्चा आधीच चाललेली आहे. त्याला काही अर्थ नाही. तुम्ही विषय घ्या मग चर्चा करा. विषयपटलावर आणा मग तुम्ही विरोध करा.

**जयंतीलाल पाटील :-**

सन्मा. आयुक्त साहेब मला एकच बोलायचे आहे मिरा भाईंदरचा एक नागरिक जो मोर्चा करायला बसलेला आहे. तो काही स्वतःच्या हितासाठी बसलेला नाही. तुम्हाला माहित नसेल तो प्रदिप जंगम कुठल्या विषयावर बसलेला आहे.

**मा. आयुक्त :-**

मला सभागृहाला नम्रपणे सांगायचे आहे आताच्या इव्हेंट झाला म्हणून हा विषय नाही. आपली गैरसमज आहे हा विषय असा आहे. आपल्या लगतच्या ज्या महापालिका आहेत. आम्ही प्रत्येक ठिकाणी काम केलेले आहे. कुठल्याही महापालिकेच्यासमोर असे धरणे, निर्दर्शने नाहीत. मोर्चे येऊ शकतात, पण परमनन्तली आंदोलन करण्याला जागा नाहीत आणि तिथे जे आता आंदोलन होत आहे ते काही विरोधक नाहीत. मी त्यांना रोज बोलतो त्यांना काय गैरसोय होते त्यांच्यातून आलेली चर्चा आहे आणि त्यांच्याशी ही मी चर्चा केली. असेच नाही की उगाच हा विषय आणला. तर याच्यापुढे तुम्ही जे म्हणतात की लोकशाहीमध्ये विरोध हे अपेक्षितच आहे आणि आम्ही त्याचा सन्मान करतो. प्रशासन म्हणून आणि लोकशाहीचा गाभा म्हणून तर लोकांची गैरसोय होऊ नये. मोर्चा आंदोलने हे होऊ नये. उत्तम प्रशासन आहे.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

गैरसमज होऊ नये.

**मा. आयुक्त :-**

याच्यासाठी ठाणे महापालिकेसमोर ही बाब नाही. नवी मुंबई महानगरपालिकेसमोर ही बाब नाही. मुंबई कार्पोरेशनसमोर ही बाब नाही, मंत्रालयसमोर ही बाब नाही. ह्या गोष्टी समजायच्या असतील तर समजून घ्या. विषय घ्यायचा असेल तर घ्या नाहीतर नका घेऊ.

**जयंतीलाल पाटील :-**

आयुक्त साहेब माझा एकच विषय आहे. जो प्रदिप जंगम बसलेला आहे. तो स्वतःच्या हितासाठी बसलेला नाही. ह्या मिरा भाईंदरच्या हितासाठी बसलेला आहे.

**मा. महापौर :-**

आता त्यांचा विषय नाही.

**जयंतीलाल पाटील :-**

तुम्ही इथून मोर्चे हटवतात कशाला. हटवतात की तुमची कुठेतरी कारस्थान आहेत सेव्हन इलेव्हन हॉस्पिटल त्याच्यामध्ये २५ टक्के आरक्षण आहे. ते आरक्षण तुम्ही देत नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. उपमहापौर :-**

विषय घ्यायचा आहे की नाही ते सांगा. विषय जर घ्यायचा असेल तर चर्चा करा. आयुक्तांनी उदाहरण सांगितले की असे कुठचेही स्पॉट आपल्या सभागृहाला ठरवता येतील.

**जयंतीलाल पाटील :-**

कशाला स्पॉट घ्यायचा आता तुम्हाला कसे काय सुचवले. याच्याआधी का सुचले नव्हते.

**मा. उपमहापौर :-**

ही आजच्या आज व्यवस्था होणार नाही.

**जयंतीलाल पाटील :-**

आता तुम्हाला लोक भारी पडायला लागलेली आहेत. येणाऱ्या इलेक्शनमध्ये तुम्हाला समजून येईल. सन्मा. धृवकिशोरजी हमेशा बोलतात काँग्रेसने हे केले, काँग्रेसने ते केले पण स्वतः तेच करतात.

**मा. महापौर :-**

तुम्ही काही पण विषय इथे आणू नका.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. उपमहापौर :-**

आपल्याला क्रम ठरवायचा आहे. तो विषय घ्यायचा असेल तर सांगा म्हणजे आपल्याला क्रम ठरवायला नसेल तर तुम्ही सांगा. आपण एक मताने मान्यता दिली का संपूर्ण सभागृहाने?

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

आपण दिली नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

तुम्ही दोन्ही कशाला म्हणत आहेत. दोन्ही घेणार नाही दोन्ही म्हणजे काय.

**मा. महापौर :-**

सदस्यांना माझी विनंती आहे सर्व शांततेने ऐका.

**प्रविण पाटील :-**

रितसर विषय विषयपटलावर आणा आम्ही नंतर बघतो.

**मा. महापौर :-**

विषय प्रशासनाने आता आणलेला आहे परत परत विषय पटलावर कशाला?

**निलम ढवण :-**

एकाच विषयाला मान्यता आहे जो महामार्गाचा पहिला झाला त्यालाच मान्यता आहे.

**रिटा शहा :-**

मा. महापौर मॅडम ११ बजेची मिटींग है अब तक मिटींग शुरू नहीं हुई है आयुक्त साहेबने हमारे सामने एक विषय लाया आंदोलन के लिए एक अच्छा विषय है जो जहाँसे की आया वह रोड पे कहीं पे भी बैठ जाता है। और जो बैठा है उसने भी कम्प्लेन्ट किया है की हमारे पास में सुविधा नहीं है यह नहीं वह नहीं है करके आयुक्त ने वो अपने पास में विषय लाया है यह विषय हमें लेना है की नहीं लेना है उतना ही बोलना है अगर इनका विरोध है उतना ही बोलना है अगर इनका विरोध है तो उन्होंने ना बोल देनेका की विषय नहीं लेना है।

**निलम ढवण :-**

हमने नहीं बोला है।

**सुरेश खण्डेलवाल :-**

ना बोलके बैठ जाओ।

**रिटा शहा :-**

मॅडम यहा जितने की नगरसेवक हम लोग बैठे है आयुक्त साहबने जो अच्छा विषय हमारे सामने लाया है उसको हम सब नगरसेवको की उस विषय को मंजूरी है।

**जुबेर इनामदार :-**

पहिला उस विषय को विषय पत्रिका के उपर ले आइए।

**सुरेश खण्डेलवाल :-**

लेके कैसे आना नहीं आना वह हमारा अधिकार है।

**प्रभात पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम हा शहराचा शिस्तीचा विषय आहे आपल्या राज्यशास्त्रामध्ये असे म्हटलेले आहे की आंदोलनसाठी जागा आहे कोणी आंदोलकांना अडवत नाही की तुम्ही आंदोलन करू नये हा लोकशाहीचा निर्णय आहे. आंदोलन होणार आहे त्यांना सामोरे जायच आहे. म्हणजे गेटवर जातील किंवा सुभाषचंद्रला जातील किंवा आणखीण सेव्हन इलेव्हनला जातील.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

परमिशन लिए कोई भी उठेगा नहीं.

**प्रभात पाटील :-**

ह्या शहराला एखादा नियम लागत असेल ज्या शहरामध्ये चांगली घटना घडत असेल रस्त्यावर जर आंदोलकाचा ऊन, वारा, पावसापासून तर त्यांना जर कुठे निवारा मिळत असेल आणि सर्वात महत्वाचे ज्यांच्यावर तुमचा आक्षेप आहे की हे महापौर विषय आणतात. बी.जे.पी. विषय आणते हा विषय मा. आयुक्तांचा आहे ना तुम्ही त्यांचे सुध्दा महत्व मानत नाही की आयुक्तांनी दिलेला विषय आहे. जर तुम्हाला विषय नको आहे तर एवढी चर्चा करुन घेतली. आता विषयाला नाही म्हणता खरतर ह्या शहरात एक चांगला पायंडा पडेल जर इतर महापालिकेने अवलंबलेला आहे. आपली महापालिका त्यांच्या पंगतीत जाऊन का बसु नये असे आपल्याला का वाटते. कुठे लांब दिले नंतर त्यांच्या प्रश्नांकडे दुर्लक्ष होणार आहे. त्यांना समोर आणायचे आहे. तुम्ही आम्ही जाणार त्यांच्या सपोर्टला प्रश्न नाही. पण शेवटी उकल त्यांना प्रश्नांची करायची आहे. आणि त्यांची जबाबदारी आहे ते कुठेही जातील. आपल्याला त्यांच्या बरोबर नाही जायचे आहे.

**मा. आयुक्त :-**

मी उल्हासनगरला आयुक्त होतो. कायद्याने वागा असे एक संघकर्त्यांच्या त्यांनी स्वतःच्या घरात उपोषण करायचे तर आम्ही त्यांच्या घरात जाऊन सुध्दा दखल घ्यायची आणि त्यांच्या घरात जाऊन समेट करायचा. आणि त्यांनी सुध्दा १०-१० दिवस, १५-१५ दिवस उपोषण केलेले आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

उल्हासनगरमध्ये लोक चांगली असतील साहेब. प्रशासन चांगले काम करत असेल.

**मा. आयुक्त :-**

तसे काही नाही.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

हा जो विषय, आयुक्त साहेबांनी दिलेला आहे. आता हे सांगत आहेत की, नाही घ्यायचा. आम्ही सर्व सांगतो की घ्यायचा. चांगला पायंडा पाडायचा.

**निलम ढवण :-**

विरोधकांचे पण म्हणणे तुम्ही लक्षात घेतले पाहिजे.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य तुम्ही बसुन जा. आम्ही पुढचा विषय घेत आहोत.

**नगरसचिव :-**

आजच्या सभेसाठी पहिली लक्षवेधी आहे. श्रीम. गिता भरत जैन यांची सृष्टी येथील मलनिःसारण केंद्रामध्ये मृत पावलेल्या कामगारांच्या कुटूंबियांना आर्थिक मदत व संबंधित ठेकेदारावर कठोर कायदेशीर कार्यवाही करणेबाबत. दुसरी श्री. अनिल सावंत यांची आहे. मलनिःसारण केंद्रामध्ये मृत पावलेल्या कामगाराची जबाबदारी निश्चित करुन त्यांच्यावर कायदेशीर कारवाई करणेबाबत. तिसरी श्री. प्रशांत दळवी यांची आहे. रस्त्यावरील फेरीवाल्यांची अतिक्रमणे हटविणेबाबत. ह्या तिन्ही लक्षवेधी मी मा. महापौरांकडे सुपुर्त करतो.

**मा. महापौर :-**

श्री. प्रशांत दळवी यांची लक्षवेधी मी घेत आहे.

**प्रशांत दळवी :-**

महापौर मॅडम धन्यवाद. महापौर मॅडम माझ्या सन्मा. सदस्यांना माझी विनंती राहिल. महापौर मॅडम यांनी माझी लक्षवेधी स्विकारलेली आहे. महापौर मॅडम प्रथमतः आपले आभार व्यक्त करतो. आयुक्त महोदय हा माझा पर्सनल विषय नाही. हा पुर्ण मिरा भाईदरला भेडसावणारा प्रश्न आहे. म्हणून दि. ३/०९/२०१८ रोजी आपल्या माध्यमातून मी लक्षवेधी मांडली होती. खरतर महापौर मॅडम यांनी ह्या

लक्षवेधीच्या माध्यमातून फेरिवाल्याचा विषय प्रामुख्याने ह्या सभागृहात घेतला गेला आणि त्याविषयी चर्चा ही झाली. आयुक्त महोदय पुन्हा मी तुमच्या निदर्शनास आणून देऊ इच्छितो की, आपण त्या वेळेला शब्द दिलेला की, मिरा भाईंदरमध्ये वाढती लोकसंख्या आणि त्याचप्रमाणे फेरिवाल्यांचे वाढते प्रमाण आयुक्त महोदय ह्या फेरिवाल्यांच्यामध्ये माफीया राज चालू आहे. हा शब्द मला वापरावा लागत आहे. कारण आजही किड लागलेली नाही. ही गेल्या १० वर्षांपासून लागलेली किड आहे. महापौर मॅडम, आयुक्त महोदय तुम्हाला त्यानंतर ही दि. ३१/०७/२००० ला पत्र दिले होते आणि त्या अनुषंगाने मी काही सुचना केल्या होत्या. त्या तुमच्या निदर्शनास आल्या असतील. मी त्या सुचनेसह इथे वाचून दाखवतो. महापौर मॅडम, आयुक्त महोदय मी सांगितले होते की, मुख्य रस्ते, चौक, पथ बस रेल्वे स्थानक आदी प्रतिबंधक तसेच मनाई असलेले क्षेत्रात फेरिवाले बसू नये. म्हणून पालिका अधिकारी, कर्मचारी, बाऊन्सर, जाब्या, पोलिस आदीची प्रभाग निहाय पथके नेमावीत. आयुक्त महोदय अनुक्रमांक दोन फेरिवाल्यांचे बाकडे, हातगाड्या, स्टँड आदि त्यांचा लिलाव करण्यांत यावा. अनुक्रमांक ३ फेरिवाले, हाथगाड्या आणि बेकायदा विज पुरवठा करणारे व्यक्तींना तसेच फेरिवाल्यांवर कायदेशीर व दंडात्मक कारवाई करावी. अतिक्रमण करण्यास प्रोत्साहन दिलेले विज मीटर रद्द करून संबंधितावर कारवाई करण्यात यावी. अनुक्रमांक ४ हातगाडीवर बेकायदा गॅस, रॉकेल आदी वापरले जात असल्याने पोलिसांकडून सिलेंडर जप्त करून फौजदारी कारवाई करावी. सिलेंडर रॉकेल प्रकरणी शिधा वाटप विभाग संबंधित गॅस एजन्सीमार्फत कायदेशीर कारवाई करण्यात यावी. मा. मुंबई उच्च न्यायालयाच्या आदेशानुसार रेल्वे स्थानकापासून १५० मीटर तसेच शैक्षणिक संस्था, धार्मिक स्थळ रुग्णालयापासून १०० मीटरपर्यंत फेरिवाल्यांना बसण्यास प्रतिबंध असल्याने तसेच पट्टे मारून नियमित कारवाई करावी. मा. न्यायालयाच्या आदेशाचे अवमान उल्लंघन केले म्हणून अवमानाची कारवाई देखील करण्यात यावी. अनुक्रमांक ६ आयुक्त महोदय रहदारी व वाहतुकीला अडथळ आणल्या प्रकरणी मुंबई पोलिस ॲक्टप्रमाणे फौजदारी कारवाई पोलिसांशी चर्चा करून करण्यात यावी. महापालिकेची मालकी, सार्वजनिक, पदपथ, रस्ते, आर्थिक आदीवर अतिक्रमण केलेप्रकरणी महापालिका अधिनियमानुसार कारवाई करण्यात यावी. तसेच या प्रकरणी महापालिकेच्या अधिकाऱ्यांना पत्र देऊनही आम्ही लोकप्रतिनिधी म्हणून माझ्या पत्राला उत्तर देण्यात आलेले नाही. ते पत्र दाखवावं मग ते मा. आयुक्तांनमार्फत आलेली आहेत की, प्रभागामार्फत आलेले आहेत. मा. आयुक्त महोदय हा एवढा मोठा निष्काळजीपणा प्रशासनाचा असेल तर लोकप्रतिनिधी म्हणून आम्ही कसं वावरायचं. मा. आयुक्त महोदय आपण बघाल की ६-६ फुटाचे रस्ते व्यापलेले आहेत. आज तुम्हाला सांगतो की आठवडा बाजाराची नोंद आहे का? आपल्याकडे मिरा भाईंदरमध्ये किंवा महापालिकेचा आठवडा बाजार ठरवून दिले आहेत की नाही हे परंतु असे असतानाही शांतीनगर वसाहतीमध्ये एकतर तो रस्ता छोटा आहे. त्यात ६-६ फुट हे फेरिवाल्याने व्यापलेले आहे. मा. आयुक्त महोदय मधून बस चालवणे किंवा शाळेची बस येणाऱ्या रहदारीला, येणाऱ्या लोकांना ये-जा करण्यासाठी रस्ते फुटपाथ मोकळे होत नाही. मा. आयुक्त महोदय माझी विनंती असेल तुम्हाला मा. महापौरांन बरोबर व्हिझिटच करा. ह्यावेळेला होऊन जाऊ द्या. कारण एवढ्या निष्काळजीपणाने आम्हाला तिकडे वावरावं लागत असेल. मा. आयुक्त महोदय तर तुम्ही आम्हाला पर्याय सूचना की पुढच्या वेळेला सभागृहात यायच की नाही यायच आणि यायच असेल तर आम्ही लोकप्रतिनिधी म्हणून तेथील लोकांना काय उत्तर द्यायचं की आयुक्त महोदय कधी काम करणार आहेत. मा. आयुक्त महोदय आम्ही पण फेसबुकवर अपडेट करतो. आपण केलेल्या निवेदनाची आम्ही दखल घेतली की, मा. आयुक्त महोदयांनी निवेदन केलेले आहे की कारवाई करण्यात येईल. मग साहेब ४-४.५-५ महिने जर त्या पोस्टला निवेदन करूनही जर व्हेटेल मिळणार नसेल तर ती पोस्ट परत बाहेर काढली जाते. बाहेर आणि काही वेगळं चर्चेला उधाण येते. मा. आयुक्त महोदय तुम्हाला विनंती, मा. महापौर मॅडम आपल्याला ही माझ्या ह्या पत्राची आणि दिलेल्या सूचनांचे पालन करावे. मा. आयुक्त महोदय हे शेवटचं धन्यवाद.

#### मा. आयुक्त :-

मा. महापौर महोदय सन्मा. सदस्यांनी प्रभाग समिती अध्यक्ष महोदयांनी समक्ष माझ्याकडून येऊन सुध्दा माझ्याकडे येऊन याबाबत चर्चा केलेली आहे. आमची सविस्तर येथे कार्यपालन निश्चित केलेली आहे. आपल्याशी एक विशेष सभेमध्ये चर्चा केलेली आहे आणि आपल्या शहरामध्ये हा विषय जटील म्हणजे समस्या आहे आणि ते आपल्याला अंतिम स्वरूपात आणायचे आहेत. प्रशासनाकडून याच्यामध्ये सर्वपरी प्रयत्न आता होत आलेला आहे. ह्यासाठी सर्वप्रथम प्रभाग पदाधिकाऱ्यांना सुरत आणि पुणे महापालिकेला नेऊन तिथल्या महापालिकेबद्दलची फेरिवाले हे समक्ष दाखवून दिलेले आहेत आणि त्यामध्ये आपल्याला त्यांनी स्वतः अवलोकन केले आहे की त्याच्या ठराविक जागेमध्ये तिथे फेरिवाले आहेत. इतरत्र कुठेही शहरात फेरिवाले दिसत सुध्दा नाहीत. आणि त्याच कार्यपालन करण्यासाठी बेसवर्क करावे लागते.

एका दिवसात सर्व काही होत नाही. वेळ लागलेला आहे पण त्याविषयाला आम्ही खूप खोलात गेलेलो आहोत. आपण गठीत केलेली समिती फेरिवाला समिती कन्स्ट्यूट नव्हती. ती अंतिम केलं. त्याचे कामकाज सुरु केलेले आहे. त्याची एक बैठकही आम्ही पूर्ण केलेली आहे. ती समिती कन्स्ट्यूट करायलाच खूप त्यावर चर्चा होऊन वेळ गेला. मग त्याला सभागृहाने मान्यता दिली आणि सर्व पदाधिका-यांनी मान्यता दिली. ती समितीची एक बैठक पूर्ण झालेली आहे. त्यानंतर ह्यामध्ये अपेक्षित सर्वोच्च न्यायालय, केंद्रशासन, राज्य शासनाच्या निर्देशानुसार जे शहरातले पात्र फेरिवाले आहेत त्याची पर्यायी सोय केली पाहिजे आणि त्याची पर्यायी सोय करेपर्यंत आपल्याला अमानवी कारवाई करता येत नाही हा त्याच्यातला बेस आहे. म्हणून ह्याला वेळ लागतो. त्यासाठी आम्ही त्याच्यात अंतिम सर्व्हे करण्यासाठी निविदा मागितल्या होत्या. त्या निविदेचे प्रकरण करून स्टॅन्डिंगला ती निविदा सबमिट केली. मा. स्थायी समितीने त्या निविदा अंतिम केलेले आहे. त्या संबंधीशी करारनामा ह्या महिन्याच्या अखेरपर्यंत पूर्ण होऊन येणा-या एक ते दीड महिन्यात आम्ही शहरातील पूर्ण पात्र अपात्र फेरिवाले निश्चित करत आहोत. साधारणतः ही कारवाई पूर्ण झाल्यानंतर जे पात्र फेरिवाले आहेत. मागच्या सभेत ही आम्ही आपल्या भावना व्यक्त केल्या आहेत. काही ठिकाणी हा मार्केट इथे नको, ह्या ठिकाणी हाच मार्केट झाला पाहिजे अशा भावना आल्या होत्या. त्या लक्षात घेतल्या आम्ही असे १९ ते २० जागा आम्ही निश्चित केल्या आणि त्याचे सुध्दा आम्ही टेंडर प्रोसेस पूर्ण करतो. हे समावेशक सर्वांना मान्य आहे. अशाच जागा आम्ही निश्चित करतो. म्हणजे शहरातले जे काही फेरिवाले निश्चित होतात त्यांची १०० टक्के पर्यायी सोय आम्ही करतो. उदाहरण म्हणून दोन मार्केट आम्ही सुरु सुध्दा केले आहेत आणि ज्यावेळेस हे १०० टक्के कार्यपालन झाले की मेन टाईममध्ये शहराच्या कोणत्याही रस्त्यावर सिंगल ठेला सुध्दा राहणार नाही. ही आपल्याला मी ग्वाही देतो आणि तो कालावधी येणा-या साधारण ४ ते ५ महिन्यामध्ये पूर्ण होईल आणि आपले शहर इतर परिसराच्या शहरामध्ये वेगळे शहर राहिल याची मी आपल्याला आश्वासन करू इच्छितो. त्याशिवाय काही सदस्यांची आणि आपल्या सभागृहाची सुध्दा मागणी आहे ही कारवाई होत राहिल. पण जे आम्ही ना फेरिवाला जागा निश्चित केलेले आहेत तिथे तरी कारवाई करा. ही मागणी प्राधान्याने आहे. उदाहरण शाळा आहेत, दवाखाने आहेत काही असे कन्जस्टेड एरिया आहेत, तलाव रोड आहे. वेगवेगळे प्लेस आहेत. तर त्यासाठी आम्ही प्रभाग निहाय हा पथक तयार केलेला आहे. आणि त्याला सुध्दा आम्ही अंतिम मान्यता देवून ह्या महिन्या अखेर वर्क ऑर्डर देऊन ६ प्रभागात ६ पथक जिथे ना फेरिवाला क्षेत्र आहे तिथेही कारवाई आम्ही प्रस्तावित करतो.

#### **निलम ढवण :-**

मा. आयुक्त साहेबांकडून मला एक माहिती पाहिजे. आपण ज्या ६ जागा काही जागा ठरविलेल्या आहेत. ज्या ठिकाणी जागा ठरविलेल्या आहेत. नवघर भाईदर पूर्वेच्या परिसरामध्ये, नवघर आणि बी.पी. रोडला असे काही मार्केट बसविण्यासाठी जागा प्रस्तावित आहेत का?

#### **मा. आयुक्त :-**

माझी सभागृहाला विनंती आहे. आमच्याकडे ती यादी आहे. सगळ्या गटनेत्यांना आणि पदाधिका-यांना मी ती देईन. त्याशिवाय काही वैयक्तिक सदस्य आणि पदाधिकारी आपला त्याच्यात सहभाग आणि काही सजेशन असतील. माझ्याकडे ते सभेच्या बाहेर आपण को-ऑर्डिनेट केले तर त्याचा सगळा समावेश याच्यात केला जाईल.

(सभागृहात गोंधळ)

#### **मा. महापौर :-**

सचिव साहेबांनी पुढचा विषय घेण्यात यावा.

#### **दिनेश नलावडे :-**

महापौर मॅडम विषय आपण घेतो आणि त्याच्यावर चर्चा होत नाही.

#### **प्रविण पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब आपण प्रत्येक वेळेला तुम्ही बोलता कारवाई करायची, कारवाई करायची कोण करतो कारवाई.

#### **नगरसचिव :-**

महानगरपालिका आयुक्त यांनी प्रकरण क्र. १३३ मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाकडील पत्रानुसार आवश्यक कार्यवाही करणेस मान्यता देणेबाबत हा विषय विषयपत्रिकेवरील क्रम बदलून प्राधान्याने प्रथम घेण्यात यावा अशी विनंती सभागृहाला केलेली आहे.

#### **जुबेर इनामदार :-**

त्या विषयाला तुमचा गोषवाराच नाही. आम्हाला गोषवारा दिलेला नाही. चर्चा कशी करणार.

**मा. उपमहापौर :-**

आपल्याला विधीत आहे की ६० मीटरचा रस्ता जो बनतो. त्याचा संपूर्ण खर्च एम.एम.आर.डी.ए. करते.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

एकही विषय गोषवा-याशिवाय घ्यायचा नाही.

**जुबेर इनामदार :-**

मा. महापौर मॅडम माझी एक विनंती आहे हा विषय १३३ च्या वरती विषय घ्यायचा. विषय कार्यसुचीवरून आणलेला आहे. माझी अशी विनंती आहे १३५ चा विषय सर्वात शेवटचा आहे. त्याचा गोषवारा आता प्राप्त झालेला आहे. १३५ चा विषय कार्यसुचीवर पहिल्या क्रमांकावर चर्चेसाठी घेण्यात यावा महापौर मॅडम याचा निकाल लावावा लागेल घ्यायचा की नाही.

**मा. आयुक्त :-**

मा. महापौर महोदय एम.एम.आर.डी.ए कडून जे घोडबंदर गाव आहे. तिथून ६० मीटर रस्ता नॅशनल हायवेपासून जो जातो म्हणजे आपल्या नॅशनल हायवेला पर्याय भविष्यासाठी तर त्या रस्त्यामध्ये एम.एम.आर.डी.ए. पूर्ण खर्च देत आहे. एम.एम.आर.डी.ए. तो विकसित करत आहे. त्या रस्त्याची जो काही मुवाजा देऊन जे ताब्यात घेण्याचा आहे. टी.डी.आर आणि अन्यमार्फत जी ओनरशिप आहे त्याचे मुवाजा देण्याबद्दलचा हा विषय आहे.

**स्नेहा पांडे :-**

साहब यही गोषवारा देणे मी क्या तकलीफ है। जिस तरह से अभी बताया की एम.एम.आर.डी.ए की तरफ से पुरा खर्चा दे रहे है तो गोषवारा देणे मी आपको प्रॉब्लेम क्या रहती है। हर बार ऐसा है की सभागृह में आने के बाद पाच मिनिट गोषवारा मिलता है। क्या पढेंगे और उसमें क्या चर्चा करेंगे।

**दिपक खांबित :-**

एम.एम.आर.डी.ए चा २५/१०/२०१७ चे पत्र आहे. त्यामध्ये त्यांनी आपल्याकडचे मुर्धा गाव, सुभाषचंद्र बोस मैदान ते उत्तन गाव याचा पहिला टप्पा टेंडर काढले आहे आणि दुसरा टप्पा घोडबंदर ते जेसल पार्क रस्त्याचा आणि घोडबंदर जेसल पार्क ह्या रस्त्याचे काम देखील सुरु केलेले आहे. तथापि ह्या रस्त्यामधील जी जागा आहे त्याचे भूसंपादन करणे. अतिक्रमण काढणे आणि एम.सी.झेड ची परवानगी घेणे. वृक्ष तोडण्याची परवानगी घेणे ही सगळी काम आपल्याला करायची आहेत आणि रस्त्याचा संपूर्ण खर्च ते करणार त्यासाठी त्यांनी हे सर्व काम आपल्याला करण्यासाठी पत्र दिलेले आहे. आणि ती काम आपल्याला करून द्यायची आहेत.

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

तिथे लल्लन तिवारीचे कॉलेज आहे. त्याठिकाणी मोठ मोठे जे रोड केलेले आहेत. तर त्याठिकाणी सर्व त्या परिसरामध्ये चालू आहेत. म्हणजे रोडची जी काम आहेत ती.

**निलम ढवण :-**

विषय चांगला आहे. तुमचा पण गोषवारा का नाही आला. तुमचा गोषवारा का नाही दिला गेला. साधा सरळ छोटसा विषय होता.

**दिपक खांबित :-**

आम्ही गोषवारा दिला होता पण द्यायचा राहून गेला.

**प्रविण पाटील :-**

२५ ऑक्टोबरला एम.एम.आर.डी.ए ने पत्र दिलेले होते. तुम्ही विषय घेताना गोषवारा नाही दिला.

**स्नेहा पांडे :-**

कमिशनर साहेब अगर आपके लोग बात नहीं सुनते तो मतलब क्या है।

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

प्रत्येक वेळेला तोच विषय येतो.

**स्नेहा पांडे :-**

जब आपकी ही नहीं सुन रहे तो हमारी क्या सुनेंगे। फिर इस महासभा में हमारा चिल्लाने का मतलब क्या है।

**धृवकिशोर पाटील :-**

मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाकडील पत्रानुसार आवश्यक कार्यवाही करणे आपल्याला जेसलपार्क रोड घोडबंदर रोड आहे त्या रोडची कारवाई करणे हाच प्रश्न आहे.



**निलम ढवण :-**

आमचा विरोध नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**प्रविण पाटील :-**

धृवकिशोर पाटील बोलतात तो हा विषय नाही हा वेगळा विषय आहे.

**धृवकिशोर पाटील :-**

सन्मा. सदस्यांना हा विषय अवगत नाही हा रोड एमएमआरडीए कडे मंजूर आहे.

**निलम ढवण :-**

विषय चांगला आहे परंतु त्याचा गोषवारा दिला गेला नाही. हा विषय आहे.

सभागृहात गोंधळ

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

मा. महापौर मॅडम ज्या विषयाचे गोषवारा नसतील तो विषय पाहिले बाहेर काढा तरच महासभा चालू करा.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

धृवकिशोर पाटील साहेब सकाळ पासून ह्या गोषवा-यावरच चर्चा चालू आहे त्याच्यावर काहीतरी निर्णय घ्या. मागच्या सभेमध्ये पण असेच झाले.

**अर्चना कदम :-**

गोषवारा अभ्यासासाठी असतात आम्ही नवीन नगरसेवक आहोत आम्हाला काहीच कळत नाही. सभा चालू झाल्यापासून आतापर्यंत चार गोषवार आता आलेत ते कधी वाचायचे विषय चालूच आहे. आम्ही कधी त्याचा अभ्यास करायचा आम्ही नवीन आहोत हे प्रत्येक वेळेस झाल.

**निलम ढवण :-**

शेवटच्या क्षणी गोषवारा आम्ही घेणार नाहीत .

**स्नेहा पांडे :-**

मा. महापौर मॅडम, आयुक्तसाहेब जिस विषय के गोषवारा नही है वो सारे विषय अगली महासभामे लाया जाए।

**निलम ढवण :-**

सही बघीतली आहे आयुक्त साहेबांची सही ९ तारखेची आहे.

**स्नेहा पांडे :-**

तुम्ही दिलेले गोषवारे सचिवाने का नाही पाठवले काय अडचण आहे त्यांना विचारा.

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

संबंधीत विषयावर आम्ही चर्चा करायची गोषवारा काही नाही आणि महासभा चालू आणि ऐन टायमाला सांगतात.

**निलम ढवण :-**

सकाळपासून विषयाला विराम द्या. मा. महापौर मॅडम आणि मा. आयुक्त साहेब आपण दोघांनी आताच डिक्लेयर करा. पूढच्या महासभेपासून की आताचे गोषवारे नाहीत त्याचे गोषवारा सहीत पूढे येतील आणि पूढच्या महासभेपासून प्रत्येक विषयाला गोषवारा असल्याशिवाय विषय पत्रिकेवर विषय येणार नाही हे तुम्ही डिक्लेअर करा.

**धृवकिशोर पाटील :-**

सचिव साहेबांनी विषय वाचलेला आहे, आमची त्याला मंजूरी आहे हा विषय अग्रक्रमाने पुढे घ्यावा आमची हरकत नाही नाही तर विषय सुरू करा नाही तर पुढचा विषय घ्या.

**जुबेर इनामदार :-**

मा. महापौर मॅडम मी ही तशी एक सुचना केलेली आहे. १३५ क्रमांकाचा जो विषय आहे विषय पत्रिका सुचीवर वरच्या क्रमांकावर घ्यायचा आहे त्याला मा. महापौरमॅडम ह्याचा तुम्हाला निर्णय द्यावा लागेल घ्यायचा की नाही हा विषय नाही घ्यायचे असेल तर मतदान घ्या. कारण तुम्ही तुमचा निर्णय घेऊ शकत नाही. मतदान घ्या. १३५ चा विषय वरच्या क्रमांकावर घेण्यात यावा.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

मा. महापौर मॅडम, मा. आयुक्त साहेब महासभेमध्ये सगळे विषय होणार आहेत का? होणार आहेत की नाही ते पहिले स्पष्ट करा.

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. सदस्यांना माझी विनंती राहिल एखादे काम प्रायोरिटीने एमएमआरडीएला कम्बाईन करायचे म्हणून आम्ही विनंती करतो. नाही तर तुम्ही त्याच लेवलला घ्या. आमच काही नाही त्याच्यात.

**गिता जैन :-**

मा. आयुक्तसाहेब विषय विषयपटलावर आहे एवढी चर्चा आहे तुम्हाला काय अस वाटत का आज विषय संपणार नाही आणि आपण सहा तास आधी घेतले तर काय सहा तास नंतर घेतले तर काय प्रॉब्लेम आहे. चर्चा कशाला.

**मा. आयुक्त :-**

एखाद्या सभा कामकाजामध्ये शासकीय कामकाज हा पहिला असतो. एवढच आहे दूसर काही नाही आमच्या प्रशासनाची भावना काय असते विषय जास्तीचे आहेत आज कामकाज नाही झाल तर काही तरी दिवस पुढे जाणार.

**मा.उपमहापौर :-**

सिरियल नंबर प्रमाणे घेण्यात येतील.

**जुबेर इनामदार :-**

मी जे निवेदन केलेला आहे इथे १३५ क्रमांकाचा विषय.....

(सभागृहात गोंधळ)

**जुबेर इनामदार :-**

तुम्हाला मी कायदा वाचून दाखवतो २ क कामकाजाची कोणतीही बाकी प्राधान्य देणे कोणत्याही सेवेत उपस्थित असणा-या मतदान करणा-या बहुसंख्य पालिका सदस्यांच्या संमतीने पिठासीन अधिका-यास कामकाजाची कोणतीही बाब किवा बाबी महापालिकेच्या कार्यसुचीवर कोणत्याही क्रमांकाने असला तरी उक्त बाब किवा बाबतीत प्राधान्य देता येईल ही माझी मांग आहे.

**मा. आयुक्त :-**

प्रशासनाने रिक्वेस्ट केल्यानंतर त्याचा गांभीर्य लक्षात आल्यानंतर त्याला जर मतदान होत असेल तर ते क्रमांकानेच राहू द्या. आम्हाला काय त्याची रिक्वेस्ट नाही. तुम्हाला ती गोष्ट समजून घेतली पाहिजे. कूटल्याही ठिकाणी राजकारण नाही आले पाहिजे ही विषयपत्रिका सिरियलने राहिली तरी चालेल.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. आयुक्त :-**

दोन्ही विषय पुढे घेतले तरी काही हरकत नाही.

**जुबेर इनामदार :-**

तुमच्या निवेदनाला संमती आहे १३३ चा विषय आधी घ्या त्यावर निकाल लावा. आणि १३५ चा विषय घ्या मात्र १३५ चा विषय जो आहे तो कार्यसुचीवर वरच्या प्राधान्याने घेण्यात यावे.

**निलम ढवण :-**

आता मा. आयुक्त साहेबांना सन्मान कुठे राहिला मघाशी म्हणालात जा आम्ही सन्मान करतो आम्ही त्यांचा सन्मान करतो.

सभागृहात गोंधळ

**जुबेर इनामदार :-**

पालिका सदस्यांच्या संमतीने बहुसंख्य कधी होईल जेव्हा सभागृह भरेल दोन क बहुसंख्य पालिका सदस्यांच्या संमतीने बहुसंख्य सदस्य कधी जमतील?

**नगरसचिव :-**

मा. महासभेमध्ये सभागृहामध्ये जरी घ्यायचा असला तरी तुम्हाला त्याच्या संदर्भातली नोटिस दोन दिवस आधी सचिवांकडे द्यायला पाहिजे असे लिहिले आहे त्याच्यात.

**जुबेर इनामदार :-**

असे कुठे आहे. दो क काय बोलतो.

**नगरसचिव :-**

पुढे वाचा. त्याच्यातच आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महासभा दि. १९/०९/२०१९

पान क्र. २६

मा. महापौर :-

पुढचा विषय घ्या.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १०४, दि. २६/०७/२०१८, दि. ०४/०९/२०१८, दि. ०५/०९/२०१८ (दि. ०४/०९/२०१८ रोजीची तहकुब सभा) व दि. १९/१०/२०१८ रोजीच्या मा. महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

रोहिदास पाटील :-

दि. २६/०७/२०१८, दि. ०४/०९/२०१८, दि. ०५/०९/२०१८ (दि. ०४/०९/२०१८ रोजीची तहकुब सभा) व दि. १९/१०/२०१८ रोजीच्या मा. महासभेच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या सुचना व दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

धृवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव मंजूर. पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. १०४ :-

दि. २६/०७/२०१८, दि. ०४/०९/२०१८, दि. ०५/०९/२०१८ (दि. ०४/०९/२०१८ रोजीची तहकुब सभा) व दि. १९/१०/२०१८ रोजीच्या मा. महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

ठराव क्र. १०६ :-

दि. २६/०७/२०१८, दि. ०४/०९/२०१८, दि. ०५/०९/२०१८ (दि. ०४/०९/२०१८ रोजीची तहकुब सभा) व दि. १९/१०/२०१८ रोजीच्या मा. महासभेच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या सुचना व दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील अनुमोदक :- श्री. धृवकिशोर पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

अनिल सावंत :-

मा. महापौर मॅडम, एक अभिनंदनाचा ठराव आहे. लोकसभा निवडणुकीची मिनी आवृत्ती असलेल्या ५ राज्यांच्या विधानसभा निवडणुका झाल्या. यातील मध्यप्रदेश, राजस्थान आणि छत्तीसगड या राज्यांमध्ये भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्षाला भरघोस यश मिळाले . या तिन्ही राज्यांमध्ये मतदारांनी भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्षाचे अध्यक्ष श्री . राहुलजी गांधी विश्वास दाखविला . त्यांच्या मार्गदर्शनाखाली काँग्रेस पक्ष कार्यकर्त्यांनी अतोनात मेहनत घेतली त्याला यश आले . या तिन्ही राज्यांमध्ये मध्यप्रदेश श्री . कमलनाथ, राजस्थान श्री अशोक गेहलोत आणि छत्तीसगड श्री . भूपेश बगेल यांची मुख्यमंत्री पदी निवड झाली . भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्षाचे अध्यक्ष श्री . राहुलजी गांधी, तिन्ही मुख्यमंत्री आणि काँग्रेस कार्यकर्त्यांच्या अभिनंदनाचा ठराव सभागृहाच्या वतीने मी मांडत आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

जुबेर इनामदार :-

माझे अनुमोदन आहे.

अभिनंदन ठराव क्र. १०४ :-

लोकसभा निवडणुकीची मिनी आवृत्ती असलेल्या ५ राज्यांच्या विधानसभा निवडणुका झाल्या . यातील मध्यप्रदेश, राजस्थान आणि छत्तीसगड या राज्यांमध्ये भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्षाला भरघोस यश मिळाले. या तिन्ही राज्यांमध्ये मतदारांनी भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्षाचे अध्यक्ष श्री . राहुलजी गांधी विश्वास दाखविला. त्यांच्या मार्गदर्शनाखाली काँग्रेस पक्ष कार्यकर्त्यांनी अतोनात मेहनत घेतली त्याला यश आले. या तिन्ही राज्यांमध्ये मध्यप्रदेश श्री . कमलनाथ, राजस्थान श्री अशोक गेहलोत आणि छत्तीसगड श्री. भूपेश बगेल यांची मुख्यमंत्री पदी निवड झाली . भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्षाचे अध्यक्ष श्री . राहुलजी गांधी, तिन्ही मुख्यमंत्री आणि काँग्रेस कार्यकर्त्यांच्या अभिनंदनाचा ठराव सभागृहाच्या वतीने मी मांडत आहे.

सुचक :- श्री. अनिल सावंत

अनुमोदक :- श्री. जुबेर इनामदार

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

**ज्योत्सना हसनाळे :-**

महापौर मॅडम मला सुध्दा अभिनंदनाचा ठराव मांडायचा आहे. आता ही नविन प्रथा सुरु झालेली आहे की विषय सुरु असताना अभिनंदनाचा ठराव मांडायचा. आता हे नमुद करा. महापौर मॅडम मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये मा. महापौर यांनी महापौर चषक अतिशय चांगल्या पध्दतीने पार पाडला याकरिता मिरा भाईंदरच्या महापौर, मा. आयुक्त आणि उपमहापौर यांचे मी अभिनंदन करते.

(सभागृहात गोंधळ)

**ज्योत्सना हसनाळे :-**

मा. महापौर मॅडम, मिरा भाईंदर क्षेत्रात महापौर चषक २०१९ या करिता आपण सुरुवात केली आणि महापौर चषक अतिशय चांगल्या पध्दतीने पार पडला. याकरिता मा. महापौर, उपमहापौर, मा. आयुक्त यांचे मी अभिनंदन करते. तसेच मिरा भाईंदर क्षेत्रातील संपूर्ण शहर वासियांनी ह्या चषकाकरिता सहभाग घेतला याकरिता त्यांचेही अभिनंदन करते. सर्व स्पर्धक यांनी सुध्दा या चषकामध्ये सहभाग घेतला तसे त्यांचे ही अभिनंदन करते. पत्रकार बंधु यांनी ही आम्हाला सहकार्य केले. ह्या करिता त्यांचे ही मी अभिनंदन करते. मिरा भाईंदर क्षेत्रातील सर्व नरसेवक, नगरसेविका यांनी ही सहकार्य केलं आणि ज्यांनी ज्यांनी विरोध केला त्या सर्वांचे मी अभिनंदन करते.

**अनिता मुखर्जी :-**

मेरा अनुमोदन है।

(सभागृहात गोंधळ)

**राजेंद्र जैन :-**

अभिनंदन प्रस्ताव सभा के चलते बिच में आया। इतर महापालिका विशेष संबंधित एक विषय आया, उसके बाद महापालिका संबंधित विषय आया में लोगो का विषय है बहुत जरुरी है, बोलना चाहता हूँ। धन्यवाद देना चाहता हूँ पिछले २-३ साल में पुरे मिरा भाईंदर में सी.सी. रोड बन रही है और बार तुटफुट तकलीफ पड रही है। जो बार-बार गड्डे पडते थे जो सी.सी. रोड कन्सेप्ट मेहता साहब लाए उसका मैं बहुत बहुत अभिनंदन करता हूँ।

**सुरेश खंडेलवाल :-**

मेरा विषय सिर्फ इतना है की सभी सन्मा. सदस्य हम कामकाज शुरु करने से पहले अभी अभिनंदन के प्रस्ताव किसके आने है, यह भी साल बहुत बडा है। नही तो हर कोई अभिनंदन का ठराव करेगा। अभी कामकाज शुरु करो।

**धृवकिशोर पाटील :-**

आता आमचे सन्मा. सदस्य आमगावकर साहेब बोलले तिकडे दारुच्या बाटल्या भेटल्या आणि हा सगळा अपमान झाला. अतिशय उत्तम महापौर चषकाची सांगता झाली आणि त्या सांगतामध्ये काहीतरी विघ्न पडायला पाहिजे आणि म्हणून कोणीतरी फक्त एकच दारुची बाटली ठेवली.

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

सन्मा. सदस्य आमगावकर साहेब अतिशय उत्कृष्ट महापौर चषक तिकडे झाला. जवळ जवळ २२ हजार स्पर्धकांनी भाग घेतला. २८ प्रकारचे विविध खेळ ठेवले. १३५ शाळेने त्याच्यामध्ये भाग घेतला. जवळ जवळ ७ दिवस तिथे प्रोग्राम चालला आणि अतिशय उत्कृष्टपणे इतिहासामध्ये त्याची नोंद झाली. आयुक्त साहेब तिथे स्वतः आले होते. तिकडच्या लोकांनी सुध्दा बघितलं खेळाडूने सुध्दा बघितलं. प्रत्येक शाळेने ॲप्रेशिएट केलं की आजतागयत कधीही भूतो न भविष्य असा महापौर चषक इथे झाला आणि विविध शाळांच्या स्पर्धा तिथे झाल्या. आणि एवढ्या चांगल्या पध्दतीने झाल्यानंतर कुठेही गालबोट लागला नाही आणि नंतर सगळ्यात शेवटी रात्री कोणीतरी तिकडे दारुची बाटली ठेवली आणि सकाळी कोणीतरी एक पत्रकाराने फोटो काढला. आज आपल्या मिरा भाईंदर महानगरपालिकेतले जेवढे सगळे नगरसेवक बसलेत हे तुम्हाला सगळ्यांना माहिती आहे. जर समजा दारुची पार्टी झाली असती तर तिथे अनेक दारुच्या बाटल्या पडल्या असत्या. अनेक सोड्याच्या बाटल्या पडल्या असत्या. अनेक काचेचे ग्लासेस पडले असते.

पण तिथे फक्त एकच दारुची बाटली लावलेली. ह्याचा अर्थ जर पार्टी असती तर अनेक दारुच्या बाटल्या पडल्या असत्या कोणीतरी आपल्या महापालिकेला बदनाम करण्याकरिता कोणीतरी महापौर चषकाला बदनाम करण्याकरिता हे षडयंत्र रचले होते आणि या षडयंत्रणेला तुम्ही विरोध केला पाहिजे होता. हा मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचा महापौर चषक होता. हा ना माझा होता, हा ना महापौर मॅडमचा होता. हा आपल्या सगळ्यांचा होता तर तुमचा पण काम होत की ज्यांनी अशी बातमी पसरवली. ज्यांनी असे दुष्कृत्य केलं त्या नराधमाला त्या नालायकाला शिक्षा झाली पाहिजे होती. त्याच्यावर तुम्ही चौकशी केली पाहिजे होती. पण तुम्ही त्याला सपोर्ट करत आहेत. हे आमचं दुर्दैव आहे. तिथे तुम्ही आपले सन्मा. नगरसेवक आहेत आणि हा महापालिकेवर जर कोणी आरोप केला, महापालिकेचे नाव कोणी बदनाम केले तर तुमचं रक्त सळसळलं पाहिजे होते. ह्याच्यामध्ये कोणतेही राजकारण न करता आम्ही स्पोर्टमनशिप ठेवली. आम्ही सगळ्या नगरसेवकांना फोन केले की तुम्ही महापौर चषकामध्ये या. आपण एकत्र खेळ खेळूया ह्या स्पर्धा चांगल्या तऱ्हेने पार पाडण्याकरिता तुमचे सहकार्य पाहिजे. आम्ही स्पोर्टमनशिप ठेवली. आम्ही तुम्हाला सगळ्यांना फोन केला. ठीक आहे. राजकारण प्रत्येक ठिकाणी व्हायला पाहिजे पण खेळामध्ये राजकारण नाही व्हायला पाहिजे. तुम्ही तेवढ्या स्पोर्टमनशिप पणामुळे खेळाडू वृत्तीने तुम्ही आम्हाला सहकार्य केलं पाहिजे होतं. परंतु तुम्ही सहकार्य करत नाही आणि उलट जे बदनाम करतात त्यांना तुम्ही सपोर्ट करतात. हे एक मित्र म्हणून हे आम्हाला पटत नाही. तुमच्या गोष्टीचा खुलासा आम्ही केला.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

एक करोड रुपयाला विरोध होता. आमची विकास कामं करायला निधी मिळत नाही आणि चषकासाठी एक करोड रुपये खर्च केले गेले. त्याला विरोध होता आमचा. महापौर चषकाला विरोध नव्हता. मिरा भाईंदर शहरातील खेळाडूंना असा व्यासपीठ मिळाला पाहिजे. त्याच्या विरोधात नाहीत. पण त्याच्यावर किती खर्च करावा त्याला पण लिमिट असला पाहिजे. आमची कुठची एखादी दुरुस्तीचा काम देखील करण्यासाठी पैसे नाहीत.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. उपमहापौर :-**

त्या बातमीचा खुलासा करतो. ह्या शहरात आम्ही जे प्रेक्षणिय सामने ठेवले त्याच्यात ह्या शहरातले प्रतिक्षित डॉक्टर, वकिल, चाटर्ड अकाऊन्ट, पोलिस ह्या शहरातले पत्रकार ह्या सभागृहातले नगरसेवक, अधिकारी, कर्मचारी हे सगळे मॅचमध्ये सामील झाले. आणि अशा पत्रकारांनी बातमी छापली ना ज्याचा स्पर्धाला विरोध होता त्या शहराला बदनाम केला आणि ह्या विद्यार्थ्यांना बदनाम केले तिथे दारू प्यायच्या स्पर्धा नव्हत्या त्याठिकाणी खेळाच्या स्पर्धा होत्या.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

मा. महापौर मॅडम लेडील टॉयलेट नव्हती महिलांना कपडे बदलायला जागा नव्हती.

**गिता जैन :-**

महापौर चषक मी तुमचा अभिनंदन करते तुमचा फार चांगला झाला असेल पण जरी तेव्हा चांगला झाला असेल तरी काही त्रुटी ज्या राहिली आहेत आपण करतो काहीतरी त्रुटी राहते मी ह्याबाबतीत बोलायला बघते. आपण जे सर्टीफिकेट दिले ते विदारुट नेम दिले. मला त्या पूढच्या वेळी जरा आपण नाव टाकून सर्टीफिकेट द्या. दूसरे मला माहित नाही कूठल्या कंपनीला हे टेंडर दिलेले पण जे आपण रक्कम दिली आहे त्यांना इनामाची रक्कम ह्यात काहीतरी कमी झाली आहे. ज्यांना २१ सांगितले आहे त्यांना १५ मिळाली आहे, १२ मिळाली आहे ते ही फर्याद आलेली आहे. साहेब ती नोंदवून घ्या. माझी फर्याद जे कम्पलेन्ट आलेली आहे ते मी देते. तुम्ही चौकशी करा.

**मा. उपमहापौर :-**

सभागृहात तो विषय नको.

**गिता जैन :-**

साहेब तुम्ही विषय काढले म्हणून मी बोलले तिसरे आपण जेव्हा महापौर चषक करणार होतो तेव्हा आपण तिथे बघीतले नाही कि तिथे लेडीज टॉयलेट आहे की नाही. त्या मुलींना कपडे बदलण्यासाठी जेन्टस मध्ये जावे लागले.

**मा. उपमहापौर :-**

आम्हाला कल्पना आहे पण ह्या सगळ्या व्यवस्था तिथे होत्या.

### धृवकिशोर पाटील :-

मॅडम आपण तिथे सहा सहा मोबाईल टॉयलेट लावलेले. लेडीजसाठी वेगळे होते. जेन्टसाठी वेगळे टॉयलेट होते.

(सभागृहात गोंधळ)

### गिता जैन :-

तिथे सकाळी ७.०० वाजता तुम्ही सांगता आता धृवभाईंनी सांगितले की सगळ्यांना फोन करून बोलवले मग मलाच फोन का येत नाही मला माहित पडत नाही. मला पक्षात ठेवले आहे की नाही मला तेच कळत नाही मला फोन आला नाही ते हकीकत आहे. मला आढावा बैठकीसाठी पण फोन येत नाही. का म्हणून ते मला माहित नाही. एक दिवस सकाळी ७ वाजताची मॅच होती फुटबॉलची ना रेफरी होते हजर ना टिम हजर ना अम्पायर हजर होते.....

### अनिता मुखर्जी :-

मा. महापौर मॅडम वहाँ प्लानिंग मैंने किया था और मैं यह बोलना चाहूँगी की वहाँ पर चेंजींग रुम था। लेडीज के लिए और लडीकीयों के लिए और मोबाईल टॉयलेट की व्यवस्था भी की गई थी। वहाँ पे जो अपना पानी का टंकी है वहाँ पे किया गया था। लास्ट जहाँ पे व्हॉलीबॉल का कोच था सेकंडली मैं यह भी बोलना चाहूँगी की, जो प्राईज मनी था वो सबको एक जैसा नहीं था। सिंग्युलर का था ३०००,२०००,१००० अँड जो ग्रीफ का था वो हम लोगो ने इलेक्शन और सेक्शन किया था। फिफ्टीन और टेन किया गया था। अगर उसमें कुछ प्रॉब्लेम हुआ है तो प्लीज हम लोगो के नोटीस में लेके लाईएगा। सर्टिफिकेट पर जिसके नाम नहीं लिखे थे वो मैं मानती हूँ। वो सर्टिफिकेट दिए गए थे जिसको जो स्कूल में पार्टीशिपेशन सर्टिफिकेट थे, एखादा शाळेत अगर सर्टिफिकेट अगर बाहेर गया होगा विदाऊट नेम वो ठिक है।

### तारा घरत :-

ज्या मुलांना पैसे बक्षिस दिलेले ते शाळेला दिलेले की मुलांना दिलेले ते मुलांना दिलेच नाही. शाळेने घेतलेले आहेत.

### ज्योत्सना हसनाळे :-

शाळेत तक्रार करू शकता बक्षिस मुलांना दिलेले आहेत.

### अभिनंदन ठराव क्र. १०५ :-

मिरा भाईंदर क्षेत्रात महापौर चषक २०१९ या करिता आपण सुरुवात केली आणि महापौर चषक अतिशय चांगल्या पध्दतीने पार पडला. याकरिता मा. महापौर, उपमहापौर, मा. आयुक्त यांचे मी अभिनंदन करते. तसेच मिरा भाईंदर क्षेत्रातील संपूर्ण शहर वासियांनी ह्या चषकाकरिता सहभाग घेतला याकरिता त्यांचेही अभिनंदन करते. सर्व स्पर्धक यांनी सुध्दा या चषकामध्ये सहभाग घेतला तसे त्यांचेही अभिनंदन करते. पत्रकार बंधु यांनी ही आम्हाला सहकार्य केले. ह्या करिता त्यांचेही मी अभिनंदन करते. मिरा भाईंदर क्षेत्रातील सर्व नरसेवक, नगरसेविका यांनी ही सहकार्य केलं आणि ज्यांनी ज्यांनी विरोध केला त्या सर्वांचे मी अभिनंदन करते.

सुचक :- श्रीम. ज्योत्सना हसनाळे

अनुमोदक :- श्रीम. अनिता मुखर्जी

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

### नगरसचिव :-

दि. २६ जानेवारी ते १० फेब्रुवारी या दरम्यान लोकशाही पंधरवडा हा आठवडा साजरा करणार आहेत. हा दरवर्षी मागच्या तीन वर्षांपासून साजरा करण्यात येत आहे. लोकशाही पंधरवड्यामध्ये लोकशाही, निवडणूक, सुशासन ह्या संदर्भांमध्ये आपल्याला जनजागृती करायची असते आणि त्याअनुषंगाने आज आपण महासभेमध्ये सगळ्या सदस्यांना याबाबत माहिती देत आहोत आणि ती माहिती आपले मा. आयुक्त साहेब आपणांस देत आहेत.

### मा. आयुक्त :-

मा. महापौर महोदय, मा. उपमहापौर, सर्व पदाधिकारी, उपस्थित सर्व नगरसेवक, नगरसेविका, शहरातील प्रतिष्ठित नागरिक, इलेक्ट्रॉनिक मिडीयाचे प्रतिनिधी, वर्तमान पत्राचे प्रतिनिधी, उपस्थित सर्व बंधु भगिनिंनो. आपण लोकशाही प्रणाली मानलेली आहे आणि त्यात आपण सगळे कामकाज करत आहोत.

लोकशाही अजून बळकट आणि सुदृढ होण्यासाठी राज्य निवडणूक आयोगातर्फे आणि राज्य शासनातर्फे येणारे २६ जानेवारी ते १० फेब्रुवारी ह्या दरम्यान लोकांमध्ये जागृती व्हावी. लोकशाहीचे मुख्य असून वृद्धिंगत व्हावे. प्रत्येकाला त्याची माहिती व्हावी या उद्देशाने हा पंधरवाडा साजरा करण्यात येत आहे. त्या बदल राज्य शासनाचे सुध्दा निर्देश आहेत. मुख्यत्व आपले भावी नागरिक आहेत त्यांचे नविन रक्त आहे. १८ वर्ष पूर्ण झालेले त्यांनी कम्पलसरी मतदार यादीमध्ये नाव नोंदणी केली पाहिजे आणि त्यांनी लोकशाहीमध्ये भाग घेतला पाहिजे. प्रत्येकांनी मतदान केले पाहिजे आणि लोकशाहीमध्ये फ्रेंडली वातावरणामध्ये सगळ्यांनी त्यांचे मूलभूत तत्व समजून घेतले पाहिजे आणि सत्ता, विरोध हे लोकशाही या लोकशाहीचे मुख्य अंग आहे आणि त्याला जास्त पब्लिसिटी होऊन आपल्या कार्यप्रणालीमध्ये त्याच्याबद्दल आदर, सहभाग वाढला पाहिजे. ह्या उद्देशाने हा पंधरवाडा साजरा करण्यात येत आहे. आपण सुध्दा नगरसेवक स्तरावर हा आपआपल्या भागामध्ये साजरा केला पाहिजे. शाळा असतील, स्कूल असतील, लायन्स क्लब असतील, रोटरी असतील, पत्रकार संघ असेल असे विविध एन.जी.ओ. आहेत. आपण चॅरीटी म्हणून काही काम करत असाल. एन.जी.ओ. च्या माध्यमातून तिथे सुध्दा याचा उद्भव झाला पाहिजे. मार्गदर्शन झालं पाहिजे. आपण आपल्या पक्षाच्या वतीने किंवा आपल्या ग्रुपच्या वतीने काही मॅनडेट ठरवून लोकांना जाहिरनामा देऊन आपण लोकशाहीमध्ये सहभाग घेतला असेल तर त्याच्याबद्दलची सुध्दा आपल्या वॉर्ड स्तरावर चर्चा झाली पाहिजे आणि एक निर्भय, समानता हे जे लोकशाहीचे मुलभूत तत्व आहेत. ते लोकांपर्यंत गेले पाहिजे. मुख्यत्वे नागरिकांचा याच्यात मोठ्या प्रमाणात सहभाग झाला पाहिजे. त्यामध्ये इक्वालिटी हा कन्सेप्ट आहे. समानता राजकीय सहिष्णूता आली पाहिजे. म्हणजे आपल्याकडे जे एकमेकांना आपण समजून घेतो. एकमेकांचे विचार मांडतो, एकमेकांचे एका अंतिम निर्णयाला येतो ही सहिष्णूता आपल्यात आली पाहिजे. जनतेला आपण उत्तरदायित्व आहोत. वी आर रिस्पॉन्सीबल अवर सिटीझन म्हणजे आपल्याला याची जाणीव असली पाहिजे आणि आपण जे काही करतो, इट अज वेरी ट्रान्सफरन्स असलं पाहिजे. नेहमीत्व, मुक्त, निर्भय आपले निष्पक्ष निवडणूका पार पडल्या पाहिजे. ह्यामध्ये लोकांना जे स्वातंत्र्य आहे विविध प्रकारचे त्याच्यावर कुठल्याही प्रकारची गदा नाही आली पाहिजे. आपण सत्तेचा दुरुपयोग नाही झाला पाहिजे. सत्तेचे विकेंद्रीकरण झाले पाहिजे. नागरिकांचे हक्काचे सिटीझन सिट जे आहेत आपण जे वेगवेगळ्या माध्यमातून डिक्लेअर केलेले आहेत. त्याचा आपण कटाक्षाने पालन केले पाहिजे आणि जे काही इलेक्शनमध्ये निकाल लागतो. तो निकाल आपण फ्रेंडली मान्य केला पाहिजे. हार जीत काही आपण बाहेरचे नाहीत. आपण इथलेच आहोत. आज कोणाला संधी मिळेल तर उद्या दुसऱ्याला संधी मिळेल. हे आपल्यामध्ये ती नैतिकता आली पाहिजे आणि आपण ह्युमन राईट्स जो मनुष्याचा हक्क आहे तो जोपासला पाहिजे. आणि आपली प्रणाली ही बहुपक्षीय प्रणाली आहे. कोणा एकट्याची मक्तेदारी नाही. हे सगळ्यांचा इन्व्हॉल्वमेंट आहे. आपल्याला सुशासन लॉ ओरिण्टेड प्रशासन म्हणजे कायद्याचा राज्य आपल्याला कसोशीने आणण्याचा प्रयत्न आपण केला पाहिजे. हे लोकशाहीचे मूलतत्व आहे आणि ह्यामध्ये केंद्रशासनासाठी, केंद्रीय निवडणूक आयोग आणि राज्य अंतर्गत ज्या स्थानिक स्वराज्य संस्था आहेत म्हणजे ग्रामीण भागासाठी जिल्हा परिषद, पंचायत समिती, ग्रामपंचायत, शहरी भागासाठी नगरपरिषदा, नगरपंचायत, नगरपालिका, महापालिका यांचे जे निवडणूकीचे नियंत्रण आहे. राज्य निवडणूक आयोग म्हणजे केंद्रासाठी भारत निवडणूक आयोग त्यामध्ये लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा यांचे निवडणूका होतात आणि राज्यांतर्गत जे श्री टायर सिस्टीम आहे. ते राज्य निवडणूक आयोग हे दोन्ही कन्स्ट्रुशनला स्वातंत्र्य आहे. त्यांना पूर्ण अधिकार आहेत. साधारणतः आपल्या राज्यामध्ये लोकसभेचे ४८ सिट्स आहेत. विधानसभेचे २८८ सीट आहेत. भारत निवडणूक आयोग त्याची मतदार यादी तयार करते आणि निवडणूक कार्यक्रम राबविते. महिलांसाठी ह्यामध्ये वेगळे आरक्षण नाही आहे. अजून तरी आणि एक सदस्य पध्दतीने याच्या निवडणूका होतात. कन्स्ट्रुशनली विधानसभा असेल, लोकसभा असेल. त्याच धरतीवर राज्यामध्ये राज्य निवडणूक आयोग तीन टप्प्यामध्ये निवडणूक कार्यक्रम राबविला जातो. मतदार यादी ही विधानसभेची यादी आपण वापरतो. त्यामध्ये आपण प्रभागाची रचना करतो, यादीचं विभाजन करतो आणि निवडणूक कार्यक्रम राबवतो. ह्या राज्याच्या ज्या श्री टायर सिस्टीम मधल्या ज्या संस्था आहेत. महापालिका, नगरपरिषदा, जिल्हापरिषदा, पंचायत समित्या ती तुम्हाला सांगितल्या आहेत. सुमारे २ लक्ष ५० हजार पेक्षा जास्त गटाचे म्हणजे सदस्यांचे ह्या राज्य निवडणूक आयोगाच्या माध्यमातून आपण निवडणूक संपन्न करतो. राज्यामध्ये ह्यामध्ये महिलांसाठी ५० टक्के रिझर्व्हेशन आहे. निवडणूक संबंधित एकूण वेगवेगळे नियम साधे नियम आहेत. पण केंद्रासाठी फक्त भारत निवडणूक कायदा एकच आहे. रिप्रेझेंटेशन अॅक्ट प्रभागासाठी पूर्वी वन वाहट वन मॅबर होता. पण आता त्याच्यामध्ये बदल होऊन काही ठिकाणी एक ते पाचपर्यंत सदस्य आहेत. बहुपक्षीय पध्दत आपण अवलंबलेली आहे. परत हे जे बेसिक आहे हे आपल्या सिटीझन सीटपर्यंत गेला पाहिजे. तर त्यासाठी आपल्या अंगीकृत ज्या काही संस्था

असतील. आपले पक्ष असेल तर याची चर्चा सत्र आयोजित करणे अपेक्षित आहे. शालेय स्तरावर निबंध स्पर्धा आयोजित करणे आवश्यक आहे. महापालिकेच्या वतीने यामध्ये आम्ही घेणार आहोत. याला पब्लिसिटी देणार आहोत. मोठमोठे बॅनर, होर्डिंग्ज करून प्रत्येक जण निवडणूकमध्ये भाग घेतला पाहिजे. भाग घेण्याचा शेवटचा म्हणजे मतदान केले पाहिजे. त्याशिवाय जे काही मतदार यादीमध्ये नोंद व्हायला पाहिजे त्याच्यामध्ये आपण जागृत असले पाहिजे आणि प्रत्येक जण मतदार नोंदणी केली पाहिजे. आणि परसेंटेज व्होटींग वाढली पाहिजे. आता आपल्याला परिपक्वता आलेली आहे. यामध्ये दोन घटना दुरुस्ती होऊन त्याला फार कन्स्ट्रुशनली बेत झालेला आहे. ७३ आणि ७४ घटना दुरुस्ती याच्यामधून आपण लोकशाहीच जे मुल्य आहे ते सगळ्यांनी आचरण केले पाहिजे. ह्यामध्ये साधारणतः ह्या सप्ताहमध्ये मतदारामध्ये जागृती आणणे आवश्यक आहे. यासाठी वेगवेगळे आपण जे शपथपत्र घेतो त्याची त्यांना माहिती देणे आवश्यक आहे. जे काही बँक इफेक्ट आहेत याच्यातले जे वाईट गोष्टी आहेत. साधारणतः क्रीमीनल लायजेशनचा मुद्दा आपण चर्चेला घेतो. आपण साधारणतः ह्या कॅन्डीडेटची त्या भूतच्या ठिकाणी डिक्लेरेशन आपण करत आलेलो आहोत. त्या गोष्टी मोबाईल अॅपची निर्मिती केलेली आहे. राज्य निवडणूक आयोग, मतदार यादी सुध्दा कम्प्युटराईज केली आहे. नोटा म्हणून जो सेक्शन आहे त्यामध्ये जर नॉर्मल याच्यापेक्षा जास्तीचे मत पडले एखाद्या वॉर्डमध्ये कॅन्डीडेटच्या ठिकाणी तर फेर निवडणूक घेण्याची तरतूद आता झालेली आहे. आपल्या राज्य निवडणूक आयोगाच्या माध्यमातून आपण जो अहवाल करतो. जनतेसमोरून येतो आणि पाच वर्षांनंतर परत जनतेसमोर जातो. याला प्राधान्य जास्त मोठ्या प्रमाणात सर्व सदस्यांनी दिले पाहिजे. ठिक आहे आपण आर्थिक परिस्थितीमध्ये किंवा काही निर्णय परतीमुळे एखादे आपले वादे अधुरे राहत असतील आपण मोठ्या मनाने अजून लोकांसमोर जाऊन लोकांना सांगितले पाहिजे आणि नविन नविन एरिया बेस, सामाजिक बेस आपण विषय निवडले पाहिजे. आपण लोकांच्या उत्कर्षासाठी काम केलं पाहिजे आणि आपला मोमेंटन लोकांसमोर घेऊन गेला पाहिजे. मला जी संधी मिळालेली मी कसा त्याचा उपयोग केला हे लोकांना सांगून देता आले पाहिजे. याचे गट सत्रावर, वाढ स्तरावर चर्चा सत्र झाला पाहिजे. म्हणून येणा-या नागरिकांना किंवा विद्यार्थ्यांना त्याचे गांभीर्य लक्षात आले पाहिजे. त्यांना याच्याबद्दल सहभागाची इर्षा झाली पाहिजे. यामध्ये साधारणतः १८ ते १९ वय वर्षे गटाला हा मॅसेज जाणे फार आवश्यक आहे. भावी नागरिक ते आहेत आणि त्यांच्या खांद्यावर हे सगळे कामकाज येणार आहे. तर शाळा, शाळामधून हे कामकाज झालं पाहिजे. शहरामध्ये प्रभात रॅली काढल्या पाहिजे. ह्या वेगवेगळ्या सूचना आहेत. तर याचा आम्ही चांगल्या पध्दतीने अंमल करणार आहोत. ह्या पंधरवड्यामध्ये चांगले एक दोन आपण कार्यक्रम घेऊ. घटनेबद्दल किंवा लोकशाही बद्दल चांगले अभ्यासू वक्ते असतात. त्यांचे आयोजन करणे अपेक्षित आहे. रोटरी असेल, लायन्स क्लब असेल, सिटीझन सिटला नॉलेज होण्यासाठी ह्या इंटरनॅशनल लेव्हलवर ज्या काही अजून लोकशाही प्रणालीच्या गोष्टी असतील तर त्या सुध्दा आपल्याला उद्भवत होणे आवश्यक आहे. ह्या माध्यमातून प्रशासन जरी काम करत असले तर त्यापेक्षा पदाधिकारी, नगरसेवक यांच्या माध्यमातून पत्रकार बंधू इलेक्ट्रॉनिक मिडियाच्या माध्यमातून आपण अजून जनतेसमोर जर गेलो तर अजून आपण चांगल्या पध्दतीने हा मॅसेज घेऊन जाऊ शकतो. साधारणतः २५ तारखेला आपण नविन मतदार नोंदणी दिवस आपण साजरा करणार आहोत. त्याचा सुध्दा आपण कार्यक्रम आयोजित करणार आहोत. येणा-या २५ जानेवारीला तर माझी आपल्याला विनंती असेल हा उपक्रम सार्वजनिक उपक्रम म्हणून सगळ्यांनी आपल्या कसोशिने आपला मोहल्ला असेल, आपली वस्ती असेल, आपला कार्यक्रम असेल तर त्या वेळेमध्ये ह्या अनुषंगाने चित्रकला स्पर्धा आहेत. वक्तृत्व स्पर्धा आहेत, निबंध स्पर्धा आहेत. तर प्रशासकीय लेव्हलवर न होता हे वेगवेगळ्या ऑर्गनायझेशनने आपली लोकशाही शेवटच्या माणसापर्यंत घेऊन जाण्यासाठी काम करावे असे राज्य निवडणूक आयोग, राज्य शासन आणि आमचे प्रधान सचिव यांचे निर्देश आहेत. तसा आपल्यासमोर याची आपण मान्य केलेली आहे. मला विश्वास आहे की आपण हा मॅसेज पार्टीबेस कॅटर तयार करण्यासाठी तुम्हाला सुध्दा फार आवश्यक आहे. तर त्याचा हा भाग लोकांपर्यंत गेला पाहिजे आणि लोकांना लोकशाहीचे मुल्य समजले पाहिजे. ह्या अनुषंगाने ह्या १५ दिवसात काम व्हावे अशी माझी विनंती आहे.

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १०५, **महिला व बालकल्याण समिती अंतर्गत 'विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलीच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदत देणेबाबत.'** (मा. महिला व बालकल्याण समिती सभा दि. ०६/०९/२०१८ रोजीचे शिफारस केलले प्रकरण क्र. ८, ठराव क्र. ८)



## वंदना भावसार :-

### प्रस्तावना :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विधवा/घटस्फोटीत महिलांना कोणताही कौटुंबिक आधार नसलेल्या महिलांना महिला व बालकल्याण विभागा मार्फत मुलींच्या विवाहाकरीता व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक सहाय्य करण्यात येते. परंतु सद्यस्थितीत करण्यात येत असलेली आर्थिक मदत महागाईचे काळात फार कमी आहे. त्यामुळे त्यात वाढ करण्याबाबत महिला व बालकल्याण समिती सभेने सभेस केलेल्या शिफारशी नुसार पुढील प्रमाणे या अंतर्गत मुलींच्या विवाहाकरीता रु.२१,०००/- (अक्षरी एकवीस हजार मात्र) व शिक्षणाकरीता खालीलप्रमाणे अर्थसहाय्य करण्यात येते.

| शैक्षणिक वर्ष | वार्षिक मदत रुपये |
|---------------|-------------------|
| १ ते ५        | ७०००/-            |
| ६ ते ८        | १०,०००/-          |
| ९ ते १२       | १२,०००/-          |
| १२ ते पदवी    | १५,०००/-          |

- विधवा /घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या विवाहाकरीता व शैक्षणिक अर्थसहाय्य देण्याबाबत अटीशर्ती खालीलप्रमाणे

१. अर्जदार मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील रहिवासी असणे आवश्यक असून त्याबाबत पुरावे अर्जासोबत जोडणे आवश्यक राहिल.
२. मुलीचे विवाहाचे वेळेचे वय १८ वर्षांपेक्षा कमी असु नये यासाठी मुलीच्या जन्माचा दाखला किंवा शाळा सोडल्याचा दाखला जोडणे आवश्यक आहे.
३. या योजनेखालील अनुदान फक्त मुलींच्या विवाहाकरीता अनुज्ञेय राहिल.
४. कुटुंबाचे मागील वर्षाचे उत्पन्न रु.१,००,०००/- पर्यंत असलेबाबत तहसिलदार यांचेकडील उत्पन्नाचा दाखला सादर करणे आवश्यक राहिल.
५. अर्जदाराच्या मुलीच विवाह निश्चित झाल्यानंतर अथवा विवाहनंतर ३० दिवसापर्यंत करण्यात आलेले अर्ज ग्राह्य समजण्यात येतील.
६. अर्जदार महिलेने पतीच्या निधनाबाबत मृत्यू दाखला अर्जासोबत जोडणे आवश्यक आहे.
७. मुलीचा विवाह नोंदणी झाल्याबाबत विवाह नोंदणी दाखला किंवा लग्नपत्रिका अर्जासोबत जोडणे आवश्यक आहे.
८. सदरचे अनुदान पुनर्विवाहाकरीता देण्यात येणार नाही.
९. मुलामुलींना शिष्यवृत्ती देण्याकरीता बोनाफाईड सर्टिफिकेट
१०. शिधापत्रकाची सत्यप्रत (पिवळा किंवा केशरी)

सन २०१८-१९ या आर्थिक वर्षात “विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदत” करणेकामी रु.८.०० लाख तरतुद करण्यात आलेली असून रु.७.०० लाख अंदाजित खर्च अपेक्षित आहे.

### ठराव क्र. :-

प्रस्तावित केलेल्या गोषवा-यानुसार सन २०१८-१९ या आर्थिक वर्षात “विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदत” करणेकामी होणा-या खर्चास हि सभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देत आहे. तसेच अट क्र. ४) कुटुंबाचे मागील वर्षाचे उत्पन्न रु.१,००,०००/- पर्यंत असलेबाबत तहसिलदार यांचेकडील उत्पन्नाचा दाखला सादर करणेबाबतची अट शिथिल करणेत येत आहे. तसेच “विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदतीसंबंधी” येणा-या अर्जावर अंतिम निर्णय घेणेबाबत फक्त महिला बालकल्याण समितीस ही मा. महासभा अधिकार प्रदान करित आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

### विविधा नार्इक :-

माझे अनुमोदन आहे.

**मा. महापौर :-**

ठराव मंजूर.

**कुसुम गुप्ता :-**

महापौर मॅडम महिला बालकल्याण समिती की सदस्या हूँ। आपकी अनुमती लेती हूँ और महिला बालकल्याण समिती में जो भी उद्घाटन होता है, ओपनिंग होती है और हम यह चाहते हैं की, हमारे क्षेत्र में दो आमदार हैं तो दोनो आमदार को बुलाया जाए। एकही आमदार को बुलाया जाता है।

**मा. महापौर :-**

कौनसा ओपनिंग बताईए।

**कुसुम गुप्ता :-**

दिपिका अरोरा मॅडम जब सभापती बनी थी। जब ओपनिंग हुआ था तब एक ही आमदार को बुलाया गया था।

**शानु गोहिल :-**

यह तो प्रोटोकॉल है, कुसुम गुप्ताजी पिछले टर्म में सभापती थी। हमने हमेशा दोनो आमदार को इनव्हाइट करते थे। लेकिन आपके आमदार आते नहीं थे।

**कुसुम गुप्ता :-**

इस बार एक ही आमदार को बुलाया गया है। दोनो आमदार को बुलाया जाए ऐसा मैं चाहती हूँ।

**मा. महापौर :-**

ठिक है।

**निलम ढवण :-**

सुचना आहे. महिला बालकल्याणसाठी महिला बालकल्याण समिती अंतर्गत जी ट्रेनिंग म्हणा किंवा इतर काही टेंडर जी काढली जातात. ती छोटी छोटी न करता एकदाच मोठी काढा. कारण मागच्या याच्यामध्ये २-२ लाखाचे टेंडर काढून त्यामध्ये जेवढे आजूबाजूचे लोक असतील त्या लोकांना त्याचा फायदा मिळत होता. जेव्हा आम्ही विचारायला जायचो त्यावेळी ते पैसे संपले असे उत्तर मिळायचे. तर त्यामुळे एकच मोठे टेंडर काढून पूर्ण मिरा भाईंदर क्षेत्रामधील सगळ्या लोकांना त्याचा फायदा मिळावा हा उद्देश ठेवूनच मोठी टेंडर काढून त्यानुसार फायदा आपण सर्वांना द्यावा अशी आपणांस विनंती करते.

**मा. महापौर :-**

ठीक आहे.

**गिता जैन :-**

एक प्रश्न आहे. तुम्ही जे एक लाखाची लिमीट ते रद्द केलेली आहे. मग नेक्स्ट लिमीट ते नमूद केलेले नाही. मग नेक्स्ट लिमीट काय ठेवणार २,३,४ किती. एक लाखाची लिमीट कॅन्सल केली. खूप चांगली गोष्ट आहे.

**अर्चना कदम :-**

उत्पन्नाचा दाखला एक लाखाची जी अट देण्यांत आलेली आहे. तर तो दाखला मिळत नाही. तर ऑफीसमध्ये त्या महिला खूप त्रास होतो. कारण आम्ही खूप प्रयत्न केले. खूप त्रास होतो. तर ती अट शिथिल करण्यांत यावी.

**मा. उपमहापौर :-**

दुसरी अट नाही दिली. महिला बालकल्याणमध्ये ह्या विषयावरती चर्चा होईल आणि नगरसेवकांचे पत्र घ्यावं की महिला बालकल्याण समितीची शिफारस घ्यावी असे काही तरी करू. त्या योजनेचा आपल्याला कोणाला लाभ देता येत नाही. कारण एक लाखाचा उत्पन्नाचा दाखला तहसीलदार कचेरीतून त्याचा जो लाभ द्यायचा तो कोणाला मिळत नाही तो देण्यासाठी हे प्रयोजन आहे.

**निलम ढवण :-**

प्रत्येक नगरसेवकाला लेखी आपण कळवावे.

**गिता जैन :-**

आपल्या घरी काम करणारी मालकरीण पण एक लाख कमवते. थोडीशी लिमीट वाढवा.

**मा. महापौर :-**

इधर परिस्थिती है की एक लाख में भी नहीं मिल रहा है। २ लाख बढ़ाने को बोलेंगे तो उसमें कैसे मिलेगा।

## गिता जैन :-

हमने यह अट भी नहीं रखी तो हम हमारे लिए भी यह अट नहीं रखें। समिती के लिए भी यह अट नहीं रखें की १ लाख की हो तो ही दो। उसको २ लाख ढाई लाख तक करें।

## निलम ढवण :-

मा. आयुक्त साहेब आपण तहसीलदारकडे मागणी करू शकता का?

## रोहिदास पाटील :-

अट शिथिल केल्यावर अर्ज पुष्कळ येतील. अर्ज निकाली निघतील. असलेलर रक्कम पण आपल्याला कमी पडेल असं होईल.

## अनिल सावंत :-

मुलीचे वय दिलेले आहे १८ वर्ष. मुलाचे वय दिलेले नाही. जी मुलगी त्या मुलाबरोबर लग्न करणार त्याचे वय किती असावे. २१ पेक्षा कमी असणार तर काय करणार तुम्ही. याच्यामध्ये जी आठ नंबरची अट आहे. सदरच्या अनुदान पुर्नविवाह करिता देण्यात येणार नाही म्हणजे काय? एखाद्याचा घटस्फोट झाला असेल आणि ही पुर्नविवाह करत असेल तर तिला अनुदान देणार नाही. का नाही देणार तिचा अधिकार आहे तो. तुम्ही एकदा अनुदान दिले दुसऱ्यांदा देऊ नका. हे समजू शकतो. पुर्नविवाह हा तिच्यावर अन्याय आहे. कोणाला हौस नसते. महापौर मॅडम तुम्ही डायरेक्शन द्या.

## निलम ढवण :-

महापौर मॅडम एक विनंती आहे मिरा भाईदरमध्ये ह्यात जो तहसीलदाराचा दाखला मिळत नाही १ लाखाच्या वरती. एक लाख १० हजाराचा दाखला देतात. तर माझी विनंती आहे की मिरा भाईदर महानगरपालिकेचा एक प्रमुख प्रशासकीय म्हणून मा. आयुक्त साहेब आपण एक लेटर तहसीलदार ऑफिसला द्यावं की ह्या तुमच्या योजनेमुळे आम्हाला इथल्या योजनेचा लाभ, गोरगरिब महिलेपर्यंत आम्ही पोहोचू शकत नाही. तर ती शिथिलता त्यांनी आणि तशा तलाठीला ऑर्डर द्यावी. मध्ये एक प्रकरण झालं होत म्हणून तलाठीला तशा ऑर्डर दिल्या होत्या की एक लाखाच्या खाली उत्पन्नाचा दाखला द्यायचा नाही. तर त्या वेळी आपण जर एखादे लेटर पाठवून तहसिलदारांना विनंती केली तर कदाचित ते तशी ऑर्डर तलाठीला देऊ शकतील. आणि त्यानुसार त्यांना दाखले मिळू शकतील.

## मा. आयुक्त :-

ठीक आहे. माझी सन्मा. सदस्यांना विनंती आहे आपण आपापसात न बोलता मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलले पाहिजे आणि बसून नाही बोलले पाहिजे.

## प्रकरण क्र. १०५ :-

**महिला व बालकल्याण समिती अंतर्गत 'विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदत देणेबाबत.'** (मा. महिला व बालकल्याण समिती सभा दि. ०६/०९/२०१८ रोजीचे शिफारस केलले प्रकरण क्र. ८, ठराव क्र. ८)

## ठराव क्र. १०७ :-

### प्रस्तावना :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विधवा/घटस्फोटीत महिलांना कोणताही कौटुंबिक आधार नसलेल्या महिलांना महिला व बालकल्याण विभागा मार्फत मुलींच्या विवाहाकरीता व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक सहाय्य करण्यात येते. परंतु सद्यस्थितीत करण्यात येत असलेली आर्थिक मदत महागाईचे काळात फार कमी आहे. त्यामुळे त्यात वाढ करण्याबाबत महिला व बालकल्याण समिती सभेने सभेस केलेल्या शिफारशी नुसार पुढील प्रमाणे या अंतर्गत मुलींच्या विवाहाकरीता रु.२१,०००/- (अक्षरी एकवीस हजार मात्र) व शिक्षणाकरीता खालीलप्रमाणे अर्थसहाय्य करण्यात येते.

| शैक्षणिक वर्ष | वार्षिक मदत रुपये |
|---------------|-------------------|
| १ ते ५        | ७०००/-            |
| ६ ते ८        | १०,०००/-          |
| ९ ते १२       | १२,०००/-          |
| १२ ते पदवी    | १५,०००/-          |

- विधवा /घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या विवाहकरिता व शैक्षणिक अर्थसहाय्य देण्याबाबत अटीशर्ती खालीलप्रमाणे
  १. अर्जदार मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील रहिवासी असणे आवश्यक असून त्याबाबत पुरावे अर्जासोबत जोडणे आवश्यक राहिल.
  २. मुलीचे विवाहाचे वेळेचे वय १८ वर्षांपेक्षा कमी असु नये यासाठी मुलीच्या जन्माचा दाखला किंवा शाळा सोडल्याचा दाखला जोडणे आवश्यक आहे.
  ३. या योजनेखालील अनुदान फक्त मुलीच्या विवाहाकरिता अनुज्ञेय राहिल.
  ४. कुटुंबाचे मागील वर्षाचे उत्पन्न रु.१,००,०००/- पर्यंत असलेबाबत तहसिलदार यांचेकडील उत्पन्नाचा दाखला सादर करणे आवश्यक राहिल.
  ५. अर्जदाराच्या मुलीच विवाह निश्चित झाल्यानंतर अथवा विवाहनंतर ३० दिवसापर्यंत करण्यात आलेले अर्ज ग्राह्य समजण्यात येतील.
  ६. अर्जदार महिलेने पतीच्या निधनाबाबत मृत्यू दाखला अर्जासोबत जोडणे आवश्यक आहे.
  ७. मुलीचा विवाह नोंदणी झाल्याबाबत विवाह नोंदणी दाखला किंवा लग्नपत्रिका अर्जासोबत जोडणे आवश्यक आहे.
  ८. सदरचे अनुदान पुर्नविवाहाकरिता देण्यात येणार नाही.
  ९. मुलामुलींना शिष्यवृत्ती देण्याकरिता बोनाफाईड सर्टिफिकेट
  १०. शिधापत्रकाची सत्यप्रत (पिवळा किंवा केशरी)

सन २०१८-१९ या आर्थिक वर्षात “विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदत” करणेकामी रु.८.०० लाख तरतुद करण्यात आलेली असून रु.७.०० लाख अंदाजित खर्च अपेक्षित आहे.

ठराव क्र. :-

प्रस्तावित केलेल्या गोषवा-यानुसार सन २०१८-१९ या आर्थिक वर्षात “विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदत” करणेकामी होणा-या खर्चास हि सभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देत आहे. तसेच अट क्र. ४) कुटुंबाचे मागील वर्षाचे उत्पन्न रु.१,००,०००/- पर्यंत असलेबाबत तहसिलदार यांचेकडील उत्पन्नाचा दाखला सादर करणेबाबतची अट शिथिल करणेत येत आहे. तसेच “विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदतीसंबंधी” येणा-या अर्जावर अंतिम निर्णय घेणेबाबत फक्त महिला बालकल्याण समितीस ही मा. महासभा अधिकार प्रदान करित आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्रीम. वंदना भावसार

अनुमोदक :- श्रीम. विविता नाईक

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १०६, महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमचे कलम १०७-अ अन्वये स्थानिक निधी लेखपरिक्षण विभाग यांचेकडील सन २०१३-१४ व २०१४-१५ चा लेखापरिक्षण अहवाल सादर करणेबाबत .

(मा. महासभा दि. १९/१०/२०१८ रोजीचे तहकुब प्रकरण क्र. ९५)

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम, माझी अशी विनंती आहे प्रशासनाला की, लेखापरिक्षण अहवालामध्ये जे आक्षेप काढलेले आहेत त्या आक्षेपाची पुर्तता मा. आयुक्तांनी करुन.....

मा. आयुक्त :-

याची आयुक्तच पुर्तता करते. याची पध्दत अशी असते की, ती सभेच्या पटलावर ठेवले जातात. तोच त्याचा मुद्दा आहे. त्याच्यात तुमची जबाबदारी नाही. त्यात तुम्हाला काही गांभिर्य वाटत असेल तर तुम्ही आम्हाला अॅड्रेस करू शकता.

## स्नेहा पांडे :-

यह लेखा अहवाल सामने रखके सामने हम इसको मंजूरी दे के पास कर रहे है। तो उसमें जो कमीया है।

## मा. उपमहापौर :-

इसमें अगर त्रुटी हो तो उसकी कम्प्लेंट आप कर सकते है।

## मा. आयुक्त :-

एखाद्या प्रकरणामध्ये काही गांभीर्य वाटलं तुम्ही ते अजून देऊ शकता. त्याला अजून पब्लीकसाईट करण्याचा हा मुद्दा आहे.

## स्नेहा पांडे :-

मैं क्या बोलना चाहती हूँ की, इसमें जो कमिया है, जिस अधिकारी की वजह से आयी है जैसे पॉईंट दिए हुए है। मालमत्ता कर कम आया, या मोबाईल टॉवर से कम वसुली हुई। तो उसके लिए तो जो जिम्मेदार अधिकारी है उसके लिए इस महासभा के सदस्य को क्या अधिकार है। हम लोग सिर्फ इसको पास करने के लिए मंजूर करते है।

## मा. आयुक्त :-

मी आपल्याला सांगु इच्छितो दैनंदिन कामकाजाचा लेखापरिक्षण २-३ प्रकारे होतो. एक अंतर्गत लेखापरिक्षक असतात ते करतात. त्यानंतर राज्य शासनातून डेप्युटी डायरेक्टर. लेखापरिक्षक टिम असते. ते दर दोन वर्षाला करतात आणि केंद्रशासनाचे जे पैसे असतील. ए.जी. मार्फत त्याचे ऑडीट होते. ऑडीटमध्ये एखादी अनियमितता एखादी सूचना असेल तर त्याची अंमलबजावणी त्याची लिओनिटी ते संबंधित ऑडीट विभाग इ.जी. असेल. ई.जी. डेप्युटी डायरेक्टर असेल, डेप्युटी डायरेक्टर हे नेहमीच घेतात. त्यामध्ये प्रत्येक पॅराव्हाईज खुलासा द्यावा लागतो. एखादे जर त्यामध्ये आर्थिक प्रशासकीय लेव्हलचे इश्यू असतील तर त्यात त्याला रिस्पॉन्सीबिलिटी फिक्स होते. त्याच्यावर कारवाई होते. हे लॉग टर्म प्रोसेस असते आणि एखादे भार आदिभारचे विषय असतील तर त्यामध्ये ती रक्कम वसुल करण्याचे सुध्दा आदेश होतात. त्याप्रमाणे ते कामकाज होते आणि जे अंतर्गत लेखापरिक्षणाचे विषय असतात ते मा. आयुक्तांनी स्थायी समितीला त्यांनी त्याचा अहवाल क्वार्टरली देतात. तर ह्या कामकाजामध्ये ह्या बाबींमध्ये सुधारणा होणे अपेक्षित आहे. ह्या बाबींमध्ये कारवाई होणे अपेक्षित आहे. हा जो अहवाल असतो तो आपल्या सगळ्यांना माहित असणे अपेक्षित असते. दैनंदिन कामकाजामध्ये आपल्याला कुठलेही भाग घेताना आपली सिमा होत असल्याचे काम ह्या सगळ्या बाबी पारदर्शक व्हावे हा ह्या मागचा उद्देश आहे. आणि ह्याच्यावर चर्चा होऊन.....

## अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम आता हा आपल्याला सन २०१४-१५ चा अहवाल दिलेला आहे. पुढच्या तीन वर्षांचा बाकी आहे. त्याच्यानंतर ह्या अहवालामध्ये ज्या त्रुटी दाखवल्या आहेत शेरे मारलेले आहेत. त्याचा रॅक्टिफिकेशनचा अहवाल आम्हाला कधी मिळणार. कारण ह्या अहवालामध्ये एवढे गंभीर आरोप आहेत. थोडेसे वाचून दाखवतो. लेखापरिक्षण सन २०१४-१५ हे तुमच्या ऑडीटरने मारलेले ऑडीट आहेत. त्याच्यामध्ये असे आहे अर्थसंकल्प तयार करतेवेळी पुरेसे काळजी घेतलेली नाही. सफाई कामगार ठेकेदारास खर्च योग्य प्रकारे निविदा अवास्तव वाजवी शिवाय झालेला आहे. कर्मचा-यांची वैयक्तिक पी.सी. उपलब्ध नाही. काही कर्मचा-यांची चुकीची वेतनश्रेणी निश्चित केलेली आहे. सेवा पुस्तकात सक्षम अधिका-यांची सही नाही. ठेकेदारास मुदतवाढ देतेवेळी स्थायी समितीची मंजूरी घेण्यात आलेली नाही. ठेकेदारास बिले हस्तगत देयकाची रक्कम दिलेली आहे. वाहनांची दैनंदिन लॉगबुक नाही. नालेसफाई मोजमाप पुस्तिका, मशिनरी वापरण्याची चलने उपलब्ध नाहीत, अनधिकृत मोबाईल टॉवरच्या मालमत्ता कराची आकारणी वसुली निरंक याबाबत अभिलेख ठेवण्यात आलेले नाहीत. स्थानिक निधी लेखानियक परिक्षा अधिनियम १९३० च्या कलम ४ चे उल्लंघन केलेले आहे. आरक्षित जागा संपादननासाठी प्रदान केलेले टी.डी.आर प्रमाणपत्रच उपलब्ध नाहीत. जे एम.एम.आर.डी.ए भुयारी गटार योजना ठेकेदारास १२ करोडची रक्कम अदा केली. मोजमाप पुस्तक नोंदणीची तपासणी केल्याबद्दल प्राधिकृत अधिका-याची सही नाही. महापालिकेची मालकी सिध्द करणारे दस्तावेज दर्शविलेले नाहीत. आरोग्य विभागातर्फे वितरीत करण्यात आलेले बुक पावत्या उपलब्ध नाहीत. प्रभाग क्र. ६ मालमत्ता कर हस्तांतर शुल्क न भरताच मालमत्ता हस्तांतर केली आहेत. प्रभाग क्र. ५ येथे धनादेश ८४ लाख परत भरण्याची बाबतचे निर्णय. हे साहेब दोन दिवसांमध्ये हे लेखापरिक्षण अहवाल मिळाल्यानंतर काही निरीक्षण काढलेली ही आहेत. याचे रॅक्टिफिकेशन कधी होणार आणि ते आम्हाला कधी मिळणार याला जे जबाबदार अधिकारी आहेत. जे ऑडीटरने ताशोरे ओढले आहेत त्यांच्यावर कारवाई करा.

**मा. आयुक्त :-**

तेच मी सांगतो ह्याची कार्यप्रणालीची पध्दत वेगळी आहे. यामध्ये एखादा पॅरा निघाला तर तो पॅरा त्या-त्या ऑथोरीटीत डिलीट होतो आणि तो कधी डिलीट होत नाही तोपर्यंत कधी कनफर्म करत नाही. आज १९७२ पासून संस्था आहेत. आपली संस्था फार यंग आहे. त्याचे ५२ पासूनचे पॅरे आहेत. हा कामकाजाचा भाग आहे. आणि त्याला असिस्टन्ट करणारी ऑथोरीटी जो चेक करतो तेच असतात.

**जुबेर इनामदार :-**

झालेल्या चूका त्रुटी म्हणजे सही राहिली हे मानू शकतो. कुठले तरी काम राहिले आहे. आर्थिक बाबी आहेत त्याच्यामध्ये त्या आर्थिक बाबी आहेत. त्याच्यामध्ये त्या आर्थिक बाबी गांभियाच्या आहेत. अशा अधिका-यांवर आयुक्त म्हणून तुम्ही काय कारवाई करणार. असेसमेंटमध्ये आणि अॅक्च्युअल झालेल्या खर्चामध्ये कितीतरी तफावत आहे. म्हणजे कुठेतरी आर्थिक बोजा तो पालिकेवर पडला. एक अधिका-याच्या अशा कामचुकारपणामुळे घडलेलं आहे. अशा अधिका-यांवर तुम्ही काय कारवाई करणार आहेत.

**मा. आयुक्त :-**

ती जी ऑथोरीटी चेक करणारी ती कारवाई सजेस्ट करते. आणि त्याप्रमाणे त्याची डिपार्टमेंट इन्क्वॉयरी जिथे भार अधिकाराच्या रक्कमा वसुल करायच्या असतील तर त्या वसुल सुध्दा केल्या जातात.

**जुबेर इनामदार :-**

साहेब अधिकारी चूका करणारे रिटायर्ड होऊन जातील.

**अनिल सावंत :-**

साहेब ब-याचशा अधिका-यांना चुकीच्या इन्क्रीमेंट दिलेल्या आहेत. त्यांचा व्हेहीकल अलाऊन्स चुकीचा दिलेला आहे. लाखो रुपये आहेत आणि ह्याला ४-४, ५-५ वर्ष झाले आहेत. अजूनपर्यंत कारवाई झालेली नाही.

**मा. आयुक्त :-**

ह्या आक्षेपाचे ज्या पुर्तता झालेल्या आहेत. ते ही अहवाल ठेवायला सांगतो.

**जुबेर इनामदार :-**

अहवाल द्या आणि असे झालेले चूका जे करतात अधिकारी तर त्यांना जाब विचारायला पाहिजे.

**धृवकिशोर पाटील :-**

मिरा भाईंदर महापालिका सन २०१३, २०१४ व २०१५ ह्या वार्षिक लेखापरिक्षण स्थानिक निधी लेखापरिक्षण विभागाकडून पुन्हा आले असून संचालक स्थानिक निधी लेखापरिक्षण विभाग २०१३-१४, २०१४-१५ पर्यंतचे लेखापरिक्षण अहवाल आला आहे. मा. आयुक्तांनी मा. महासभेसमोर सादर करण्यात आला आहे. मा. आयुक्तांनी लेखापरिक्षणामधील आक्षेपाची पुर्तता संबंधित अधिकारी विभागाकडून करून तीन महिन्यात मा. महासभेला फेर सादर करावा.

**अनिल सावंत :-**

त्याच्यामध्ये जे अधिका-याजवळून रिकव्हरी करायची आहे ती पण करा.

**रोहिदास पाटील :-**

सर्व सदस्यांना विनंती आहे आपल्या परीने त्याचा अभ्यास करावा. जे काही लेखी निवेदन करायचे असतील ते मा. आयुक्तांना लेखी निवेदन द्या.

**मा. महापौर :-**

धृवकिशोरजीची सुचना मान्य केलेली आहे.

**राजेंद्र जैन :-**

महापौर मॅडम आपने सूचना मांडी है। पाटील साहबने बराबर है, मैं कुछ मा. आयुक्त साहब की बात से असहमत हूँ, उन्होंने बोला की यह प्रथा ऐसी होती है, क्योंकि यह जो ऑडिट है यह प्रशासन पर लगाम रखने के लिए है, जो गलतियाँ निकली है वह २-२ साल, ३-३ साल पहिले से निकाली है। और यह नियम का आयुक्त को बिना हमारे मालूम किए ही कारवाई होनी चाहिए थी। हम बोल रहे है की अभी अब तीन महिने बाद हमको कारवाई करके दो। इसमें प्रशासन लगाम जो है कम रहती है। हमने आयुक्त साहब को स्पष्ट निर्देश देना चाहिए की, ऐसी गलतीया जो नियम के और नियमबाह्य काम... (सदरचा विषय तहकुब करण्यात आला.)

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १०७, मिरा भाईंदर महानगरपालिका विविध विभागात प्रशासकीय कामकाजाकरीता संगणक चालक तथा लिपीक बाह्यमार्गाने (ठेका पध्दतीने) पुरवठा करणेबाबत.

ज्योत्सना हसनाळे :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका विविध विभागातील प्रशासकीय कामकाजासाठी ठेका पध्दतीने संगणक चालक तथा लिपीक उपलब्ध करून देण्याची जाहीर सुचना दि.14/07/2015 रोजी प्रसिध्द करण्यात आली होती. सदर जाहीर सुचनेनुसार मे. गणेश कृपा ट्रान्सपोर्ट यांना मा. स्थायी समिती सभा दि.14/10/2015, ठराव क्र.95 अन्वये 03 वर्षा करीता निविदा मंजुर करण्यात आलेली आहे. त्याअनुषंगाने मे.गणेश कृपा ट्रान्सपोर्ट यांना दि.26/10/2015 रोजी निविदा स्विकृती पत्र देण्यात आले आहे. व दि.02/12/2015 रोजीच्या आदेशान्वये सदर कामाच्या कंत्राटाची मुदत दि.03/12/2015 पासून 03 वर्ष इतकी आहे. म्हणजेच मे. गणेश कृपा ट्रान्सपोर्ट यांची कामाची दि.03/12/2015 ते 02/12/2018 इतकी आहे. व सदरची मुदत दि.02/12/2018 रोजी संपुष्टात येत आहे.

मिरा भाईदर महानगरपालिका विविध विभागातील प्रशासकीय कामकाजासाठी संगणक चालक तथा लिपीक कर्मचाऱ्यांची आवश्यकता असल्याचे संबंधीत विभागप्रमुखांनी कळविले आहे. त्यामुळे संगणक चालक तथा लिपीक उपलब्ध करून देण्याकरीता नव्याने निविदा मागविणे उचित वाटते.

सदर 85 संगणक चालक तथा लिपीक कर्मचारी यांचे किमान वेतन कायद्यानुसार प्रतिकर्मचारी रु.22,251/-प्रतिमहा वेतन अंदाजे रु. 18,91,335/- खर्च अपेक्षित असून एका वर्षाकरीता कर्मचारी वेतन रु. 2,26,96,020/- खर्च अपेक्षित आहे.

सन 2018-19 या वार्षिक अंदाजपत्रकात अस्थायी आस्थापना (संगणक चालक) या लेखाशिर्षात सदर खर्चाबाबतची 350.00 लक्ष इतकी तरतुद करण्यात आलेली आहे. सदर तरतुदीमधुन आत्तापर्यंत 186.02 लक्ष इतका खर्च झाला असून 167.98 लक्ष इतकी तरतुद शिल्लक आहे. त्यामुळे माहे डिसेंबर-2018 ते मार्च-2019 या कालावधीत रु.75.65 लक्ष होणारा खर्च शिल्लक असलेल्या तरतुदी मधुन करण्यात येईल.

तरी ठेका पध्दतीने संगणक चालक तथा लिपीक पुरवठा करणेकरीता जाहीर सुचना प्रसिध्द करणेस तसेच येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेकरीता आदेशार्थ सादर.

सन 2018-19 या वार्षिक अंदाजपत्रकात अस्थायी आस्थापना (संगणक चालक) या लेखाशिर्षात सदर खर्चाबाबतची 350.00 लक्ष इतकी तरतुद करण्यात आलेली आहे. सदर तरतुदीमधुन आत्तापर्यंत 186.02 लक्ष इतका खर्च झाला असून 167.98 लक्ष इतकी तरतुद शिल्लक आहे.

ठराव क्रमांक ( ) :-

प्रस्तावित गोषवाऱ्यामध्ये नमुद केल्याप्रमाणे मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या विविध विभागातील प्रशासकीय कामकाजासाठी संगणक चालक तथा लिपीक ठेका पध्दतीने पुरवठा करणे आवश्यक असल्याने , सदर कंत्राटी संगणक चालक यांना 2 महिन्यांकरीता (दि.31 जानेवारी 2019 पर्यंत) मुदतवाढ देण्यात यावी व नव्याने निविदा काढून ठेका पध्दतीने संगणक चालक तथा लिपीक पुरवठा करणेकरीता जाहीर सुचना प्रसिध्द करावी व नविन निविदा प्रक्रिया पूर्ण होईपर्यंत आवश्यक वाटल्यास मिरा भाईदर महानगरपालिकेमध्ये कार्यरत असलेल्या मे. सैनिक इंटेलिजेन्स व सिक्युरिटी प्रा.लि. या निविदा धारकाकडून आवश्यकतेनुसार संगणक चालक तथा लिपिक उपलब्ध करून घ्यावेत. तसेच येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणेस ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

शानू गोहिल :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुवेर इनामदार :-

मा. आयुक्त साहेब ठरावाच्या विरोधात बोलत नाही. फक्त माझी सूचना आहे. ही नेहमीची प्रथा झालेली आहे. आपल्याला कल्पना आहे की ह्या २ महिन्या आधी याची सुरुवात केली पाहिजे असे का? खरे तर हे जे १५ दिवस त्यांनी काम केलं असेल आपल्याकडे त्याला तुम्ही पगार कुठून देणार? ह्याला मान्यता कोण देते?

मा. आयुक्त :-

त्या कालावधीसह मान्यता देण्यात येईल.

**जुबेर इनामदार :-**

बधितले तर त्यांना नाही देत. कायद्यात त्या मंजूरी हा विषय नाहीच.

**मा. आयुक्त :-**

त्याची मान्यतेची पिरेड संपण्याच्या तीन चार महिन्यापूर्वीच हा प्रस्ताव येईल.

**जुबेर इनामदार :-**

खर तर तो कार्यकालमध्ये सुरु केले पाहिजे. हा एकाच विभागाचा विषय नाही.

**मा. आयुक्त :-**

अडवान्समध्ये असे जे काही गोष्टी असतील त्या-त्या ऑथोरीटीला मान्यतेला जातील.

**जुबेर इनामदार :-**

प्रत्येक विभागाला सक्क्युलर काढा.

**मा. महापौर :-**

ठराव मंजूर.

**रिटा शाह :-**

महापौर मॅडम माझी एक सुचना आहे साहेब हे जे आपण कॉन्ट्रॅक्ट पध्दतीने ज्यांना ज्यांना ठेका देतो. ते-ते कर्मचारी आमच्याकडे येतात. त्यांना २-२, ३-३ महिन्याचा पगार ते कॉन्ट्रॅक्टर देत नाही. मग असे जे कॉन्ट्रॅक्टर आहेत त्यांना ब्लॅकलिस्टेड करा कारण की अशा कॉन्ट्रॅक्टर त्यांना ३-३ महिन्यापर्यंत पगार देत नाही. मग ते आपल्याकडे आले तर प्रशासन सांगते की तुम्ही कॉन्ट्रॅक्टरकडे जा. मग अशा कॉन्ट्रॅक्टरला ठेका देऊ नये.

**प्रकरण क्र. १०७ :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका विविध विभागात प्रशासकीय कामकाजाकरीता संगणक चालक तथा लिपीक बाह्यमार्गाने (ठेका पध्दतीने) पुरवठा करणेबाबत.

ठराव क्र. १०८ :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका विविध विभागातील प्रशासकीय कामकाजासाठी ठेका पध्दतीने संगणक चालक तथा लिपीक उपलब्ध करून देण्याची जाहीर सुचना दि.14/07/2015 रोजी प्रसिध्द करण्यात आली होती. सदर जाहीर सुचनेनुसार मे. गणेश कृपा ट्रान्सपोर्ट यांना मा. स्थायी समिती सभा दि.14/10/2015, ठराव क्र.95 अन्वये 03 वर्षा करीता निविदा मंजूर करण्यात आलेली आहे. त्याअनुषंगाने मे.गणेश कृपा ट्रान्सपोर्ट यांना दि.26/10/2015 रोजी निविदा स्विकृती पत्र देण्यात आले आहे. व दि.02/12/2015 रोजीच्या आदेशान्वये सदर कामाच्या कंत्राटाची मुदत दि.03/12/2015 पासून 03 वर्ष इतकी आहे. म्हणजेच मे. गणेश कृपा ट्रान्सपोर्ट यांची कामाची दि.03/12/2015 ते 02/12/2018 इतकी आहे. व सदरची मुदत दि.02/12/2018 रोजी संपुष्टात येत आहे.

मिरा भाईंदर महानगरपालिका विविध विभागातील प्रशासकीय कामकाजासाठी संगणक चालक तथा लिपीक कर्मचाऱ्यांची आवश्यकता असल्याचे संबंधीत विभागप्रमुखांनी कळविले आहे. त्यामुळे संगणक चालक तथा लिपीक उपलब्ध करून देण्याकरीता नव्याने निविदा मागविणे उचित वाटते.

सदर 85 संगणक चालक तथा लिपीक कर्मचारी यांचे किमान वेतन कायद्यानुसार प्रतिकर्मचारी रु.22,251/-प्रतिमहा वेतन अंदाजे रु. 18,91,335/- खर्च अपेक्षित असून एका वर्षाकरीता कर्मचारी वेतन रु. 2,26,96,020/- खर्च अपेक्षित आहे.

सन 2018-19 या वार्षिक अंदाजपत्रकात अस्थायी आस्थापना (संगणक चालक) या लेखाशिर्षात सदर खर्चाबाबतची 350.00 लक्ष इतकी तरतुद करण्यात आलेली आहे. सदर तरतुदीमधुन आत्तापर्यंत 186.02 लक्ष इतका खर्च झाला असून 167.98 लक्ष इतकी तरतुद शिल्लक आहे. त्यामुळे माहे डिसेंबर-2018 ते मार्च-2019 या कालावधीत रु.75.65 लक्ष होणारा खर्च शिल्लक असलेल्या तरतुदी मधुन करण्यात येईल.

तरी ठेका पध्दतीने संगणक चालक तथा लिपीक पुरवठा करणेकरीता जाहीर सुचना प्रसिध्द करणेस तसेच येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेकरीता आदेशार्थ सादर.



सन 2018-19 या वार्षिक अंदाजपत्रकात अस्थायी आस्थापना (संगणक चालक) या लेखाशिर्षात सदर खर्चाबाबतची 350.00 लक्ष इतकी तरतुद करण्यात आलेली आहे. सदर तरतुदीमधुन आत्तापर्यंत 186.02 लक्ष इतका खर्च झाला असुन 167.98 लक्ष इतकी तरतुद शिल्लक आहे.

ठराव क्रमांक ( ) :-

प्रस्तावित गोषवान्यामध्ये नमुद केल्याप्रमाणे मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या विविध विभागातील प्रशासकीय कामकाजासाठी संगणक चालक तथा लिपीक ठेका पध्दतीने पुरवठा करणे आवश्यक असल्याने, सदर कंत्राटी संगणक चालक यांना 2 महिन्यांकरीता (दि.31 जानेवारी 2019 पर्यंत) मुदतवाढ देण्यात यावी व नव्याने निविदा काढून ठेका पध्दतीने संगणक चालक तथा लिपीक पुरवठा करणेकरीता जाहीर सुचना प्रसिध्द करावी व नविन निविदा प्रक्रिया पूर्ण होईपर्यंत आवश्यक वाटल्यास मिरा भाईदर महानगरपालिकेमध्ये कार्यरत असलेल्या मे. सैनिक इंटेलिजेन्स व सिक्युरीटी प्रा.लि. या निविदा धारकाकडून आवश्यकतेनुसार संगणक चालक तथा लिपिक उपलब्ध करुन घ्यावेत. तसेच येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणेस ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्रीम. ज्योत्सना हसनाळे अनुमोदक :- श्रीम. शानु गोहिल  
ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

मा. आयुक्त :-

आपल्याकडे श्री. कुसेकर यांच्या ठिकाणी डॉ. सुनिल लहाने हे अतिरिक्त आयुक्त म्हणून रुजू झालेले आहेत. ते आलेले आहेत, मी सभागृहाला त्यांचा परिचय करुन देतो. डॉ. सुनिल लहाने डेप्युटी डायरेक्टर, नगरपरिषद प्रशासन, मुंबई हे आपल्याकडे अतिरिक्त आयुक्त म्हणून रुजू झालेले आहेत. श्री. कुसेकर यांची बदली झालेली आहे. तर मी लहाने यांना स्वतःची ओळख करुन देण्यासाठी निर्देश देतो.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

आदरणीय महापौर महोदया, उपमहापौर महोदय, मा. आयुक्त साहेब, सर्व सन्मा. सदस्य काल शासनाच्या आदेशाप्रमाणे माझी डेप्युटी डायरेक्टर, डी.एम. ऑफिस येथून अतिरिक्त आयुक्त, मिरा भाईदर महानगरपालिका या ठिकाणी बदली झालेली आहे. यापूर्वी मी डेप्युटी डायरेक्टर म्हणून दीड वर्ष डी.एम.ए ऑफिसमध्ये काम केले आहे. यापूर्वी कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, वसई विरार महानगरपालिकेत दोन्ही मिळून साधारण ७ वर्ष उपआयुक्त पदी काम केलेले होते. त्यापूर्वी सांगली जिल्ह्यामध्ये इस्लामपूर नगरपालिकेत मुख्य अधिकारी म्हणून, लोणावळा नगरपालिकेत मुख्य अधिकारी म्हणून, अहमदनगर महानगरपालिकेत उपआयुक्त म्हणून आणि त्यापूर्वी पैठण वसमत अशा नगरपालिकांमध्ये मी मुख्य अधिकारी म्हणून काम केलेले आहे. साधारण १९ वर्ष या नगरविकास विभागामध्ये माझ्या कामाचा अनुभव आहे. आपल्या सर्वांच्या सहकार्याने ह्या ठिकाणी चांगले काम करेल अशी आशा वाटते.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम मी लहाने साहेबांचे अतिरिक्त आयुक्त म्हणून त्याठिकाणी रुजू झालेत त्यांचा मी शिवसेनेच्या सर्व नगरसेवकांच्या वतीने स्वागत करतो. पण त्याचबरोबर साहेब मी अभिनंदनाचा ठराव करतो. कुसेकर साहेबांनी जी ड्युटी त्यांना दिली ह्या महानगरपालिकेतून त्यांनी अतिशय प्रामाणिकपणे त्यांच्या पदाला शोभेल अशा पध्दतीने काम केले त्याबद्दल त्यांचे देखील अभिनंदन करतो.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १०८, बी.एस.यु.पी. योजनेअंतर्गत स्थळांतरीत धारक व स्थळांतरीतरीतांना मनपा भाडे देत आहे अशा सदनिकाधारकांना एम .एम.आर.डी.ए. कडून सदनिका ताब्यात घेऊन त्यामध्ये त्यांना स्थळांतरीत करणेबाबत निर्णय घेणे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम प्रकरण क्र. १०८ बी.एस.यु.पी. योजने अंतर्गत स्थळांतरीत धारक व स्थळांतरीतांना महानगरपालिका भाडे देत आहे. अशा सदनिकाधारकांना एम.एम.आर.डी.ए कडून सदनिका ताब्यात घेऊन त्यामध्ये त्यांना स्थळांतरीत करणेबाबत निर्णय घेणे हा एक धोरणात्मक निर्णय आला पण प्रशासनाचा गोषवारा नाही. प्रशासनाने गोषवारा द्यावा आणि विषय घ्यावा. विषयपटलावर आमची काही हरकत नाही.

## मा. उपमहापौर :-

ह्या विषयाची भूमिका समजून घ्या की आपण बऱ्याच लोकांना भाडे चूकवत असतो आणि आपल्याकडे एम.एम.आर.डी.ए चे आता इमारतीचे बरेचसे रुम आपल्या हातात आलेले आहेत. मग आपल्याला ते भाडे देण्यापासून वंचित व्हावे पण यात आम्हाला प्रशासनाकडून जो गोषवारा अपेक्षित होता त्याच्यामुळे आपल्या सदस्यांना आपले मत निश्चित करता येते. त्याचा अभ्यास करता येतो. तर जर प्रशासनाकडून त्याच्याबद्दल जर व्यवस्थित निवेदन होत असेल तर आपण हा विषय संपवून टाकू म्हणजे एक पेंडींग गोष्ट राहणार नाही.

## जुबेर इनामदार :-

प्रशासन आपला हात झटकून घेतो असा प्रकार झालेला आहे. बी.एस.यू.पी. योजना एक ज्वलंत विषय झालेला आहे. ह्या शहराचा अजूनही बरेच लोकांना त्याचा लाभ घेता आला नाही. सदनिका ग्राहक किती आहेत. सदनिका आपल्याकडे उपलब्ध किती आहेत ह्या विषयावर सविस्तर गोषवारा गरजेचा आहे. गोषवारा असला तर त्यावर निर्णय ही चांगला करता येईल.

## रिटा शाह :-

मॅडम आपण ते विचारू शकतो. विषय घेतलेला आहे. एम.एम.आर.डी.ए कडून माझा एक प्रश्न आहे. एम.एम.आर.डी.ए कडून किती फ्लॅट आणि किती विकासक आहेत. म्हणजे त्यांचे फ्लॅट आपल्याला घ्यायचे आहेत. त्यांची नावे द्या आणि आपल्याला टोटल किती फ्लॅट भेटणार आहेत आणि आपल्याला टोटल किती फ्लॅट भेटलेले आहेत.

## प्रविण पाटील :-

तुमच्या प्रश्नाला धरूनच माझा प्रश्न आहे. माझा ही तोच प्रश्न होता की मूळात अशा सदनिका महानगरपालिकेला देता येतात का? तो अधिकार आहे का एम.एम.आर.डी.ए ला.

## जुबेर इनामदार :-

साहेब एम.एम.आर.डी.एच्या सदनिकेमध्ये या लोकांना स्थलांतरीत करायचे आहे. म्हणजे एक तर प्रयोग घ्या. लोढा अँक्वामध्ये महापौर मॅडम आपण केलेले आहे. त्या लोढा अँक्वाच्या इमारतीमध्ये जे आपल्याला प्राप्त झालेले तिथे जाऊन त्याची परिस्थिती बघा. ते लोक त्याला मेनटेन करू शकत नाही. कारण ते त्यांना जमत नाही. कधी केलेले नाही. अशा परिस्थितीमध्ये ह्या लोकांना आपण करू शकतो का कुठल्या एम.एम.आर.डी.ए च्या इमारतीमध्ये त्याची देखरेख कोण करणार कारण पालिका एका बाजूला बोलते की आम्ही वीजबील भरणार नाही. ते ही भरत नाही. १८ माळा २० माळ्यावरती लोक राहायला गेलेली त्यांना उदवाहीका नाहीत. अशी परिस्थिती असताना आपल्याला असे काही करता येईल का? बाकीच्या विषयावरती चर्चा अभ्यास गरजेचं आहे. असे थातूरमातूर ठराव करून द्यायचा याला अर्थ राहत नाही. करूया चांगली गोष्ट आहे. विषय चांगला आहे. चांगली चर्चा करून निर्णय घेता येईल.

## रिटा शाह :-

साहेब माझा प्रश्न आहे. तुमचा निर्णय काय होणार तो होणार. सभागृहाच्या अंतर्गत एम.एम.आर.डी.ए. अंतर्गत किती विकासक आहेत. ज्यांच्याकडून आपल्याला बिल्डींग या फ्लॅट घ्यायचे आहेत ते टोटल फ्लॅट किती आपल्याकडे किती टोटल फ्लॅट हँडवर्क झालेले आहेत. एम.एम.आर.डी.ए. कडून की त्यांच्याकडे झालेले आहेत ती सर्व सविस्तर माहिती द्या. बोलवा नगररचना खात्याचे लोकांना आणि ती माहिती द्यायला सांगा. कोण कोण विकासक आहे.

## निला सोंस :-

महापौर महोदया आपकी परमिशन से बोलती हूँ जैसे की ज्वलंत विषय है और कई सालो से रुका हुआ विषय है। और उसके पहले भी बात हुई है गोषवारे की अगर यह शासकीय विषय है शासन द्वारा लाया विषय है और उसके बाद भी गोषवारा नहीं है। बिना जानकारी के यहाँ पर सिर्फ हम प्रश्न करे और उत्तर मिले यह जानकारी कितनी स्पष्ट है, कितनी सही है, उस पर स्टडी करना का वक्त ही नहीं मिलता। और फिर हमें मत भी देना पडता है। तो यह बात है की सत्तापक्ष हो या विपक्ष हो गोषवारा हँज टू बी कम्पलसरी और अगर शासकीय विषय है और शासन ही नहीं दे रहा है तो आपका अधिकार है की आप शासन से पूछे की विषय लाकर भी गोषवारा क्यों नहीं है। तो मेरा आपसे निवेदन है की हमें जानकारी मिले और हम पुरी जानकारी के तहत बात कर सके। इसके लिए गोषवारा के लिए शासन से जरूर खुलासा लिजीए।

**रिटा शाह :-**

मॅडम मिटींग के शुरुवात में ही आपने बोला है की आनेवाले दो मिटींग में पहले गोषवारे के साथ में विषय मिलेगा तो वापस वही चिजे करने का कोई मतलब नहीं है। हमने यह विषय के अंतर्गत जो सवाल क्रिएट किए है नगररचना विभाग से वो हमको जवाब दिया जाए।

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

ह्या विषयपत्रिकेमध्ये आपण सकाळपासून तोच विषय होत आहे. ज्या विषयपत्रिकेमध्ये ज्या विषयाचा गोषवारा नाही तो विषय आपण बाजूला करायचा ठरलं होतं. ठरल नसेल तर ह्या असे विषय आणून जर तुम्ही वारंवार त्याच्यावर चर्चा करायचा प्रयत्न करत असणार तर महासभा चालू देणार नाही. (सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

पहिले गोषवारा ह्या आणि नंतर चर्चा करा ना. आणि सकाळी मॅडम तुम्ही कबुल केलं.

**स्नेहा पांडे :-**

महापौर मॅडम गोषवारा तो सभी को जानकारी चाहिए।

**धृवकिशोर पाटील :-**

ज्या सदस्यांनी हात वरती केला त्याला कृपया आपण बोलायला द्यावं. कारण की, विषयावरती चर्चाच होत नाही. एक इकडून बोलतो तर एक इकडून माहितच पडत नाही. माझी आपणांस विनंती आहे की ज्यांनी हात वरती केला त्यांना परवानगी द्या. तरच बोला.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

महापौर मॅडम सकाळी ह्या विषयावर आपणच सांगितल की गोषवारे नाहीत तर तो विषय होणार नाही. तर त्यानुसार आपण चर्चा करुन वेळ वाया घालतो. गोषवारे ह्या आणि चर्चा करा.

**मा. महापौर :-**

त्यांना चर्चा करायची आहे.

**निलम ढवण :-**

आमच्यामध्ये मतभेद नाहीत की, त्यांना देऊ नका असे मत नाही. पण जो विषयच येणार नाही तर त्या विषयावर गोषवारा देऊन चर्चा करा आणि त्यावर उराव काय ते करा. एवढ्या महत्वाच्या विषयावर गोषवारा नाही. सकाळी पण ह्या विषयावर चर्चा झाली.

**मा. उपमहापौर :-**

ताई गोषवारे गोषवारे करत आहेत तुम्ही तुम्हाला माहित आहे का अवघ्या अडीच ते तीन वर्षांच्या बोलीवरती आपण ह्या स्लममधल्या लोकांना त्या ठिकाणी कबुतरच्या कोंबड्याच्या खुराड्यासारखे ठेवले. १२ वर्ष झाले ते पत्राच्या घरात राहतात.

**निलम ढवण :-**

म्हणून साहेब प्रामाणिकपणे सांगत आहेत. विषय घेतलेला आहे. प्रामाणिकपणे बी.एस.यू.पी. च्या लोकांना तुम्ही देत आहेत ना. मग गोषवारे का नाही देत.

**मा. उपमहापौर :-**

आपण ह्या प्रधानमंत्री आवास योजनेतून त्यांना घरे देण्याचा प्रयत्न केला. त्यांचे भाडे आपण चुकवतो. त्याच्यामध्ये काही लोक आपला गैरफायदा घेत आहेत. आपल्याकडून भाडे घेतात. काही लोकांना घरे ताब्यात दिली आहेत. ती लोक त्या घरात राहत नाही. अनेक गोष्टी आहेत.

**मा. आयुक्त :-**

यांच्याकडून ६३४ सदनिका आहेत आणि विना कोला श्री. नविन पोपटलाल यांच्याकडून ५०५ सदनिका आणि एकूण ३ प्रोजेक्ट पूर्ण झालेले आहेत. विकासक आहेत. गुजराथ डेव्हलपर्स आणि त्यांच्याकडून साधारणतः १९३ सदनिका आपल्याला त्याच्यातून मिळणार आहेत. आणि दुसरे जनता को.ऑ. डेरी तो प्रोजेक्ट सुध्दा पूर्ण झालेला आहे. त्याच्यात ८६३ आहेत. सोनम बिल्डर्स यांचे एकूण फ्लॅट आहेत ८९३ हस्तांतराचे आणि ते सुध्दा प्रोजेक्ट पूर्ण झालेला आहे. आणि हे १९४९ प्रोसेसमध्ये आहे आणि उर्वरित साधारणतः टोटल १३ प्रोजेक्ट आहेत. त्याच्यामध्ये ९५४२ सदनिका आपल्याला भेटणे अपेक्षित आहे. आतापर्यंत साधारणतः २ प्रोजेक्टचे ११५३ च्या जवळपास मिळालेले आहेत. ८३७९ अजून प्रोसेसमध्ये आहेत. तर साधारणतः सुरुवातीला आपल्याला ११५३ मिळालेले आहेत आणि ह्या तीन प्रोजेक्टचे १९४९ अंतिम टप्प्यात आलेले आहेत. मिळणार आहेत आणि उर्वरित काही दिवसात अजून मिळतील. ही वस्तुस्थिती आहे. हा विषय मा. महापौरांनी घेतलेला आहे. यातील वस्तुस्थिती अशी आहे की, आपले जे

लाभार्थी आहेत जे बी.एस.यू.पी. मधले ते सुध्दा बाधितच आहेत. पी.यू.पी. मधलेच आहेत. त्यांना आपण भाडे देऊन एकत्र ठेवलेले आहे. आपले भाडे ही जाते आणि काही आपल्याकडे फ्लॅट पडून आहेत. म्हणजे आता ५०० फ्लॅट आपल्याकडे असेच पडून आहेत. तर मुद्दा असा होता की त्यामध्ये ह्या लोकांना अॅडजस्ट करायचे आणि आपले भाडे वाचेल तर तसा प्रस्ताव आपण मागच्या सभेत त्या बहिणजीने आणि ज्योत्सना हसनाळे मॅडमने मांडला होता. तो एम.एम.आर.डी.ए कडे मी पाठपुरावा केला. एम.एम.आर.डी.ए शासनाची मान्यता घेऊन ही कारवाई करावी असे आम्हाला लेखी कळविलेले आहे. त्याप्रमाणे तो प्रस्ताव अंतिम मान्यतेसाठी शासनस्तरावर प्रलंबित आहे. या जागेमध्ये बी.एस.यू.पी. च्या लाभार्थ्यांना सामावेश घेण्यासाठी.

**मा. महापौर :-**

साहेब किती वर्ष झाली पेंडींग आहे.

**मा. आयुक्त :-**

डेव्हलपमेंट बी.एस.यू.पी. हा वेगळा विषय आहे. ह्या ज्या कार्यवाही आहेत. मागच्या दिड दोन महिन्यापासूनच्या आपण चालू केलेल्या आहेत.

**रिटा शहा :-**

साहेब माझा प्रश्न होता की आपल्याकडे एवढे फ्लॅट अव्हेलेबल झालेले आहेत आणि काही लोकांचे प्रोजेक्ट संपलेले आहेत. आपल्याला त्यांच्याकडून फ्लॅट घ्यायचे आहेत.

**मा. आयुक्त :-**

असे तीन प्रोजेक्ट आहेत ते सुध्दा अंतिम टप्प्यात आहे. त्यामध्ये एम.एम.आर.डी.ए. अंतिम निर्णय घेतो आणि माझी परवाच मिटींग झाली.

**रिटा शहा :-**

एम.एम.आर.डी.ए. ची अंतिम परवानगी असते बरोबर आहे. परंतु आपल्या नगररचना विभाग एवढा का सुस्त ते फ्लॅट हॅन्ड ओव्हर करून घेण्यासाठी.

**मा. आयुक्त :-**

मॅडम याच्यात फायनल सॅक्शन एम.एम.आर.डी.ए आहे आणि यामध्ये ऑक्युपेन्सी झाल्यानंतर ते ट्रान्सफर होतात आणि तीन प्रोजेक्टची ऑक्युपेन्सी झालेली आहे. ते अंतिम ट्रान्सफरच्या स्टेजला आहे. ह्या १५ दिवसात महिन्यात हे फ्लॅट आपल्याला मिळून जातील.

**रिटा शहा :-**

१५ दिवस महिना म्हणजे काही एक तारीख असायला पाहिजे. १५ दिवस महिना म्हणजे ४ महिने

**मा. आयुक्त :-**

ताई दुसऱ्या ऑफिसमध्ये सब्जेक्टेड आहे ना.

**स्नेहा पांडे :-**

कमिशनर यह एम.एम.आर.डी.ए के फ्लॅट अभी तक.....

**रिटा शहा :-**

साहेब माझी मागणी अशी आहे आता तुम्ही बोलले सोनम बिल्डर, लोढा बिल्डर हे सर्व बिल्डरचे प्रोजेक्ट पूर्ण होण्याच्या टप्प्यावर आहेत. परंतु आपण ते फ्लॅट हॅन्ड ओव्हर करून एम.एम.आर.डी.ए कडून आपण हे का करत नाही. बी.एस.यू.पी. मध्ये आपण मला सांगा टोटल रेट आपण किती लाख किती करोडो चुकवतो. पहिला आम्हाला ती फिगर द्या. बी.एस.यू.पी. चे आपण किती पैसे चुकवतो? त्या हिशोबाने आपल्याला एवढे शक्य असे आपल्याकडे फ्लॅट पडलेले आहेत. ज्याला आपण एम.एम.आर.डी.ए. कडून हॅन्ड ओव्हर करून घेत नाही आणि लोकांचा टॅक्सरूपी पैसे आपल्याकडे जमा झालेला आहे. ते आपण रेन्ट चुकवायला हे करतो आणि बी.एस.यू.पी. चे काही असे घरे आहेत की त्यांना अशी भाडे पण परवडत नाही. त्यांना काही परवडत नाही. आपण त्यांना अजून सुध्दा रेन्ट दिलेला नाही. ह्या मॅडम सारखे तुमच्याकडे कम्प्लेंट करतात की त्यांना रेन्ट अदा झालेला नाही. आपल्याकडे एवढ्या सोयी असून सुध्दा आपण काहीच करू शकत नाही. माझा स्पष्ट आरोप आहे की जे मोठे मोठे बिल्डर आहेत. त्यांना आपल्याला हॅन्ड ओव्हर करून घ्यायचेच नाही असे मला वाटते.

**स्नेहा पांडे :-**

कमिशनर साहेब एम.एम.आर.डी.ए के फ्लॅट के लिए क्या-क्या पात्रता है और अभी तक अपने पास कुछ लिस्ट है क्या? कितने लोगो को अलाऊड हुए है।

**मिरादेवी यादव :-**

महापौर मॅडम जो अभी विषय लाया है ठराव दिया है वैसे चले जाने दो उससे हमसे लेना देना नहीं है। मगर बारबार यह जो विषय लाया है ठराव भी लाके क्या मतलब निकलेगा। खाली ठराव आया

और गया। २०१२ में घर खाली किए जब ताबे मैं उनकी जगह आया नहीं था। कलेक्टर की जगह थी उसके पहले प्रशासन को यह भी मालुम था की मेरी क्षमता नहीं है की हम यहाँ से बनाके उनको पुरा करके घर देंगे। तो पुरा घर उनको खाली नहीं करना चाहिए। खाली करके उनको १० बाय १० में घोडबंदर फेक दिए है और किसीको ३ हजार भाडा दिया है। आधे लोगो को भाडा दिया है और आधे लोग वैसे ही घुम रहे है। कमिशनर साहब आज बता रहे है की एम.एम.आर.डी.ए के फ्लैट आए है इतनी बडी सोच रखे है की उनको हम यहाँ अंदर वापीस ६ साल के बाद यही ६ साल पहिला अगर सोचके किया होता तो अजा यह गरीब जनता दरदर क्यों भटकती। गरिब के लिए हर एक सुविधा केंद्र से है राज्य से है। गरिबो के लिए सुविधाए है। आज उनको फुटबॉल की तरह इधर से उठाके उधर फेको, उधर से उठाके इधर फेको यह परिस्थिती उनकी आई है। आज प्रशासन के २१ दुकान बनके पडी है। एक नंबर बिल्डींग में एक साल उनको चाबी दे के हो गया अभी उनको दुकान का कोई भी चाबी नहीं लिया है। मैंने लेटर हरबार दिया है और बार बार इस पर चर्चा भी किया है। उनका कोई भी डिस्आईड नहीं किया जाता की २१ लोग अगर वह अपना दुकान वहाँ चालू करेंगे। उनका तो भाडा बचेगा। १९ माळा बिल्डींग में जो लोढा वाले ने दिया है। ८-८ दिन, १५-१५ दिन लिफ्ट बंद रहती है। जिसका ७०-८० साल उमर है वह १९ माळा चढ सकता है क्या? जब इनकी क्षमता नहीं थी अभी बिच में सातवे महिनो में जो ठराव लिया था की हम लोन लेंगे। आजतक लोन नहीं हुआ क्योंकि इनकी मानसिकता नहीं है। दुनिया भर में विकास हो रहा है, दुनिया भर में गार्डन दुनिया भरका विकास कर रहे है। मिरा भाईंदर शहर के अंदर सिर्फ एक बिल्डींग १-१ साल में अगर पास किया होता। १००-१०० करोड रुपया जो भी बिल्डींग को लगता है। १-१ बिल्डींग अगर पास किया होता तो ढाई हजार बाहर आज दिए है। वह अपने घर में आज रहते १-१ साल में अगर १-१ बिल्डींग तयार किया होता तो ६ साल में पुरी बिल्डींग तयार हो जाती। दो ढाई हजार जो बाहर है वह अंदर होते। आज प्रधानमंत्री आवास योजना में देने की कोई नतीजा नहीं आती। दुसरी बात जो बिच में अभी एक कोई बेच रहा है। कोई खरीद रहा है। मौका कौन दिया है उनको बेचने खरीदने का? यह मौका प्रशासन ने दिया है। आज खाली जगह में झोपडा बांध रहे है। फिर यह प्रधान मंत्री आवास योजना में अगर आएगा तो वह भी विरोधी बनके मोर्चा लेके इधर बैठेंगे। धरना धरेंगे की मेरा भी उनपर नंबर डालो। वापस नंबर डालेंगे, बचे हुए है वह घर खाली नहीं करेंगे। वह प्रशासन झाखने नहीं जा रही है। आज कितने दिन से किसीका दरवाजा तुटा है, किसी का लकडी का प्लाईवुड छोडी है। उसका कितने दिन का काम था ३ साल का अधिकारी वहाँ चलने के लिए भी राजी नहीं है। हम नगरसेवक उनका कर्जा खाए है? पगार वह ले रहे है। सर्वेक्षण हम करेंगे? गरिब जनता का सब लोग सहाय्यता करने के लिए सब लोग एक है की हम गरिबो की सेवा कर रहे है लेकिन अंदर से किसी की मानसिकता नहीं है। यह प्रशासन की कोई मानसिकता नहीं है की उनको घर देना मिला जाए। अगर इनकी चाहत होती तो आप ७० करोड रुपये यहाँ से देते तो उतने में भी जितने लोगो के खाली किए थे उनको दे सकते थे।

#### **मा. आयुक्त :-**

ह्या प्रोजेक्टमध्ये देण्यासाठी जी मान्यता लागते। ती अंतिम मान्यतेसाठी शासनाकडे प्रलंबित आहे ही प्रशासनाची वस्तुस्थिती आहे.

#### **स्नेहा पांडे :-**

लेकिन कमिशनर साहब गरिब जनता इस तरह से भटक रही है। उस योजना में इतनी देर क्यों हो रही है। पिछले भी महासभा में क्या प्रोसिजर हुआ कहाँ पे पहुँचा है।

#### **मा. आयुक्त :-**

ह्या सभागृहामध्ये मागे त्याच्यावर चर्चा झालेली आहे.

#### **स्नेहा पांडे :-**

मिरा भाईंदर शहर गरिबो के हित में विषय आते है उसमें देर क्यों होती है।

#### **मिरादेवी यादव :-**

आज भी जो बेची खरीदी हो रही है प्रशासन की मिली हुई समर्थन बनाके वह लोग जो बेच खरीद रहे है उसकी जबाबदारी प्रशासन की होगी।

#### **प्रविण पाटील :-**

महापौर मॅडम ज्या वेळेला ही योजना आली प्रधानमंत्री आवास योजना त्यावेळी आम्हाला असे सांगण्यात आले किंवा त्यांना ही सांगण्यात आले की ट्रान्झीट कॅम्प जो आहे तो अशा पध्दतीने आम्हाला दाखविण्यात आले. त्या मॅडमने पण त्या लोकांना असे सांगितले की तुमची व्यवस्था होणार आहे. ज्यावेळी तो ट्रान्झीट कॅम्प दाखवला त्यावेळी फार वेगळा होता. आणि त्यावेळेला त्यांना असे शश्वत केले त्यांच्या

माध्यमातून की ट्रान्झिट कॅम्पमध्ये तुम्हाला कुठल्याही प्रकारचा त्रास होणार नाही किंवा जी मुदत दिली २ वर्षांची, ३ वर्षांची ती मुदत ही संपून गेली म्हणजे प्रशासनाचा असा निष्काळजीपणा आणि आज ह्या मॅडम जे दुःख बोलतात आज मला सांगा मिरा भाईंदरमध्ये १७ ते १८ झोपडपट्ट्या आहेत सगळ्यांचा डी.पी.आर तयार झालेला आहे. पण अशी कुठलीही झोपडपट्टी नाही की मिरागावची परिस्थिती बघून कुठलीही झोपडपट्टी नाही. तिकडच्या लोकांची मनस्थिती नाही की आम्ही ह्या प्रधानमंत्री आवास योजनेमध्ये सहभाग घ्यावा. हा एक प्रश्न होता दुसरा प्रश्न असा की, आज तुम्ही जो प्रस्ताव आणलेला आहे. तो मुळात एम.एम.आर.डी.ए ची जी घरे आहेत. ती घरे महापालिकेला देता येतात का? एम.एम.आर.डी.ए च्या परवानगीशिवाय आता आम्ही जरी निर्णय घेतला तरी तुम्ही.....

**मा. आयुक्त :-**

आम्ही एम.एम.आर.डी.ए ला परवानगी मागितली एम.एम.आर.डी.ए ने आम्हाला असे लेखी कळविले की शासनाची मान्यता घेऊन यांना द्या.

**प्रविण पाटील :-**

शासनाच्या मान्यतेसाठी आपण पाठविलेले आहे.

**मा. आयुक्त :-**

मान्यतेसाठी आपण प्रस्ताव पाठविलेला आहे. तो तिथे अंतिम विचाराधीन आहे. ही वस्तुस्थिती आहे.

**स्नेहा पांडे :-**

आयुक्त साहेब फिर महासभा में लाने का क्या मतलब है। जब तक शासन की मान्यता नहीं हो जाती हम लोग बोलके भी क्या होगा।

**प्रविण पाटील :-**

साहेब ज्यावेळेला तो ठराव झाला तिकडचा त्यावेळेला ज्या ठरावामध्ये जे अॅग्रिमेंट त्यांच्या जोडीला झाले तर कशाला मुदतीमध्ये तुम्ही हे तयार केले नाही? त्याच्यात कोण दोषी आहे? कुठले अधिकारी दोषी आहेत? आज काय त्रास सहन करावा लागला आहे किंवा मिरा भाईंदरमध्ये झोपडपट्टीमध्ये जी लोक आहेत आता केंद्र शासन आपल्यासाठी एवढ्या मोठ्या योजना देतात. प्रशासन ते लागू करू शकत नाही. माझ्याकडेही झोपडपट्टी आहे पण मिरागावची झोपडपट्टी बघून लोकांची जी अवस्था बघून कुठलीही झोपडपट्टी पुढे येणार नाही साहेब. म्हणजे केंद्र शासनाने मोठमोठ्या योजना आणायच्या आणि प्रशासनाने त्याची अशी अवस्था करून ठेवायची.

**मा. उपमहापौर :-**

प्रविण पाटील साहेब आमचे दुःख आम्ही जाणतो. १३ नंबर आणि १४ नंबर प्रभागातले हे प्रश्न आहेत. सभागृहात काही लोकांनी वाहवा बरोबर आहे. बेंच वाजवले पण तुमच्या माहितीसाठी सांगतो की त्यांना ३ वर्षांच्या बोलीवरती आपण रुम दिले होते. लहान मुले मोठी झाली. ज्यांची लग्न झाली त्या लोकांना जावयाला आता घरी बोलवायला लाज वाटते अशी परिस्थिती आहे आणि अशा वेळेला आपल्याकडून एक पहेल होते का बंद झाले का नाही. प्रश्न विचारायचे उत्तर शोधायचे कारण नाही. बी.एस.यू.पी. योजना बंद झाली त्याच्यातून ती कामे होणार नाहीत. या सभागृहाने आदरणीय महापौरांच्या नेतृत्वाखाली हा निर्णय घेतला की आपल्याला ह्या लोकांना घरे उपलब्ध करून दिली पाहिजे आणि घरे उपलब्ध करून देताना प्रधान मंत्री आवास योजनेतून आपण ३ एफ.एस.आय मागितला शासनाकडे ते ही आपण पाठविलेला आहे. सभागृहासमोर विषय आणला त्यांना कुठेतरी त्यांच्या डोक्यावरती आसरा तयार झाला पाहिजे.

**मा. आयुक्त :-**

उपमहापौर महोदय याच्यामध्ये एक अॅड करतो, आपण पंतप्रधान आवास योजनेत हे कन्व्हर्ट करतो. उलट १.५ कोटी रुपये आपण खाजगी शासनाच्या माध्यमातून कर्ज घेऊन.

**प्रविण पाटील :-**

ज्यावेळेला ही योजना आली त्यावेळेला शासनाचे स्पष्ट डायरेक्शन होते.

**मा. आयुक्त :-**

कर्ज घेऊन आपण तसा प्रस्ताव सुध्दा महासभेच्या ठरावाप्रमाणे शासनाला सादर केलेला आहे. (सभागृहात गोंधळ)

**मा. उपमहापौर :-**

साहेब माझे मत असे आहे आपण ह्या शहरातले सर्व ह्या अशा मालमत्ता आहेत आणि आपण त्यादिवशी काही परिसरात फिरताना मा. आमदार साहेबांबरोबर आपण होतो आणि आपल्या काही जागा

आहेत. त्या आपल्या ताब्यात आलेल्या आहेत. तर त्याठिकाणी आपण काही केले पाहिजे आणि ह्या इमारतीबाबत तुम्हाला सांगायला दुःख होत आहे की आपण १४ माळ्याच्या किंवा ७ माळे पेक्षा वरच्या इमारतीत त्यांना रुम दिले पण प्रत्येक गॅलरीत १-१ पानाची गादी आहे आणि एकाने डपथमध्ये दुकान टाकलेले आहे. त्याने चुल पण गॅलरीत ठेवलेले आहेत. बर मेन्टेनन्स कोणी काढत नाही. म्हणजे सरकारने निश्चितपणे त्यांना चांगली घरे मिळावीत ही योजना केली पण त्यांच्या इमारतीत राहणा-या लोकांमध्ये मेन्टेनन्स भरण्यासाठी कारण मग तुमच्या स्टेरकेसच्या लाईटची व्यवस्था आहे. कलर्सची आहे, सफाईची आहे, ड्रेनेजची आहे, पाण्याची आहे ह्या सर्व गोष्टी त्यांनी एकत्र करू शकले नाहीत. मग त्यांना आपण एकतर एकदा ट्रेनिंग द्यायला पाहिजे होते. हे तुम्हाला करायचे आहे. आता अशा ठिकाणी राहिले मग अशा लोकांना आपण इमारतीत राहायला द्यायला पाहिजे की आपल्या ज्या रिझर्व्हेशनच्या जागा आहेत. त्याच्यातल्या काही जागांमध्ये ग्राऊंड प्लस टू रुमच्या चाळी बांधल्या पाहिजे. ज्या ठिकाणी त्यांना एवढा मेन्टेनन्सचा व्याप झोक्यावर होणार नाही. किंवा ग्राऊंड प्लस वन बनवावी. मार्केटमध्ये आपण उरवलेले होते शेड बांधली तरी मार्केट होते आणि स्लॅब टाकायचा इमारतीला १० कोटी खर्च करायचे आणि खाली भाजी विकणारे हॉकर्स बसवायचे त्याच्यापेक्षा लाऊन ते आपल्याला स्वस्तात पडते. मेन्टेनन्स स्वस्त पडते. तर ह्या चाळी बांधायच्या काही जागा ज्या अतिरिक्त आहेत त्याच्यात कोणाची दुकाने गेली तर त्यांना देखील आपल्याला तो दिलासा देता येईल आणि ह्या गोष्टी आपण करत आहोत. म्हणून तातडीने आपल्याला उपलब्ध करून देता येतील. मग अशा काही जागा असतील असे काही प्लॉट असतील त्याची ही तपासणी करावी. असे जेवढे रुम आहेत, जेवढी दुकाने आपल्याला जे-जे हस्तांतरीत करून घ्यायचे आहेत. त्याचा एक डाटा बनवा साहेब आणि शासनाकडून आपण हा प्रधानमंत्री आवास योजनेचे ३ एफ.एस.आय ची आपण मागणी केलेली आहे. ते आपण नेमके कुठे उभे आहोत त्याची माहिती घ्या कारण साहेब आपण काही लोकांच्या आयुष्याची दृढ चेष्टा करत आहोत. ते लोक अक्षरशः पावसामध्ये राहतात. त्यांचे पत्रे उडले मग आपली फायर बिग्रेडची लोक पण पत्रे कुठून आणायचे. परत त्यांचे आतमध्ये सगळ्याच गोष्टी आहेत. आता त्यांनी पण पत्राच्या बाहेर त्यांची कुटुंबे वाढली. मग त्यांनी ओटल्यावरती त्यांचे किचन बनविलेले आहे. आणि आता जेवढी जागा मिळेल तेवढी ताब्यात घेतलेली आहे. आणि हे लोक सातत्याने आमच्याकडे येऊन विचारतात. आम्हाला भाडे मिळत नाही. त्यांना आपण लाईट मोफत दिली त्यांना आपण पाणी मोफत दिले आहे.

**मिरादेवी यादव :-**

किधर लाईट मोफत द्या आहे?

**मा. उपमहापौर :-**

घोडबंदर में शिफ्टिंग है ना.....

**मिरादेवी यादव :-**

नहीं दिया है।

**मा. उपमहापौर :-**

इसपे निर्णय क्या हुआ बोलता हूँ हम लोगोने सबकुछ दिया लाईट का उन लोगोने एकही व्यक्तीने २३ रुम भाडे से दिए है। तो उसका बील हम क्यो भरेंगे और पानी २४ घंटा चालू और जिनको हमने रुम दिए है वह लोग भी तो भाडे से दिए है।

(सभागृहात गोंधळ)

**मिरादेवी यादव :-**

साहेब उनको मजबूर किसने किया है? उन्होंने घर बनाके दिया है तो अपने घरमें जाके खुद का घर उसका था जिसका आज छोटे छोटे बच्चे बडे हुए। किसीने शादीब्याह हिया १० बाय १० में उनकी बहु रहेगी की बेटी रहेगी की वह खुद रहेंगे और भाडे पे देके अपनी मर्जी से दुसरी जगह के आज जो भाडे पे दिया है दोनो जगह उनका इन्क्वायरी किया जाए। और रही बात लाईट फ्रि में नहीं दिया है। जब घर खाली करना था पब्लीक को लुभाना था तो एक साल के लिए बोले की हम प्री में करे। प्री के बाद ६-७ हजार का बील उनके घर भेजा था।

**ज्योत्सना हसनाळे :-**

महापौर मॅडम यांच्या अनुभवातून गेलेले आहेत. त्या अनुभवातून बोलत आहेत आणि तो अनुभव मलाही आलेला आहे. उपमहापौरांना सुध्दा आलेला आहे. परंतु आपण आता कुठेतरी निर्णयाला पोहचत आहोत. यासाठी आपण हा जो आता निर्णय घेत आहोत की एम.एम.आर.डी.ए कडून त्यांना सदनिका द्यायच्या आहेत. तर ह्या निर्णयाबद्दल आपण बोलले तर बरे होईल. ह्या घटना झालेल्या आहेत आणि त्या घटनांना ते लोक फेस करत आहेत. त्या घटना बदल आता बोलून चालणार नाही. आता आपल्याला ह्या

विषयावरती काय करता येईल मा. महापौर मॅडम या विषयावरती आपल्याला काय करता येईल यासाठी आपण आता निर्णय घेऊ या की त्यांना खरोखरच एम.एम.आर.डी.ए ची घरे द्यायची की आता आपल्याकडे ताब्यात असलेली घरे आणि त्यामधील लोकसंख्या तेवढी सगळी लोक त्यामध्ये बसणार आहेत का? तेवढी घरे तुमच्याकडे आहेत का? जेवढी चेक दिलेली घरे आहेत किंवा शिफटींगची स्थलांतरीत आहेत ती घरे तेवढी सगळ्यांना भेटणार आहेत का? नाहीतर तिथेही प्रश्न उपस्थित होईल की आम्हाला घरे मिळाली आम्हाला घरे मिळाली नाही आणि त्या गोष्टीला मला आणि मिरादेवीला आणि सचिन, सुजाताला सामोरे जावे लागेल. नगरसेविका म्हणून माझा हा प्रश्न आहे की त्यांना सगळ्यांना आपण समाविष्ट करून घेणार आहेत का? त्या सगळ्यांना घरे मिळणार आहेत का? आणि जर तसे होणार असेल तरच मग आपल्याला ह्या विषयावरती हात घालायला बरा.

**रिटा शहा :-**

माझी एक क्वेरी आहे की एम.एम.आर.डी.ए च्याबद्दल आपण त्या सदनिकांसाठी आपण भांडत आहोत. पण एम.एम.आर.डी. कडून रेंटच्या हिशोबाने आपल्याला ज्या सदनिका भेटणार आहेत. जे-जे विकासक आहेत. त्यांचे काम आपण बोलले काही लोकांचे पूर्णतः याच्यावर आलेले आहे. त्यांना तुम्ही सी.सी., ओ.सी. दिलेली आहे. पाणी कनेक्शन दिलेले आहे. त्यांची आकारणी झालेली आहेत का त्या लोकांची.....

**मा. आयुक्त :-**

मॅडम मी आपल्याला सांगितले ह्यामध्ये १३ प्रोजेक्ट आहेत. त्यापैकी २ प्रोजेक्टचे आपल्याला सदनिका मिळालेल्या आहेत. ३ चे भोगवटा दाखला दिलेला आहे.

**रिटा शहा :-**

साहेब भोगवटा दाखला देऊन झालेला आहे. पाणी कनेक्शनला आकारणी झालेली आहे. मग हे आपल्याला प्लॅट आधी कशाला देणार आहेत.

**मा. आयुक्त :-**

एम.एम.आर.डी.ए आपल्याला देणार.

**रिटा शहा :-**

एम.एम.आर.डी.ए. ला पण ते कशाला देणार?

**मा. आयुक्त :-**

एम.एम.आर.डी.ए. आपल्याला देणार. आपण डायरेक्टर विकासकाकडून घेत नाही. आपण एम.एम.आर.डी.ए. कडून घेतो आणि एम.एम.आर.डी.ए. ला माझ्या दोन बैठका झाल्या. परवा १४ तारखेला सुध्दा मी गेलो. हे तिन्ही प्रस्ताव जे आहेत यामध्ये गुजराथ रिलेटर्स, जनता डेरी को. ऑपरेटिव्ह सोसायटी आणि सोनम बिल्डर्स यांचे सदनिका हस्तांतर करण्याबद्दल मी त्यांना आग्रही आहे आणि त्यांना लेखी दिलेले आहे. थोड्या दिवसात आपल्याला ह्या सदनिका भेटू शकतील.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

साहेब मला माहिती द्या की, ह्या तिघांनी एम.एम.आर.डी.ए. ला हस्तांतरण केलेले आहे का?

**मा. आयुक्त :-**

हे प्रोसेसमध्ये आहे.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

साहेब तुम्ही आता काय बोलले की तिन्ही जे विकासक आहेत त्या तिघांनी ओ.सी. घेऊन एम.एम.आर.डी.ए. ला प्लॅट हस्तांतरण केलेले आहेत आणि आपली त्यांच्याकडे प्रोसेस चालू आहे की, जे ५० टक्के सदनिका आपल्या पालिकेला मिळणार आहेत त्याची प्रोसेस आपली चालू आहे. परत मी आपल्याला एक प्रश्न विचारला की साहेब ह्या विकासकांनी एम.एम.आर.डी.ए. ला सदनिका दिल्या आहेत की नाही. परत आपण एक स्टेटमेंट चेंज केले की, अजून ह्या लोकांनी एम.एम.आर.डी.ए. ला हस्तांतरण केले नाही. आमचा विषय एवढा आहे की, एम.एम.आर.डी.ए. ला हस्तांतरण केले नाही मग आपला ५० टक्के चा जो हिस्सा यायचा आहे तो आपण त्यांच्याकडून कसे मागू शकतो नंबर वन. दुसरा विषय असा आहे साहेब आपण ओ.सी. दिलेली आहे. एम.एम.आर.डी.ए. च्या बिल्डींगला सुध्दा ओ.सी. दिलेली आहे आणि हा विषय वारंवार मला वाटते दुसऱ्यांदा किंवा तिसऱ्यांदा महासभेमध्ये येत आहे की, ज्या विकासकाला आपण ओ.सी. दिलेली आहे. एम.एम.आर.डी.ए. च्या बिल्डींगला सुध्दा ओ.सी. दिलेली आहे. मग ते विकासक एम.एम.आर.डी.ए. ला सदनिका हस्तांतरण का करत नाही. ह्या विषयावर आपण का सिरियस नाही. आमचा विषय एवढाच आहे की मिरादेवी यादव आणि ज्योत्सना मॅडम ते वारंवार.....



## ज्योत्सना हसनाळे :-

आम्ही वारंवार चर्चा करतो याच्यासाठीच ना.....

## सुरेश खंडेलवाल :-

आता सर बोलत आहेत विषय मिक्स होत आहे. आपला विषय काय होता आणि आपण कुठे घेऊन गेलो. आमचा विषय एकच आहे महापौर मॅडम, मिरादेवी यादव जे बोलत आहेत ते वारंवार त्यांची खंत आपण महासभेमध्ये ऐकत असतो की, बी.एस.यू.पी. वाल्यांना आपण घरे दिलेली नाहीत. आता माझे म्हणणे असे आहे की एक बिल्डींग जी रेडी आहे त्याच्यामध्ये ३०० फ्लॅट आहेत. माझा असा सुझाव आहे की ऑलरेडी एक बिल्डींग जी रेडी आहे. त्याच्यामध्ये ३०० फ्लॅट आहेत. त्याला फक्त इंटरनल प्लास्टर आणि बाहेरचे प्लास्टर किंवा छोटे मोठे जे काम बाकी आहे त्याच्यासाठी पण आपण थोडेसे लक्ष घाला. ३०० फ्लॅट आपण त्या लोकांना देऊ शकतो. दुसरी गोष्ट अशी आहे ह्या तीन विकासकांकडून आपल्याला जे फ्लॅट घ्यायचे आहेत म्हणजे आपल्याला येणार आहेत. एम.एम.आर.डी.ए. कडून तुम्ही विकासकाला का प्रेशर करत नाही की त्यांनी लवकरात लवकर फ्लॅट आपण ओ.सी. दिलेली आहे. एक वर्ष झाले साहेब ह्या विषयावर मी का बोललो आहे त्याला एक वर्ष झालेले आहे. एम.एम.आर.डी.ए. च्या बिल्डींगला ओ.सी. देऊन सुध्दा अजून त्या लोकांनी एम.एम.आर.डी.ए. ला फ्लॅट दिले नाहीत. त्यांना दिले नाही तर ते आपल्याला कसे देणार फ्लॅट. महासभेला थोडे डिटेल्स द्या आपण कधी ओ.सी. दिली.

(सभागृहात गोंधळ)

## सुरेश खंडेलवाल :-

साहेब तिन्ही विकासकांनी कोणाला आपण एम.एम.आर.डी.ए. ची ओ.सी. दिलेली आहे. कोणाला आपण कधी ओ.सी. दिलेली आहे त्याची जरा माहिती द्या.

## मा. आयुक्त :-

महापौर महोदय यामध्ये प्रोजेक्टमध्ये ५० टक्के फ्लॅट आपल्याला आणि ५० टक्के फ्लॅट एम.एम.आर.डी.ए. ला असा त्याचा रेश्यु आहे आणि शेवटचे फ्लॅट आपल्या ताब्यात आल्यानंतर त्यांना शेवटचा पॉईंट २.५ एफ.एस.आय आपण रिलीज करतो. ह्या तिन्ही प्रोजेक्टमध्ये फ्लॅट आपल्याकडे न आल्यामुळे आपण त्यांना शेवटचा एफ.एस.आय. रिलीज केला नाही. तुमच्या माहितीसाठी सांगतो मुद्दा एक आहे हे जे दोन प्रोजेक्ट मधले फ्लॅट आले त्यात ५० टक्के देणे अपेक्षित होते. साधारण ६०० फ्लॅट आपल्याला येणे अपेक्षित होते. एम.एम.आर.डी.ए. ने १०० टक्के फ्लॅट आपल्या ताब्यात दिलेले आहेत. त्याचे कारण असे आहे पूर्वीच्या दोन प्रोजेक्टमध्ये एखाद्या बिल्डींगमध्ये दोन ऑथोरिटीचे नियंत्रण राहण्यापेक्षा एकच ऑथोरिटीचे नियंत्रण रहावे. पुढचे त्यांचे मेन्टेनन्स ऑपरेशन सुरळीत व्हावे. हा एम.एम.आर.डी.ए चा उद्देश आहे. आता ह्यामध्ये आपल्याला जे १९४९ ह्या तीन विकासकामध्ये येणा-या आहेत. तर याच्यात ऑलरेडी आपल्याला पहिल्या विकासकाच्या दोन मध्ये ५० टक्के जास्तीचे त्यांनी दिलेले आहेत. तर कदाचित यामध्ये ३ बिल्डींगपैकी एकाच्याच बिल्डींगमध्ये ५० टक्के देतील राहिलेले ५० टक्के ते मायनस करून घेतील. आणि ते शेवटच्या टप्प्यात आहे आणि त्यांचा जो बेनिफीट द्यायचा आहे. आपण ते राखून ठेवलेले आहे.

## रिटा शहा :-

साहेब ते बरोबर आहे. ते एम.एम.आर.डी.ए. कडून आपल्याला भेटणार तेव्हा आपण घेऊ. परंतु जे फ्लॅट द्यायचे एम.एम.आर.डी.ए. कडे रेन्ट द्यायचे तुमचा २.५ चा जो रेश्यु आहे त्याच्यामध्ये काहीतरी अवधी असेल ना. टाईम बाऊंड असेल ना की, एवढ्या वेळात तर ते टाईम बाऊंड किती आहे. ते टाईम बाऊंड किती आहे ते किती वेळात याच्यामध्ये त्यांनी ते इनवर्ड करायला पाहिजे. एम.एम.आर.डी.ए. ला उद्या २.५ करायचेच नाही. बाजूला ठेऊन द्यायचे १० वर्ष बाजूलाच ठेवायचे असेल त्याला काही टाईम बाऊंड असेल ना.

## जुबेर इनामदार :-

गोषवारा दिला असता तर हे सगळ झाले नसते. किती वाईट परिस्थिती आहे महापौर ताईची. महापौरांनी घेतलेला विषय.

(सभागृहात गोंधळ)

## रिटा शहा :-

मॅडम मी एवढा सिरियस प्रश्न विचारलेले आहे की, एम.एम.आर.डी.ए. चा रेंटल आहे ते हॅन्ड ओव्हर करण्याचा अवधी किती एका वर्षात, दोन वर्षात, १० वर्षात किती वर्षात?

**गिता जैन :-**

साहेब आपला हे द्यायचा एक अवधी असतो. एक प्रोजेक्ट आपल्याला पूर्ण करायचा. ते तुम्ही इथे डेटव्हाईज का दिले नाही. म्हणजे काय होते एकतर चावी भरलेले खिलोने बोलतात त्यात डोके चालत नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**ज्योत्सना हसनाळे :-**

मॅडम आपण शब्द मागे घ्या. आम्हाला कोणी चावी मारलेली नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

गिताजी आपका जो विषय है आप उसपे ही बोलिए।

(सभागृहात गोंधळ)

**रोहिदास पाटील :-**

पहिल्यांदा आयुक्त साहेबांचे सभागृह नेता म्हणून स्वागत करतो. तुम्ही फार अनुभवी आहात. तुमच्या अनुभवाची आम्हाला आवश्यकता आहेत. त्याचे आम्ही स्वागत करणार. आयुक्त साहेब हे सभागृह म्हणजे मस्करीचा खेळ चालला आहे. चावळी चालली आहे काय चालले आहे.

**मा. आयुक्त :-**

सभागृहनेतेजी मला सुध्दा हाच प्रश्न पडलेला आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

तुमची अशी भुमिका आहे का की, दोरी फेकली की साप समजतात आणि कोणी मारायला धावते, कोणी पळत सुटतो. ह्या विषयाच्या आजच्या कामकाजाला.....

**मा. आयुक्त :-**

ती सभागृहनेत्यांची जबाबदारी असते.

**रोहिदास पाटील :-**

तुमचे हे सगळे जर खरोखरच गोषवारे आले असते तर एवढा वेळ गेला नसता. यापैकी कोणाचे ही कोणी खेळवले नाही. काही नाही ज्याच्या परीने आपल्या अकलेने आपली बाजू मांडतो हे कोणी सुपारीचे लोक नाहीत. पण एक नक्की आहे की ज्याच्यामुळे कुठेतरी बिघडत आहे याच्यावर आपण सिरियस होत नाहीत साहेब आपण सिरियस होत नाही. चालले आहे तसे चालू द्या आमची अपेक्षा आहे आणि तुमच्यासाठी बोलत आहोत तुम्हाला ऐकायला लागेल. ते कठोर आहे पण तुम्हाला ऐकावे लागेल. तुम्ही पण असे एकाएकी आलेले आयुक्त नाहीत. मोठे तुमचे सेवेत योगदान आहे. त्याच्यापेक्षा ह्या शहराशी तुमचे नाते आहे. ज्या शहरात कोणता पॉलिटिकल लिडर किंवा कोणता विकासक किंवा जो शहरात कुठेतरी असंतोष निर्माण करू शकेल अशाही माणसांची नाडी परिक्षा तुम्हाला आहे. आता वेळ द्या ना साहेब आल्यानंतर पहिल्या महिन्यात, दुसऱ्या महिन्यात ठिक आहे. तुमची भुमिका आमच्या मॅडम म्हणतात सुपर आहेत, शांत आहेत. सगळ्यांचे ऐकून घेतात त्यांच्या परिने ते संधी देतात. पण आपण किती त्याचा फायदा घ्यायचा. एकाही अधिकाऱ्याला तुम्ही कोणाला असे विचारत नाही किंवा चिमटा काढत नाही. त्यांना भिती वाटत नाही. बघा साहेब महापौरांनी तुम्हाला विषय दिल्यानंतर गोषवारा द्यायला लागेल याची तुम्हाला काही कल्पनाच नाही का त्यांना तुम्हालाही बोलू देत त्यांनाही कल्पना नाही का? त्यांना मी का नाही विचारले असे व्हायला नाही पाहिजे. आपणच फक्त ह्या बंदिस्त सभागृहात बोलत असतो. तर साहेब गोष्ट वेगळी याची आपल्याला भिती राहिलेली नाही की, आपल्या मागे कोण आहेत. त्या जनतेची आपण कदर करत नाही. त्या पत्रकारांची आपण कदर करत नाही असे आजचे चित्र सभागृहाचे कामकाज चालले आहे. आम्हाला ह्या वयात शोभत नाही. साहेब ते सहन पण होत नाही. उगाच तोल घालवायची पाळी आणू नका आमच्यावर. आमची विनंती आहे प्रशासनाला विनंती आहे, सभागृहाला विनंती आहे. आपण ह्या शहरातले मान्यवर लोक आहेत ह्या शहराची शान वाढवायची प्रत्येकाची जबाबदारी आहे आणि प्रत्येक सभागृहातला सदस्य लायक आहे. कोणाची ऊंची मोजू नका, रंग मोजू नका, शिक्षण मोजू नका. संपत्ती तर बिलकुल मोजू नका किंवा सभागृह कधी चालत नाही. संपत्तीने राज्य पण चालत नाही. राज्य चालते ते आचरणावर चालते. आपण रामराज्याचे सेवक आहोत. आपण त्या पध्दतीनेच वागले पाहिजे. आपल्या बोलण्यात, चालण्यात कोणाला संशय येता कामा नये की आम्हाला कोणी सुपारी दिली किंवा आम्ही कोणाची सुपारी घेत नाही. साहेब त्याच्यावर ही कोणीतरी असेल. तुम्हीही कोणाची सुपारी घेऊन काम करता असेही चित्र होता कामा नये.

### मा. आयुक्त :-

मुद्दा असा आहे की मी ह्याच पाईकचा सेवक आहेत. याच्यात कुठलेही दुमत नाही आणि कुठल्याही गोष्टीचा समज गैरसमज करण्याचे ह्या डायसवरून किंवा तुमच्या २९ वर्षांच्या कामकाजात नाही. मुद्दा एक आहे आतापर्यंतच्या आपल्या कामकाजाच्या पध्दतीने आजच्या पध्दतीत काकांना जे वाटले तेही मला वाटते. आपल्याकडे ज्या प्रथा आहे की १०० टक्के गोषवा-याने कामकाज १०० टक्के होईल. आम्हाला काय आहे त्याच्यामध्ये कुठल्याच त्याच्यात कमतरता आमच्यात नाही. मी हे आपल्याला आश्वासित करू इच्छितो पण जे नियमात आहे तेच आम्ही देणार. जे नाही ते आम्ही देऊ शकणार नाही.

### जुबेर इनामदार :-

आयुक्त महोदय ह्याच मंचावर आय.ए.एस. अधिकारी येऊन बसलेले आहेत. विक्रम कुमार साहेब होते, सुरेश काकाणी होते, गिते साहेब होते. ह्याच व्यासपिठावर अच्युत हांगे साहेब विराजमान होते. त्यांनीही आयुक्त पद सांभाळले. तत्कालीन आयुक्त होते मिरा भाईंदर महापालिकेचे आयुक्त अच्युत हांगे साहेबांनी इथे स्पष्ट भूमिका मांडली होती की ह्या व्यासपिठावर मर्दासारखे बोलले ज्या विषयाचा गोषवारा नाही त्या विषयावर आम्ही तुम्हाला उत्तर देणार नाही. साहेब तुम्ही का देत नाही.

### मा. आयुक्त :-

विषय असा आहे तुम्ही प्रश्न विचारत आहोत त्याच्यामुळे उत्तर.....

### जुबेर इनामदार :-

मी आज तयारी केलेली नाही. तुम्हाला गोषवारा सहीत मी तुमच्या समोर येईल.

### मा. आयुक्त :-

मध्येच दुसरे मुद्दे आले होते त्याचे उत्तर आपण दिले.

### गिता जैन :-

साहेब एक्झॅक्टली मी सांगते त्यांच्याशी मी सहमत आहे. तुमची तयारी नाही तुम्ही त्यांना जवाब देऊ शकले नाही की कुठल्या विकासकाला किती मुदत अजून बाकी आहे. सदनिका हॅन्ड ओव्हर करायला तुम्ही त्यांना हे उत्तर देऊ शकले नाही की ते हॅन्ड ओव्हर तुम्हाला करायचे नसते. ते एम.एम.आर.डी.ए ला करायचे असते.

### मा. आयुक्त :-

कोण म्हणाले आम्ही तेच उत्तर दिलेले आहे. आम्ही उत्तर देऊ शकलो नाही असा कुठलाच मुद्दा नाही. सगळ्या प्रश्नांची उत्तरे दिलेली आहेत.

### प्रभात पाटील :-

एका विषयावर मी बोलते मॅडम वारंवार बोलतात कोणाला चाबी दिलेली आहे. मगाशी तेथुन कोणी तरी काही बोलले की तुम्ही पढवून आणले आहे असे आता बोलतात की तेवढे ज्ञान नाही ह्या ज्ञान काढायला आलेले आहेत का इथे. प्रत्येकाला अधिकार आहे सभागृहात बोलायचा. प्रत्येकाला अधिकार आहे आपआपल्या ज्ञानाने बोलेल त्याचे ज्ञान अज्ञान असेल तरी चालेल. त्याला बोलायचे राईट्स आहेत आणि तो बोलेल आणि मॅडम तुम्ही जाण उघडी ठेवा. प्रत्येक जण काय बोलते तुमच्या सदस्यांना बोललेले तुम्ही खपवून घेऊ नका. माझी तुम्हाला स्पष्ट विनंती आहे प्रत्येक जण इथे पोटतिडकीने बोलतो. त्याच्यामुळे तुम्ही प्रत्येक जण ऐका ते काय बोलतात आणि विशेष म्हणजे मला बोलायला शरम वाटते की एक महिला दुस-या महिलेचे निदान करते. हे अतिशय वाईट प्रकारचे इथे पडलेले आहे.

### ज्योत्सना हसनाळे :-

महापौर मॅडम आम्ही पण इतकी वर्ष झाले ह्या सभेमध्ये ह्या सभागृहामध्ये काम करत आहोत. पण अशा पध्दतीने वक्तव्य कोणी वापरलेले नाही. आमचा अधिकार आहे आमचा हा बी.एस.यू.पी. विषय आमच्या प्रभागातला आहे. आम्हाला पूर्ण अधिकार आहे. आम्हाला कोणीही रोखू शकत नाही आणि त्या व्यक्तिगत असलेले विषय त्या विषयावरती असलेले प्रश्न विचारण्याचा अधिकार आयुक्तांना आम्हाला आहे. पण अशा पध्दतीने वक्तव्य कोणी करत असेल तर त्यांची अतिशय चुकीचे वक्तव्य केलेले आहे.

### गिता जैन :-

साहेब दुस-या विकासकाचे मला माहित नाही. पण सोनम बिल्डर कारण ते माझे पती आहेत. म्हणून मी तुम्हाला ते क्लेरीफिकेशन देऊ शकते. साहेब २०१३ पासून २०१५ पर्यंत एम.एम.आर.डी.ए चे लेटर होते की तुम्ही प्लीज नंतर काम करू नका. कारण त्यांना ते नविन.....

### मा. आयुक्त :-

मॅडम कसे आहे इन पावर ऑफ नगरसेवक आपण बोलले पाहिजे विकासक इथे बोलणे अपेक्षित नाही. सोनम बिल्डर म्हणून आपण इथे बोलू शकत नाही. तुम्ही नगरसेवक म्हणून माहिती द्या.

## सुरेश खंडेलवाल :-

आम्ही तिन्ही विकासकांची माहिती आपल्याकडून अपेक्षित होती. आम्ही पार्टीक्युलर कोणाला बोललो नाही. पर्सनली त्यांना खुलासा करायची काही गरज नाही.

## गिता जैन :-

मी पर्सनली बोलत नाही. साहेब मी परत विनंती करते. बी.एस.यू.पी ना घर मिळाली पाहिजे आणि तुम्ही पांगळ साहेबांना बोलवून परत ते इन्क्वायरी करून घ्या. कारण दोन प्रोजेक्टमध्ये आपण १०० टक्के एम.एम.आर.डी.ए चे घेतलेले आहे. आता हे मी नगरसेवक म्हणून बोलत आहे. साहेब दोन प्रोजेक्टमध्ये आपण १०० टक्के एम.एम.आर.डी.ए कडून घेतले आहे. तर तुमची जर ती काऊंटींग असेल की आपल्याला दुसरी सदनिकामध्ये पण ५० टक्के भेटणार तर कुठेतरी ते चुक होणार होत असेल ते त्यांना जास्त डिटेल्स माहित आहे. तुम्ही त्यांच्याकडून घ्या. दुसरे आता जर हे विषय येत आहेत तर त्या-त्या विकासकाला बोलवून त्यांचा टाईम लिमिट विचारा साहेब त्यांना कधी हॅन्ड ओव्हर करायचे आहे काय आहे. हे सगळ तुम्ही जर गोषवा-यात दिले तर आम्हाला हे सर्व करायची गरजच नाही. म्हणजे तुम्ही तो पूर्ण विषय द्या. म्हणजे आम्हाला ही उठून बोलायची गरज नाही. त्यांनाही उठून बोलायची गरज नाही. पण विषय तुम्ही जर पूर्ण दिला तर आमची चर्चा पण चांगली होणार. टाऊन प्लानिंगने तसे उत्तर द्या.

## रिटा शाह :-

मॅडम मी प्रश्न विचारला होता की त्यांचा टाईम अवधी किती आहे. त्या अवधीचे उत्तर द्या. मग संपले मॅटर साहेब एम.एम.आर.डी.ए ला किती अवधीमध्ये हॅन्ड ओव्हर करायला पाहिजे?

## नगररचनाकार :-

मा. महापौर महोदय रेग्युलर बिल्डींग परमिशन ज्याप्रमाणे बिल्डींग परमिशनचा पिरेड असतो. सुरुवातीचे एक वर्ष एकस्टेन्शन ३ वर्ष असेच असते. परंतु रेन्टल स्किम जी आहे ती एम.एम.आर.डी.ए मार्फत राबविली जाते आणि एम.एम.आर.डी.ए प्रत्येक स्टेजला एफ.एस.आय. रिलीज करण्याबाबत पत्र देत असतो आणि त्या पत्रानंतरच आपण त्याचा पुढचा एफ.एस.आय रिलीज करत असतो.

## रिटा शाह :-

साहेब तुम्ही शेवटच्या २.५ ला रिलिव्ह करत नाही तोपर्यंत दोषी करत नाही. परंतु त्या ज्या बिल्डींग रेंटलच्या आहेत त्यांना एक टाईम बाऊंड असेल ना की किती याच्यामध्ये रेंट हॅन्ड ओव्हर करायचे.

## नगररचनाकार :-

हॅन्ड ओव्हर करण्यासाठीच ते रिलीज करायला एफ.एस.आय. दिलेला आहे. त्यामध्ये ४ एफ.एस.आय आहेत त्यामध्ये रेंटलचा एक आणि फ्री सेंसर तीन पहिल्यांदा १-१ रिलीज केला जातो. त्यानंतर रेंटलची प्लॅन पूर्ण झाल्यानंतर त्याचा पॉईंट फाईव्ह केला जातो. त्याचा ५० टक्के बिल्टअप एरिया झाल्यावर पॉईंट फाईव्ह केला जातो. ७५ टक्के ऑफ रेंटलचा पूर्ण केल्यावर पॉईंट ३५ केला जातो. आणि शेवटचा १०० टक्के केल्यावर पॉईंट ४ आणि शेवटचा जो पॉईंट २५ आहे तो रेंटलचा स्कीमची २५ टक्के जागा हॅन्ड ओव्हर केली आणि पूर्ण बांधकाम एम.एम.आर.डी.ए ला हॅन्ड ओव्हर केल्यानंतरच शेवटचा पॉईंट २५ रिलीज केला जातो.

## रिटा शाह :-

साहेब शेवटचा जो हा टप्पा आहे फक्त तुम्ही तेच आणू शकतात. आता ते अडवू शकतात किंवा आपण अडवू शकतो. याच्या अगोदर आपण त्यांना ओ.सी. दिली. सी.सी. दिली, पाणी कनेक्शन दिले त्यांचे सर्व झाले आणि समजा त्यांनी ५ वर्ष, १० वर्ष रेंट एम.एम.आर.डी.ए कडे प्रस्ताव टाकला नाही आणि हॅन्ड ओव्हर करून घेतला नाही. मग काय करायचे त्याच्यामध्ये आपल्याकडे काही उपाययोजना आहे का?

## नगररचनाकार :-

ह्या पूर्ण स्किमवर एम.एम.आर.डी.ए चे कंट्रोल आहे आणि एम.एम.आर.डी.ए. मार्फत त्याचे नियंत्रण केले जाते.

## मा. आयुक्त :-

सभागृहाने आता निर्णय घेतलेला आहे. गोषवारे नाहीत. तिथे उत्तरे द्यायचे नाहीत.

## निलम ढवण :-

उत्तरे देऊ नका फक्त ह्या विषयावर आता जे बी.एस.यू.पी. चा गंभीर विषय इथे चर्चेला गेला त्यांच्या भावना किंवा त्यांचे विषय अगदी योग्य होता. परंतु ही वेळ का आली आयुक्त.....

(सभागृहात गोंधळ)

### निलम ढवण :-

या विषयाचा मागचा उद्देश मला एकच सांगायचे आहे की हे सर्व घडत असताना हा विषय वारंवार आपल्यासमोर येणार आहेत कारण वेळोवेळी अनधिकृत बांधकामे चाळीच्या चाळी तिथे बांधल्या जातात. चाळी बांधल्या गेल्यामुळे हे प्रश्न निर्माण होतात. ह्या चाळीच्या चाळी बांधणे जरा बंद करा.

### मा. आयुक्त :-

ताई याच्या पुढच्या सभेमध्ये सविस्तर गोषवारा आम्ही देऊ.

### धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम ह्या सभेमध्ये ह्या विषयावरती काही अपरिहार्य शब्द काढले होते. सन्मा. गिता जैन मॅडम यांनी ते शब्द जरा वगळून टाकावे अशी माझी तुम्हाला विनंती आहे. दुसरी गोष्ट आयुक्त साहेब ह्या बी.एस.यू.पी. योजनेमध्ये भरपूर डिले झालेले आहे. जसे वैती साहेब बोलले ज्योत्सना मॅडम बोलल्या, प्रविण पाटील बोलले सर्व सदस्यांनी आपआपल्या व्यथा मांडल्या साहेब भरपूर डिले झालेले आहे.

### मा. आयुक्त :-

आपण आल्यानंतर त्याला फुल गती दिली तुम्ही हे मान्य करा ना.

### धृवकिशोर पाटील :-

बी.एस.यू.पी ची घरे आपल्याला मिळालेली आहेत आणि जी मिळणार आहेत आणि आपण जे बी.एस.यू.पी योजनेच्या लाभार्थ्यांना जे भाडे देत आहोत आणि महापालिकेचे नुकसान होत आहे आणि हे नुकसान भरून काढण्याकरिता या योजनेतील लोकांना ती घरे मिळण्याकरिता एम.एम.आर.डी.ए ची जी घरे आपण ताब्यात घेतलेली आहेत आणि ज्या विकासकाला आपण एम.एम.आर.डी.ए साठी परवानगी दिलेली आहे त्याच्यामध्ये काही लोकांच्या याच्यात त्रुटी समजा आता काही खंडेलवालजी बोलले काही ओ.सी. दिलेल्या आहेत. परंतु तुम्ही त्यांच्याकडे हॅन्ड ओव्हर फ्लॅट घेतले नाहीत. तर असे विकासक साहेब शोधून काढा आणि याची सखोल चौकशी करून जर समजा मी जरी विकासक असलो तरी मला तुम्ही शिक्षा दिली पाहिजे असे माझे ठाम मत आहे आणि येणाऱ्या सभेमध्ये आपण ह्या विषयावरती सविस्तर गोषवारा म्हणजे किती लोकांना आपण परवानगी दिली आणि किती बिल्डर किती डेव्हलपर्स म्हणजे फॉल्टमध्ये आहेत त्यांची पण तुम्ही नावे शोधून काढा आणि ह्या लाभार्थ्यांना लवकरात लवकरत घर कस मिळेल आणि पुढील महासभेमध्ये योग्य तो गोषवारा देऊन हा विषय मॅडम आपण पुढच्या सभेत घ्यावा अशी मी तुम्हाला विनंती करतो.

### स्नेहा पांडे :-

कमिशनर साहब मॅने आपसे प्रश्न किया था एम.एम.आर.डी.ए के फ्लॅट के लाभार्थी पात्रता क्या है और मिरा भाईदर में कितने लोग है आपके पास कुछ यादी है क्या? आपने बोला था जवाब देता हूँ। एक घंटे से इतनी चर्चा हो रही है।

### मा. आयुक्त :-

एम.एम.आर.डी.ए के जो मकान है जो प्रोजेक्ट अफेक्टेड होते है अपना जो वार्डिंग होता है या धोकादायक बिल्डिंग होती है। पर्टिक्युलर धोकादायक के लिए है। तर आपल्याकडे आतापर्यंत ६३२ लोकांना आपण दिलेले आहेत आणि अजून आपल्याकडे ५०१ घरे शिल्लक आहेत.

### स्नेहा पांडे :-

क्या बेस से उनको देते है।

### मा. आयुक्त :-

भाडे से देते है।

### स्नेहा पांडे :-

कमिशनर साहब बी.एस.यू.पी योजना पे डिस्कस हुआ है। मेरी आपसे विनंती है की वहाँ रहने वाले ट्रान्झीट कॅम्प में गरीब लोगो की जो अवस्था है। देखके दिल भर आता है। उसको बहुत जल्दी कोशिश किजिए। प्रधानमंत्री आवास योजना में उनको घर दिया जाए या उनको जहाँ भी शिफ्ट किया जा रहा है पुरी व्यवस्था के साथ शिफ्ट किया जाए। यही विनंती है।

(सदरचा विषय तहकुब करण्यात आला.)

### नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १०९, पुर्नविनियोजन करणेबाबत.

### मा. उपमहापौर :-

पहिला याच्यात गोषवारा सादर होऊ द्या.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

गोषवा-यानंतर विषय घ्या.

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ११०, **माहितीच्या अधिकारांतर्गत महानगरपालिकेस प्राप्त होणाऱ्या अर्जांची माहिती घेऊन त्यावर विचार विनिमय करून निर्णय घेणे.**

**मा. उपमहापौर :-**

सभागृहाच्या माहितीसाठी ह्या विषयामध्ये ह्या विषयाचा एवढा दुरुपयोग ह्या मिरा भाईंदर शहरात चाललेला आहे की गेल्या काही वर्षात इथून घेतलेल्या माहितीची माहिती मी घेतली. एक माणसाकडे १ हजार ६९ माहिती त्यांनी मागितली मग अधिकाऱ्याचा पगार किती, पदोन्नत्या किती झाल्या, आधी कुठे होता त्याचा अॅड्रेस, किती त्याने फ्लॅट कुठे घेतला. नविन मालमत्ता काय वसई, पालघर, भिवंडी पासून ते बॅंग्ळोरपर्यंतच्या अॅड्रेसवरून राजस्थानहून जोधपूरहून आपल्याकडे माहितीच्या अधिकाराचा वापर केलेला आहे. एक एक जण अशा मोठमोठ्या हुशाऱ्या करणारे लोकांचे १००-१००, १५०-१५० आर.टी.आय. आहेत. ह्या लोकांची सर्व चौकशी झाली पाहिजे. ह्या माहितीच्या अधिकाराचा काय उपयोग केला पुढील सभेत आपण विषय तुमच्याही सुचनांसह या आणि पोलिसांपर्यंत विषय गेले पाहिजे. कारण काय चालले आहे. कॉन्ट्रॅक्टरच्या बिलाची चौकशी, बांधकामांची चौकशी नगररचना मधली चौकशी १०६९ माहिती एक माणसाच्या नावावर आहे अशी खूप लोक आहेत. प्रशासनाने पुढे गोषवारा द्यावा.

**जुबेर इनामदार :-**

प्रशासन गोषवारा देऊ शकेल का? ह्या विषयावर देता येईल का?

**गिता जैन :-**

साहेब तुम्ही गोषवारा देणार का?

(सदरचा विषय तहकुब करण्यात आला.)

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १११, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजने अंतर्गत वाटप करण्यात आलेल्या सदनिका कायम स्वरूपी हस्तांतरीत करणेबाबत

**प्रभात पाटील :-**

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजनेंतर्गत राज्यातील महानगरपालिका /नगरपालिका सफाई कामगारांचे विशिष्ट स्वरूपाचे काम विचारात घेऊन ज्यांची सेवा 25 वर्ष किंवा त्यापेक्षा जास्त झाली आहे, अशा सफाई कामगारांना सेवा निवृत्तीच्या वेळी किंवा सफाई कामगारांचा सेवेत असताना मृत्यू झाल्यास अशा सफाई कामगारांच्या निधना नंतर त्यांच्या पात्र वारसास महानगरपालिकेकडून मालकी हक्काने अहस्तांतरीत स्वरूपात 269 चौ. फुट चटई क्षेत्राच्या सदनिका मोफत वाटप करण्याबाबत शासन निर्णय क्रमांक : सकानि-2007/प्र.क्र.176/2007/नवि-06 दि.22 आक्टोबर 2008 अन्वये धोरण आहे.

मिरा भाईंदर महापालिकेने या योजनेअंतर्गत किती सफाई कामगारांना सदनिका दिलेल्या आहेत ? अजुन किती द्यावयाच्या आहेत ? दिलेल्या सदनिका नोंदणीकृत करणेकामी किती खर्च येणार आहे याची माहिती द्यावी. तसेच या योजनेअंतर्गत ज्या सफाई कामगारांना सदनिका दिलेल्या आहेत त्या बहुमजली इमारती असल्यामुळे या लोकांना त्या बहुमजली इमारतीमध्ये लिफ्ट , साफसफाई, पाणी, वीज, इमारत मॅटेनेन्स हा खर्च प्रती महिना जमा करणे शक्य होत नाही . काही ठिकाणी या लोकांनी परस्पर सदनिका भाड्याने देणे अथवा विकणे अशातऱ्हेचे प्रकार झालेले आहेत . तसेच काही इमारतीमध्ये आपले सफाई कामगार व इतर रहिवासी असे राहतात अशा ठिकाणी इतर रहिवाश्यांकडून दुरुस्ती खर्च वसूल होतो . परंतु महापालिका सफाई कामगार दुरुस्ती व इतर खर्च भरत नसल्यामुळे मोठ्या प्रमाणावर थकबाकी होत आहे . त्यामुळे सोसायटीची इतर देयके अदा केली जात नसल्याने पाणी पुरवठा , वीज पुरवठा, लिफ्ट मॅटेनेन्स करणे शक्य होत नाही याबाबत इतर रहिवाश्यांच्या तक्रारी महापालिकेस प्राप्त झालेल्या आहेत. याबाबीचा विचार करता, प्रशासनाने वरील सर्व बाबींची सविस्तर माहिती पुढील मा. महासभेत सादर करावी असा मी ठराव मांडत आहे.

**धृवकिशोर पाटील :-**

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

विषय मंजूर. पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. १११ :-

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजने अंतर्गत वाटप करण्यात आलेल्या सदनिका कायम स्वरूपी हस्तांतरीत करणेबाबत.

ठराव क्र. १०९ :-

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमशाफल्य आवास योजनेंतर्गत राज्यातील महानगरपालिका /नगरपालिका सफाई कामगारांचे विशिष्ट स्वरूपाचे काम विचारात घेऊन ज्यांची सेवा 25 वर्ष किंवा त्यापेक्षा जास्त झाली आहे, अशा सफाई कामगारांना सेवा निवृत्तीच्या वेळी किंवा सफाई कामगारांचा सेवेत असताना मृत्यू झाल्यास अशा सफाई कामगारांच्या निधना नंतर त्यांच्या पात्र वारसास महानगरपालिकेकडून मालकी हक्काने अहस्तांतरीत स्वरूपात 269 चौ. फुट चटई क्षेत्राच्या सदनिका मोफत वाटप करण्याबाबत शासन निर्णय क्रमांक : सकानि-2007/प्र.क्र.176/2007/नवि-06 दि.22 आक्टोबर 2008 अन्वये धोरण आहे.

मिरा भाईंदर महापालिकेने या योजनेअंतर्गत किती सफाई कामगारांना सदनिका दिलेल्या आ हेत? अजुन किती द्यावयाच्या आहेत? दिलेल्या सदनिका नोंदणीकृत करणेकामी किती खर्च येणार आहे याची माहिती द्यावी. तसेच या योजनेअंतर्गत ज्या सफाई कामगारांना सदनिका दिलेल्या आहेत त्या बहुमजली इमारती असल्यामुळे या लोकांना त्या बहुमजली इमारतीमध्ये लिफ्ट , साफसफाई, पाणी, वीज, इमारत मॅटेनेन्स हा खर्च प्रती महिना जमा करणे शक्य होत नाही . काही ठिकाणी या लोकांनी परस्पर सदनिका भाड्याने देणे अथवा विकणे अशातऱ्हेचे प्रकार झालेले आहेत . तसेच काही इमारतीमध्ये आपले सफाई कामगार व इतर रहिवासी असे राहतात अशा ठिकाणी इतर रहिवाश्यांकडून दुरुस्ती खर्च वसूल होतो. परंतु महापालिका सफाई कामगार दुरुस्ती व इतर खर्च भरत नसल्यामुळे मोठ्या प्रमाणावर थकबाकी होत आहे . त्यामुळे सोसायटीची इतर देयके अदा केली जात नसल्याने पाणी पुरवठा , वीज पुरवठा, लिफ्ट मॅटेनेन्स करणे शक्य होत नाही याबाबत इतर रहिवाश्यांच्या तक्रारी महापालिकेस प्राप्त झालेल्या आहेत . याबाबींचा विचार करता, प्रशासनाने वरील सर्व बाबींची सविस्तर माहिती पुढील मा. महासभेत सादर करावी असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- सौ. प्रभात पाटील

अनुमोदक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. ११२, शहरातील नागरीकांना शासनाच्या धोरणानुसार मोफत औषधोपचार देणेबाबत

मुन्ना सिंग :-

महापौर मॅडम विषय लेने के पहला मेरा एक विषय है।

मा. महापौर :-

मुन्ना सिंगजी आपला कुठला विषय आहे.

मुन्ना सिंग :-

पिछले महासभा में कमिशनर साहबने जवाब दिया था। अगले महासभा में विषय लेंगे। साहब यह जिस प्रभाग में यह वॉर्ड आया होगा वह किसी नगरसेवक के जेब में जाने वाला नहीं है। अगर पैसा नहीं आया होगा तो बाद में दिजीए उसको डिक्लेअर तो करे।

मा. आयुक्त :-

यह सभा के कामकाज में एंड में हम वह डिक्लेअर कर देंगे।

मुन्ना सिंग :-

कौन से सभा में।

मा. आयुक्त :-

आजच्या सभेत.

**मुन्ना सिंग :-**

अभी नहीं।

**मा. आयुक्त :-**

यह पुरा कामकाज खत्म होगा उसके एंड में।

**मुन्ना सिंग :-**

ठिक है।

**सुशिल अग्रवाल :-**

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलतो, जुलै महिन्यामध्ये महासभेमध्ये हा विषय आला होता. मिरा भाईदर महापालिकेच्या हद्दीतील गोरगरिबांवर मोफत उपचार करणे बाबत उस समय काफी चर्चा हुई थी और एक ठराव किया था। उसमें लिखा था की जो-जो संस्थाए जो-जो हॉस्पिटल विकसित करने के लिए जिनको वाढीव एफ.एस.आय. दिया है इसकी माहिती लेकर मा. आयुक्त महोदय मा. महासभा के अंदर वह विषय सादर करेंगे। ६ महिने बाद में मेरी ऐसी भावना है की सारी माहिती आयुक्त साहब के पास आ गयी होगी। मिरा भाईदर में जो-जो हॉस्पिटल को बढी हुई वाढीव एफ.एस.आय. देते वक्त जो-जो अटीशर्ती हमने नमुद की थी उसके हिसाब से उसका अनुपालन किया जा रहा है। या नहीं किया जा रहा है। विषय वही है मैंने पिछली बार एक हॉस्पिटल के बारे में थोडी बहुत जानकारी ली थी और आज तक वह हॉस्पिटल से जो भी लाभार्थी की यादी आती है उसी में नामों में कोई बदल हुआ नहीं। आप चाहे वह पिछले महिने की यादी में नाम बढके बता दूंगा। केवल और केवल डायलिसीस का वहाँ पे उपचार होता है। टोटल अगर वह देखा जाए तो वह हॉस्पिटल के ४० टक्के बेड बढे हुए एफ.एस.आय. के हिसाब से आयुक्त की शिफारस के लिए बी.पी.एल में रहने वाले हमारे जो गरीब नागरिक है। उनके लिए इकोनॉमिकल विखर सेक्शन के लिए या सरकारी कर्मचारीयो के लिए वह बेड आरक्षित रखने और उनपर मोफत या सरकारी नियम के हिसाब से पैसा चार्ज करके उनको देना बंधनकारक है और इस बात का हमीपत्र ऑफिडेन्ट वहाँ के एक ट्रस्टीने पालिका को दिया है फिर ऐसी क्या मजबुरी है की हम वहाँ से हमारे मिरा भाईदर महापालिका के तरफ से जो-जो हॉस्पिटल चलते है वहाँ पर जो सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे वहाँ पे जो गरिब पेशंट आते है उन्हे वह हॉस्पिटल में सुविधा क्यों नहीं प्रोव्हाईड कर पा रहे है। यहाँ से पेशंट जो है १० टक्के बेड मॅडम ३०० बेड का हॉस्पिटल है। अगर आपको ३० बेड वहाँ पर मोफत मिल रहे है। तो हमारी ऐसी क्या मजबुरी है की, हम वहाँ पे पेशंट भेजते नहीं है। पेशंट को या तो प्रायव्हेट हॉस्पिटल में या फीर मुंबई के बाहर जो सरकारी अस्पताल है वहाँ जाकर अपना इलाज कराना पडता है। और ऐसी क्या मजबुरी है हमारी या तो हम वहाँ पे पेशंट भेजते नहीं है, या हम वहाँ पर पेशंट भेजते है और उसका सन्मान नहीं किया जाता है। तो इसमें से कौनसी बात है यह हमको आयुक्त महोदय आप हमे बताईए की आपने पिछले ६ महिने के अंदर अभी आप वहाँ पे विराजमान है। कितने लोगो को आपने ऐसे हॉस्पिटल में रेफर किया। बहुत से लोग आपके पास में विनंती लेके आते होंगे। मदत के लिए आते है। मिरा भाईदर के अस्पताल में जो पंडीत भिमसेन जोशी अस्पताल है। वहाँ पे कितने पेशंट को हम बाहर भेजते है? शताब्दी अस्पताल जाओ, के.ई.एम जाओ, जे.जे जाओ, नायर जाओ ऐसे पेशंट को हम वहाँ पे क्यों नहीं भेज पा रहे है। मॅडम अगर हम वहाँ पे नहीं भेजके अगर इसका हमारा अधिकार का उपयोग नहीं करेंगे तो हम वहाँ के लोगो को सुविधा कैसे दे पाएंगे। यह बहुत बडा प्रश्नचिन्ह है मॅडम। यहाँ पर लोगो ने आपने दिया हुआ एक्स्ट्रा एफ.एस.आय. का उपयोग तो कर लिया पर उसके बदले में जो सुविधा मिरा भाईदर के गरिब जनता को मिलनी चाहिए थी वह सुविधा हम ले नहीं पा रहे है। हम ले नहीं रहे है और वह दे नहीं रहे है। उसका स्पष्टीकरण बहुत जरुरी है नहीं तो हम यह गरिब लोगो को मोफत चिकीत्सा देने की यहाँ बात करते है। यह बात हम उसमें खरी नहीं उतर पाएंगे। पहले हमने जिनको सुविधा दी है मॅडम उनको लिजिए और लेनेके बाद में उनपे कितना फर्क पडता है और वहाँ से हमको कितना फिड बॅक मिलता है वह भी आना जरुरी है। आयुक्त महोदय आपसे निवेदन करुंगा सर एक विनंती करुंगा की आपकी तरफ से कितने ऑप्लीकेशन हॉस्पिटल में गए। लोगो के फ्री इलाज के लिए और आपके विनंती को कितना मान मिला है। थोडा सभागृह को बताएंगे तो अच्छा रहेगा।

**सुरेश खंडेलवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, मा. आयुक्त महोदय जरा सुनेंगे तो क्या है थोडीसी जानकारी दे पायेंगे नहीं तो क्या जानकारी देंगे।



**डॉ. पडवळ :-**

मा. महापौर महोदयांच्या परवानगीने बोलतो उमराव ट्रस्टला हे काय वाढीव एफ.एस.आय. महानगरपालिकेने दिला आहे आणि त्याबद्दल ज्या मोफत खाटा मा. आयुक्तांनी शिफारस केल्याने त्यांना देणे आवश्यक आहे. तर त्यासाठी मागच्या ६ महिन्यात आपण १० रुग्णांना त्या ठिकाणी रेफर केले होते आणि त्यांना त्यांनी मोफतमध्ये त्याच्या यांच्यानुसार उपचार दिलेले आहेत. ट्रस्टबरोबर उमराव ट्रस्टबरोबर दोन बैठका आयुक्तांच्या उपस्थितीत झालेल्या आहेत आणि त्यांना तसे निर्देश देण्यात आले आहेत की, आयुक्तांकडून जे पेशंट रेफर होतील त्यांना शासकीय किंवा मोफत दरामध्ये उपचार द्यावेत. सध्या प्रश्न असा आहे की याचे नियंत्रण करणेचे अधिकार संचालक आरोग्य सेवा यांना आहेत. हे अधिकार आपल्याकडे घेण्यासाठी आपण नगरसचिवांना पत्र दिलेले आहे की हे आयुक्त मिरा भाईंदर यांना अधिकार देण्यात यावे.

**सुशिल अग्रवाल :-**

सर तुम्ही चुकीचे बोलत आहेत नियंत्रण करण्याचे अधिकार म्हणजे जर तुम्ही रेफर केले आणि त्यांनी जर मान्य केले नाही. तर तुम्ही संचालकाकडे आपली दाद देऊ शकतात. त्यांना कळवू शकतात की हे आमची विनंती मानत नाही. ते नियंत्रण आहे. फक्त पाठविण्याचे तुमच्याकडे आहे. मला आता जे १० लोकांची तुम्ही यादी द्या आणि त्यांनी किती रुपयाचा त्यांनी इलाज केलेला आहे ते इथे सांगा.

**डॉ. पडवळ :-**

एक्झॅक्ट आता नावे वगैरे माझ्याकडे नाही.

**सुशिल अग्रवाल :-**

साहेब तुम्ही रेफर केले नावे माहित नाही.

**डॉ. पडवळ :-**

हा विषय माझ्याकडे होता.

**सुशिल अग्रवाल :-**

यामध्ये विषय होता आणि तुम्ही बोलता नाव नाही. फक्त यादीमध्ये दिसत आहे की, ते डायलेसिस सेंटर आहे. व्होकार्ड हॉस्पिटल म्हणजे डायलेसिस सेंटर झालेले आहे साहेब त्यामध्ये फक्त डायलेसिसचे पेशंटना मोफत इलाज दिले जातात. जर असे देत असाल साहेब तुम्ही मग हे भिमसेन जोशी हॉस्पिटलमधून पेशंट शताब्दीला का पाठवतात? इकडचे रोजचे किती पेशंट पाठवतात त्या हॉस्पिटलमध्ये ते मला सांगा.

**डॉ. पडवळ :-**

साहेब रेफरन्स सिस्टीम ही शासनाने डेव्हलप करून दिलेले आहे.

**मा. आयुक्त :-**

ही माहिती आम्ही घेत आहोत किती नावे त्यांनी कोणती दिलेली आहेत ते आम्ही सभागृहाला देत आहोत.

**सुशिल अग्रवाल :-**

साहेब मी सोबत हे पण विचारत आहे की तुम्ही तिथे पाट्या का लावल्या नाही. कोणाला कसे माहित पडणार सामान्य माणसाला माहिती कशी होणार आहे की तुम्ही इथे येऊ शकतात. तुम्ही इथे व्होकार्डमध्ये मोफत इलाज करू शकतात. त्याच्या अटीशर्ती आपल्या इतक्या खाटा तिथे आरक्षित आहेत. लोकांना कसे माहित पडणार. लोकांना माहित पडणे गरजेचे आहे. तुम्ही केले १० लोकं कोणते गेले तुम्ही आता ते ही सांगत नाही. ते कोणाचे घरची लोक होती?

**सुरेश खंडेलवाल :-**

साहेब २०१०-११ ला याला सी.सी. दिली. त्या सी.सी. मध्ये ऑलरेडी अट आहे की १० टक्के, २० टक्के आणि १० टक्के अशी ४० टक्के बेड आपल्याला तिथे प्रत्येक यांना शिफारस करून आपण देता येतो. साहेब माझे म्हणणे असे आहे की २०१०-११ पासून आज २०१८-१९ चालू आहे. तर ह्या ७-८ वर्षांमध्ये आपण सर्व झोपेत होतो का? माझा स्पष्ट आरोप असा आहे की, आपल्याला माहिती असताना सुध्दा आपण हे जे ४० टक्के बेड आरक्षित होते. आपल्या इथे सर्व नगरसेवक जमलेले आहेत. पालिकेचे कर्मचारी आहेत. त्यांना कोणाला पण विचारा एकाने तिथे मोफतमध्ये त्याला सवलत मिळाली का? मग आठ वर्ष तिथे आपण का झोपलो होतो. ते आपण जाणून बुजून सत्ताधारी किंवा ज्यांचे याच्यामध्ये हेतू इन्टेशन असेल त्याने हे का केले. साहेब याची तुम्ही का म्हणजे आमचे म्हणणे एवढेच आहे की जेव्हा आपल्याला एवढी सुविधा होती. आपल्या कर्मचाऱ्यांना नगरसेवकांना आपआपल्या पत्रानुसार आजपर्यंत वापर का केला नाही आणि आता पण स्थिती अशी आहे की ६ महिन्यापूर्वी हा विषय उचलल्यावर सुध्दा

आतापर्यंत तिकडे एक सुध्दा पाटी आपण लावलेली नाही. आपल्याला जी माहिती इथे देतात ती खोटी माहिती देतात. साहेब आम्ही बिल्डींगमध्ये जाऊन त्याठिकाणी विचारपूस करून आलो साहेब. आमच्या वॉर्डाचा एक आरोप आहे. एक रोगी होता त्याला ८ लाख रुपये त्याचे बील होते त्या बिलामध्ये त्याचे घरी आम्ही जाऊन आलो. त्याला दिड लाख रुपये फक्त डिस्काउंटमुळे त्याला कमी केले आणि ह्या लिस्टमध्ये त्याचे नाव टाकून दिले की दिड लाख रुपये आम्ही याच्यावर उपकार केले. मोफत उपचार केला. साहेब ही अशी खोटी माहिती ७ वर्षांपासून देत आहेत. आपले डिपार्टमेंट करते काय?

**मा. आयुक्त :-**

ही माहिती त्यांनी दिली ती खोटी नाही.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

साहेब आम्ही तुमच्या समोर ती लिस्ट दाखवतो. हे पेशंट तुमच्याकडे तुम्ही बघा आणि आम्ही तुम्हाला साबीत करून देऊ तर तुम्ही काय करणार?

**मा. आयुक्त :-**

आम्ही त्याची डिटेल्स माहिती आपल्याला देऊ.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

साहेब आम्हाला एकच उत्तर द्या की, ६ महिन्यांपूर्वी जेव्हा हा विषय महासभेमध्ये आला होता.....

**मा. आयुक्त :-**

बरोबर आहे ६ महिन्यांपूर्वी डॉक्टरने हा विषय काढल्यानंतर त्या संबंधित मॅनेजमेंटशी माझ्या दोन बैठका झाल्या. तेच अधिकारी माहिती देतील पण त्यांना.....

**सुरेश खंडेलवाल :-**

साहेब ८ वर्षांमध्ये जर आपण याचा वापर केला असता तर हजारो लोकांना गरिब लोकांना याचा फायदा झाला असता ८ वर्ष आपण काहीच केले नाही. इतना गरिब लोको के साथ में अन्याय हो गया। ९ सर यह क्या है वो सेक्टर में भी भ्रष्टाचार इधर भी भ्रष्टाचार कितना भ्रष्टाचार. ८ साल तक यहाँ पे माहिती चुपा के रखा है। हमारे सत्ताधारी जितने भी बैठे थे उनको यह पता नही की ४० टक्के बडे रिझर्व रखना चाहिए था। हम लोगो ने यह सब माहिती निकाली इसका जवाब कौन देगा।

**मा. आयुक्त :-**

आम्ही सगळी माहिती देऊ.

**निलम ढवण :-**

आयुक्त साहेब विनंती आहे उपमहापौर साहेबांच्या विनंतीला मान देऊन मी बोलत आहे. साहेब हे जे विषय आहेत महापालिकेच्या अंतर्गत विषय बरोबर आहेत. परंतु जेव्हा महापालिकेच्या माध्यमातून कुठच्याही विभागातील जी एखादी योजना जर चालू केली तर कृपया आपण सन्मा. सर्व नगरसेवकांना एक लेटर द्यायला काय हरकत आहे. कारण त्यांना त्यांच्या त्यांच्या वॉर्डात बघतील. गरिब लोकांना तरी त्याची फॅसिलिटी त्यांना देता येईल. आपल्या नगरसेवकांना देखील माहिती नसते त्यांची तुम्ही तरतुद करून घेतात. अॅग्रीमेंटमध्ये सर्व करून आणि आपण जर गरिबांना सोयी दिल्या नाही तर त्याचा काय फायदा. हे मग कोणासाठी चालले आहे. यापुढे आपण ह्या सुचना आणि योजनेचा लाभ.....

**मा. आयुक्त :-**

काय माहिती द्यायची म्हणजे तुम्ही काय म्हणत आहात.

**निलम ढवण :-**

जसे एखादा हॉस्पिटलला आपण अॅग्रीमेंटमध्ये तुम्ही तशी अटीशर्ती घालतात त्यामध्ये जसे आता डायलेसिसचा विषय काढला जर त्यांना फ्री मिळत असेल किंवा कमी याच्यात मिळत असेल तर ते सन्मा. नगरसेवकांना सांगा ना. म्हणजे प्रत्येक विभाग महिला बालकल्याण असु देत, आरोग्य विभाग असु देत इतरही असु देत.

**मा. आयुक्त :-**

ठिक आहे आपण सगळ्यांना देऊ.

**निलम ढवण :-**

त्या योजना आम्हाला देखील त्या गरिबांना त्याच्या सोयी देता येतील ना.

**मा. आयुक्त :-**

ठिक आहे.

**निलम ढवण :-**

आम्हाला माहित पण नसतात. यापुढे हे लक्षात ठेवा.

## राजेंद्र जैन :-

महापौर मॅडम यह प्रशासनने जो कुछ भी किया जानबुझकर गलती किया इसका परिणाम प्रशासन की गलती के कारण से करोडो रुपये नुकसान हुआ है। हम महापालिका के कर्मचारीयो का इन्श्युरन्स करते थे पैसा भरते थे। अगर हम इस अॅक्ट का युज करने में सफल होते थे तो करोडो रुपये नहीं जाता था। यह प्रशासन की नाकामी है। पहली बात दुसरी बात साहब २६-७ को कमिशनर साहबने बोला था की इसपे हम ध्यान करेंगे, हम डिस्प्ले सिस्टम करेंगे। हम किस कोऑर्डिनेट को सेट करेंगे। बॉम्बे में जैसे हुआ की चॅरीटी कमिटी से बात करेंगे उस बात को ७ महिने हो गए। उस विषय पे कोई कारवाई नहीं हुई। उसके बाद हमने वापीस पर्सनल मिटींग की ३ बार महासभा में बात हुई है एक बार आपसे आपके चेंबर में बात हुई पानपट्टे साहब से भी बात हुई हमारे पास में क्या जवाब आया।

## मा. आयुक्त :-

डॉक्टर साहब आप जो बोल रहे है वह मॅनेजमेंट से भी हमने दो बार बैठक की है।

## राजेंद्र जैन :-

साहब मैं यही बोल रहा हूँ की हम इतने मजबूर है की मॅनेजमेंट से बात करे। एक बार आपने मिटींग लगाई जो व्होकार्ड से आपकी मिटींग करवायेंगे तो आदमी बोला मैं अच्हेलेबल नहीं हूँ। और हम ऐसे ही ६ महिने तक रह गए। यह अक्षमता है प्रशासन की वह आएगा तो मिलेगा आपने उसको बुलाना था वह हमारे प्रती जवाब दे। नंबर एक बात नंबर दो आप यह बोलते हो की, यह आपका लास्ट टाईम का भी यहाँ पे आन्सर है। पडवळ साहबने भी आन्सर बोला की यह जो जिम्मेदारी है यह संचालक की है बॉम्बे हेल्थ की सब १० टक्के कोटा तो आपका था। २० टक्के ई.डब्ल्यू.एस का है और ५० टक्के बी.पी.एल. ई.डब्ल्यू.एस का है ५० टक्के स्टेट का है और १० टक्के बी.पी.एल का यह सारा कोटा आपने अपना कमिशनर कोटा अभी तक कैसे युज किया आपको आयुक्त होकर पोस्ट पे इतना समय हो गया। आपने अपना कोटा युज करने का अभी तक प्रक्रिया सेट नहीं की है। सर आपको कोटा सेट करने की बोर्ड कमिशनर चाहिए। १० टक्के युज करने की डिस्प्ले सिस्टम में है सिस्टम में आज ७ महिने हो गए। आपका बोला हुआ है सर आपके रिपोर्ट पे लिखा हुआ है। आप करेंगे अभी तक वह नहीं हुआ। इसके लिए मिटींग करने की क्या जरूरत है। यह नियम है कोई अगर नियम को पालन करने की मिटींग की जरूरत रहती है तो यह निगोशिएशन हो गया साहब।

## मा. आयुक्त :-

मैं आपको बताता हूँ शासनने जो आदेश निकाला २५ अक्टुबर २०१० में यह हॉस्पिटल को जो ऑक्युपेशनस डेव्हलपमेंट में बात किया है १० टक्का खाटा शासकीय कर्मचा-यांसाठी, २० टक्के खाटा आर्थिक दृष्ट्या कमकुवत वर्गासाठी (ई.डब्ल्यू.एस) और बी.पी.एल और बाह्य रुग्णांसाठी १० टक्के ओ.पी.डी., तो इसका सहनियंत्रण करने की जबाबदारी संचालक आरोग्य सेवा महाराष्ट्र राज्य मुंबई सक्षम प्राधिकरण म्हणून राहतील. अटीशर्तीची पुर्तता होत नसल्यास सदर संस्थेची रुग्ण सेवा बदल नियंत्रण करतील. यही हम जानकारी संबंधित संस्था के दोन मिटींग लेके सभागृह की भावना उनको अवगत किया।

## राजेंद्र जैन :-

१० टक्के कमिशनर की पावर है। आप संचालक नियंत्रण करेगा संचालक नियंत्रण किसपे करेगा? आप कोई कार्यपध्दती भेजेंगे तभी उसपे नियंत्रण करेगा की अपने आप वो नियंत्रण करेगा। आपके यहाँ से पध्दत तो होनी चाहिए डिस्प्ले सिस्टम सर ४० टक्के बेड का मतलब हुआ १२० बेड टेंबा हॉस्पिटल दुसरा आप जो बोलते हो माहिती सही है। आप जाके जानकारी लो मैंने लास्ट टाईम बोला था आपने कहाँ हम करेंगे। ४० टक्के बेड बंधनकारक मतलब मैंने बोला था आपको एकझाम भी दिए थे। डॉक्टर रमेश जैन को खुदका दिया था वहाँ बेड अच्हेलेबल होते नहीं तो आपको बेड को रिझर्व्ड रखना है, बंद रखना है। बाकी जबकी आप फोन करे तब उनको तुरंत बेड मिले। अगर प्रशासनने संचालक को आजतक लिखा था की, यहाँ पर यह नहीं हो रहा है। कारवाई किजीए। प्रशासनने क्या कारवाई की यह मुझे बताईए संचालक को आपने लिखना चाहिए था।

## रवि व्यास :-

महापौर मॅडम, आपके परमिशन से बोलना चाहता हूँ। बडी खुशी की बात है आज फिरसे आपने साबीत कर दिया की वाकई में शहर के लिए आपकी जबाबदारी को आप समझते है और भारतीय जनता पार्टी जो सरकार है वह आम आदमी और गरिबो के लिए ही काम करने वाली सरकार है। अभी अभी व्हॉटसअप पे न्युज आयी है की जो सेव्हन इलेव्हन हॉस्पिटल का जो डिस्पेन्सरी था वह आयुक्त साहब ने और महापौर मॅडम के कहने पर वह शुरु कर दिया गया है और मैंने अभी देख उसमें पहले पेशंट को भी

देखा जो हमारे तत्कालीन नगरसेवक थे मिलनजी म्हात्रे उनका ओ.पी.डी. का उपचार वहाँ पे किया गया है। तो मॅडम में आपको दिल से बधाई देना चाहता हूँ की आपने भी वही किया जो हमारे नरेंद्र मेहताजी हमारे जो विद्यमान विधायक है। उन्होंने अभी जो भिमसेन हॉस्पिटल जो था वह काफी सालो से बंद पडा था। इतने सालो से २० करोड रुपये का उसपे खर्च हुआ था लेकिन वहाँ पे सिर्फ कबुतर घुमते थे। वहाँ पे ना कोई उपचार होता था ना कोई शुरु होता था। महापौर मॅडम गिता जैन इनके कार्यकाल में हमारे विधायकजीने उस हॉस्पिटल को शुरु किया और आज वहाँ पे मुफ्त उपचार शुरु हो रहा है। इसलिए मैं यह कहना चाहूँगा आज भी एक दुसरे हॉस्पिटल का भी काम को शुरुवात हो चुकी है और पुराने पाप जो है मॅडम हमारे शहर में कुछ पुराने पाप भी किए गए थे। जो इसी तरह का आरक्षण था। जो भी डिस्पेनसरी और मॅटर्निटी होम का आरक्षण था मिरारोड में जहाँ पे उमराव हॉस्पिटल का निर्माण किया गया है। बडा ही सुंदर और आलीशान हॉस्पिटल बनाया गया है। मिरारोड के अंदर वहाँ पे जिस आरक्षण में जो सेव्हन इलेव्हन हॉस्पिटल के अंदर था लेकिन वहाँ पे २५ टक्के आरक्षण मिरा भाईदर महानगरपालिका को दिया नहीं गया क्यों नहीं दिया गया मुझे उसकी जानकारी कम है। क्योंकि उस समय में सदस्य नहीं था। लेकिन कुछ जो मेरे बडे भाईजान है। वह यहाँ पे हमेशा जादा जानकारी है वह इसका अगर खुलासा करे की २५ टक्के मिरा भाईदर महानगरपालिका को वह बेड का आरक्षण क्यों नहीं दिया गया उसका अगर वह खुलासा देना चाहे तो सभागृह को दे सकते है। दुसरी बात मैं यह कहना चाहूँगा की जैसे जब वो महाराष्ट्र शासन में उस हॉस्पिटल की एक्स्ट्रा एफ.एस.आय. की जो परमिशन दी गयी थी। उस टाईम यह आदेश निकाला था। उस आदेश के अंदर क्लिअर कट यह अटीशर्ती में लिखा गया था की एकूण वाढीव चटई क्षेत्र निर्देशकासाठी १० टक्के खाटा या शासकीय कर्मचा-न्यास मोफत उपचारासाठी तपासणी शुल्कसह राखीव ठेवण्यात यावेत. ऐसा क्लिअर कट उन्होंने अटी और शर्ती दी गई है। साथ में उन्होंने यह भी लिखा है एकूण वाढीव चटई क्षेत्र निर्देशनासाठी २० टक्के खाटा आर्थिक दृष्ट्या कमकुवत वर्गाच्या घटकासाठी म्हणजे ई.डब्ल्यू.एच.ओ. अशा दारिद्रय रेषेखालील घटकासाठी बी.पी.एल. मोफत उपचारासाठी राखीव ठेवण्यात याव्या. त्याशिवाय बाह्य रुग्ण विभागातील ओ.पी.डी. यासाठी १० टक्के रुग्णांना किमान माफक दरात अर्थात शासकीय रुग्णालयातील दरानुसार योग्य सेवा पुरविण्यात यावी. यह क्लिअर कट जब तत्कालीन काँग्रेस सरकार थी। वह शासन का निर्णय है। उसी आधार के बिच पर महापालिकाने इन लोगो को सी.सी. दी गई है और उसीपे आज यह आलिशान इमारत खडी है। बडा अच्छा लगता है जब उमराव हॉस्पिटल को देखता हूँ। व्होकार्ड हॉस्पिटल को देखता हूँ काफी अच्छी फॅसिलिटी है। काफी अच्छा ट्रिटमेंट होता है। कुछ दिनो पहले मेरे एक मित्र के परिवार में किसी सदस्य का अॅक्सीडेंट हो गया था। बहुत जादा इसका अॅक्सीडेंट हो गया था। काफी जादा उसकी हालत खराब थी, सिरीयस था। इमरजन्सी में मिरारोड हमारे नजदीक है। वहाँ पे व्होकार्ड हॉस्पिटल में उसको लेके गए। वहाँ पे उसका उपचार किया। इमरजन्सी में अॅडमीट किया गया। जैसे तैसे करके उसका उपचार सही तरीके से हो गया और वह सही सलामत से हॉस्पिटल से बाहर भी आ गया। लेकिन जब बाहर आया तो उसकी हालत शारीरीक रुप से ठिक हो गयी थी, लेकिन आर्थिक रुप से पुरा का पुरा खत्म हो गया था। करीबन २२ से २३ लाख का उसका खर्च हुआ। जो की उसके परिवारने यहाँ वहाँ से भिख मांगकर मदत मांगकर किसी तरीके से किया और उसका घर भी गिरवी है और वह खुद भी गिरवी है। और जब की वह दारीद्रय रेषा के निचे रहनेवाला इन्सान था। जिसके पास में ऑरेंज राशन कार्ड है, ना उसके पास में कोई अच्छी कमाई थी ना उसके पास में खुद का घर था। ऐसी परिस्थिती होने के बावजूद भी हम लोग लाचार है। मिरा भाईदर के सभी लोगो ने मंजुरी दी की हम लोग इतना अच्छा हॉस्पिटल होते हुए भी जहाँ पे अटी और शर्ती में भी यह कहाँ गया है की इकोनॉमिकल बिगर सेक्शन के लोगो को यहाँ पे मुफ्त में उपचार किया जाना चाहिए। आयुक्त साहब को अधिकार है की अपने लेटर से उनका कम दरो में उपचार कर सके। लेकिन फिर भी हम लोग नहीं कर पाते। मुझे शर्म आती है, मैंने कुछ दिनो पहले देखा था की हमारे माजी विधान परिषद के सदस्य थे मुझपफर हुसेन वह महापालिका के गेट के बाहर भी बैठे थे की, सेव्हन इलेव्हन हॉस्पिटल को शुरु करवाने के लिए। तो मैं यही कहना चाहूँगा की मुझपफर साहब की तो इज्जत रख लो। हमारे महापौर मॅडम ने क्या शहर के गरिबवासियों की इज्जत का काँग्रेस पार्टीने मुझपफर हुसैन ने उमराव हॉस्पिटल रखेंगे। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूँगा।

**राजेंद्र जैन :-**

लास्ट टाईम में भी यह बात हुई थी कमिशनर साहब की ई.डब्ल्यू.एस को डिफाईन किया जाए। मोदी सरकार ने अभी १० टक्का जो माँगलो पजेशन दिया है उसमें इकोनॉमिकली बिगर सेक्शन १० टक्के माना है। वह ८ लाख इन्कम वालो को माना है। मेरा आपसे रिक्वेस्ट है की जो भी आप संचालक

मंडळ से बात किजीए की यहाँ पर हमने जिसको इकोनॉमिकल बिगर सेक्शन माना है। ई.डब्ल्यू.एस. उसका ८ लाख वार्षिक से कम इन्क्लूड किया जाए।

**स्नेहा पांडे :-**

कमिशनर साहब अभी अभी व्हॉट्सअप पे मैसेज आ रहा है की, हॉस्पिटल चालू हुआ। आप लोगो को बहुत बहुत धन्यवाद। लेकिन यह कहते हुए दुख हो रहा है की ७ सालो से बंद पडा हुआ था। जो की गरिब जनता के लिए था तो उसमें आपने वह अग्रेसर हो के भुमिका खुद निभाना चाहिए। ना की किसी को आंदोलन करने की जरूरत करनी पडे। पिछली बार आपने लेटर दिया था की ४ जनवरी को शुरु किया जाएगा। उस वक्त आपने शुरु किया नही और आज भी विषय है १३५ प्रकरण क्रमांक की अभी मान्यता लेना है। महासभा से आर्थिक व प्रशासकीय और न्युज आ रही है की, आज आपने शुरु किया तो अक्च्युअली वह निर्णय क्या है कैसे शुरु किया जब शुरु करना था तो उस दिन क्यों नही किया गया था। जहाँ पर लोग जमा थे तो २०० पुलीस प्रदर्शन लेके रखा हुआ था और चालु नही किया। तो यह गरीब जनता के लिए इसकी सुविधा गरिब लोग भी लेंगे। बडे बडे टॉवरो में रहने वाले लोग तो यहाँ आयेंगे नही। और जो विषय वहाँ पे चल रहा है अभी ११२ नंबर प्रकरण उसमें यह है की मिरा भाईदर शहरवासियो को फ्री में औषधोपचार करना। उसपर आपका क्या प्लान है। किस तरह से करने वाले हो हमारे सरकारी हॉस्पिटल ऑलरेडी है। ओ.पी.डी. ऑलरेडी चल रहे है, लेकिन वहाँ पे दवाईया नही होती है। डॉक्टर टाईम पे अक्वेलेबल नही होते है। आगे आपका क्या प्लान है। वैसा कुछ कही आपने गोषवारा में दिया नही। किस तरह से हम लोग शहर को लाभ देंगे? सबको फ्री में कैसे उपचार होगा? कमिशनर साहब एक हॉस्पिटल से २५ टक्के या ४० टक्के जो भी है वह फ्री में उपचार लेने के हमारे पुरे शहरवासियो को फ्री में उपचार हो। इस पर आपका क्या प्लान है बताईए।

**वंदना पाटील :-**

मंडम माझा खारीगाव परिसरातील मुलगी डेंग्युच्या आजाराने तिला ताप आलेला तिला व्होकार्ड हॉस्पिटलमध्ये नेले. तिला एवढे पैसे सांगितले की ती उपचार करू शकली नाही. मग शेवटी एक हॉस्पिटलमध्ये मिरा भाईदरमध्ये फिरवले. तर त्यांना एवढे पैसे सांगितले की कुठेच तिचा उपचार झाला नाही. तिला शेवटी नायर हॉस्पिटलमध्ये नेले आणि तिचा मृत्यू झाला. याला जिम्मेदार कोण? याचे उत्तर मला प्रशासनाकडून हवे आहे. त्यांना व्होकार्ड हॉस्पिटलमध्ये घेऊन गेले त्यांना एवढे पैसे सांगितले ते एवढे गरिब आहेत की, त्यांना तो खर्च परवडला नसता आणि त्यांना हॉस्पिटलमध्ये घेतले सुध्दा नाही. त्यांना एवढा खर्च सांगितला तर त्याला जिम्मेदार कोण? ती मुलगी आज वारली. ती १७ वर्षांची होती. बारावीत शिकत होती. ती डेंग्युच्या आजाराने खुप आजारी होती. तर याला कोण जबाबदार आहे. प्रशासन आहे की कोण आहे? आणि याच्यासाठी आपण काय करू शकतो. असेच जर पेशंट आले तर यांना आपण काय करू शकतो. आयुक्त साहेब याचे मला उत्तर पाहिजे.

**मा. आयुक्त :-**

एखादे सिरियस पेशंट एखाद्या दवाखान्यात ट्रिटमेंटच्या बाहेरची केस असेल तर ते हायर हॉस्पिटलला रेफर केले जाते आणि त्याला सेप्टीसाठीच रेफर केले जाते.

**गणेश भोईर :-**

उमराव हॉस्पिटलमध्ये पैसे भरलेले म्हणून घेतले. उमरावमध्ये त्यांनी परिस्थिती नव्हती.....

**मा. आयुक्त :-**

ते तसे आपण निदर्शनास आणले पाहिजे ना.

**सुशिल अग्रवाल :-**

आयुक्त साहेब यासाठी तुम्हाला विनंती आहे की, ह्या हॉस्पिटलमध्ये दर्शनी भागावर एक फलक लावण्यात यावा. प्रत्येक नागरीकाला माहिती असली पाहिजे.

**वंदना पाटील :-**

मिरा भाईदरमध्ये असे किती तरी पेशंट असतील की त्यांची परिस्थिती नाही ते औषधोपचार घेऊ शकत नाही. अशांसाठी प्रशासनाने काय नियोजन केलेले आहे.

**गणेश भोईर :-**

साहेब तुमच्या माहितीप्रमाणे तुम्हाला सांगायला पाहिजे होते. ६ महिन्यांपासून तो विषय चालू आहे. एक वर्ष ५ महिने झाले सभागृहात मिरादेवीचा विषय येतो. पहिला मी ह्या साईटला बसून ऐकायचो कुठल्याही प्रश्नाचे जर सोल्यूशन नसेल तर अधिकाऱ्यांचा फायदा काय?

**राजेंद्र जैन :-**

एक लेटर आपकी तरफ से जाना चाहिए। संचालक मंडल को ४० टक्के बेड आरक्षित किए जाए।

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. आयुक्त :-**

त्या मॅडमचा खुलासा करतो. आपण एक विषय ऑलरेडी दिलेला आहे. प्रसुतीगृह आणि प्राथमिक आरोग्य केंद्र चालू करणे बाबतचे आणि त्या गोषवा-यातच म्हटलेले आहे की, त्या ठिकाणी प्राथमिक आरोग्य केंद्र चालू करण्यात येत आहे. वस्तुस्थिती अशी आहे की तो जो २५ टक्के ऑकॉमडेशन मधून डेव्हलप झालेला आहे आणि लोकांची गैरसमज अशी होती की तो ताब्यात घेतला नाही. तो रजिस्टर करून आपण विकासकाकडून ताब्यात घेतला. त्याचे इंटरनल कामकाज चालू होते आणि लोकांचा आग्रह होता की तात्काळ दवाखाना सुरु करावा. आम्ही त्यांच्याशी ३ बैठका केल्या त्यांना विनंती केली की तुम्ही उपोषण समाप्त करा. ते म्हणाले आम्हाला लेखी द्या. शेवटी अॅडिशनल तत्कालीन नेत्यांकडून त्यांना लेखी दिले तरी त्यांनी उपोषण सोडलेले नाही. वास्तविक दवाखाना ही गोष्ट अशी तात्काळ चालू करा असे म्हणण्याची बाब नव्हती. आम्ही त्यांना खूप आग्रह केला. मग शेवटी आज इतक्या दिवसांपासून उपोषण करतात आम्ही विकासकाशी ही चर्चा केली. महापौर मॅडमशीही चर्चा केली आणि त्या ठिकाणी जे करणे शक्य आहे आपल्यातून म्हणून आम्ही तात्काळ तिथे एक ओ.पी.डी. सुरु केली आणि त्याठिकाणी प्रसुतीगृह सुरु करण्यासाठी आवश्यक जो खर्च लागतो, डॉक्टर लागतात त्याचा विषय सभागृहासमोर दिलेला आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

आयुक्त साहेबांनी चांगले निवेदन केले आणि चांगले काम केले. त्याबद्दल त्यांचे धन्यवाद. परंतु आमचे सन्ना. मित्र उपमहापौर प्रविण पाटील साहेब हे उपमहापौर असताना त्यांच्या निधीमधून त्यांनी जी ओ.पी.डी. बांधली होती मॅडम आज जवळ जवळ दीड वर्ष होत गेली ती ओ.पी.डी. बंद आहे. तिथे दवाखाना आहे, डॉक्टर मिळत नाही. तिथे फर्निचर नाही. आज काशिगावामध्ये महाजनवाडीमध्ये स्लम एरियामध्ये गरिब लोकांमध्ये ओ.पी.डी. ची गरज आहे तिथे हे लोकं ओ.पी.डी. सुरु करत नाही. कारण डॉक्टर नाहीत. फर्निचर नाही आणि आज अशा ठिकाणी ओ.पी.डी. सुरु करतात जिथे उच्च वस्ती आहे. म्हणजे याचा अर्थ की तुम्ही त्या आंदोलन कर्त्यांना बळी पडत आहात. आयुक्त साहेब तुमच्याकडून आम्हाला अशी अपेक्षा नव्हती.

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

जिथे ओ.पी.डी. बांधून रेडी आहे तिकडे तुम्हाला डॉक्टर मिळत नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

त्याच्या एरियामध्ये ओ.पी.डी. बांधून रेडी आहे. परंतु आजतागयत धुळ खात पडलेली आहे. तिथे कबुतर फिरत आहेत. तिथे अजून ओ.पी.डी. सुरु केली नाही, का सुरु केली नाही त्याचे उत्तर द्या. पानपट्टे साहेबांना बोलवा. साहेब महाजनवाडीमध्ये मुन्शी कम्पाऊंडमध्ये ओ.पी.डी. ची गरज आहे. तिथे पण ओ.पी.डी. रेडी आहे. पण तिथे तुम्हाला अजून डॉक्टर भेटत नाही तिथे तुम्ही अजून फर्निचर केले नाही.

**विणा भोईर :-**

महापौर मॅडम मिरागाव मुन्शी कम्पाऊंडमध्ये ८० टक्के लोकसंख्या आहे. ओ.पी.डी. अजून झालेली नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**स्नेहा पांडे :-**

चालू किया वो गलत किया क्या?

**प्रशांत दळवी :-**

महापौर मॅडम पानपट्टे साहेबांना सभागृहामध्ये बोलवा. ते वैद्यकियचे उपायुक्त आहेत त्यांना बोलवा.

**धृवकिशोर पाटील :-**

जिथे ओ.पी.डी. सुरु करायची गरज आहे. जिथे ओ.पी.डी. सुरु केली पाहिजे. जिथे ओ.पी.डी. बांधून रेडी आहे. तिथे यांना डॉक्टर मिळत नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

आयुक्त साहेब आम्हाला पानपट्टे साहेबांकडून उत्तर पाहिजे. ते वैद्यकिय विभागाचे उपायुक्त आहेत.

**मा. आयुक्त :-**

महापौर मॅडम येणा-या कालावधीमध्ये अजून ५ ओ.पी.डी. आम्ही सुरु करतो. ते पण निवेदन दिलेले आहे. पाच ओ.पी.डी. आम्ही चालू करतो.

**धृवकिशोर पाटील :-**

साहेब पहिला ती सुरु करुन टाकायला पाहिजे होती. परंतु तुम्ही या आंदोलन कर्त्यांना बळी पडून तुम्ही पहिला ती सोय केली.

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब आपण पण मिरा भाईंदर शहरामध्ये राहतात. आपल्याला मिरा भाईंदरची जाण आहे. कुठे स्लम एरिया आहे. कुठे उच्चभ्रु वस्ती आहे, कुठे १९ माळ्याची टॉवर आहेत. हे आपल्याला माहित आहे आणि ओ.पी.डी. कुठे सुरु केली पाहिजे. गरिबांच्या इथे पहिला सुरु केली पाहिजे. आपण हॉस्पिटल कुठे काढतो. आपण ओ.पी.डी. कुठे सुरु करतो. शहरामध्ये नाही उच्चभ्रु वस्तीमध्ये नाही. आपल्याला ओ.पी.डी. ची गरज असेल त्या स्लम एरियामध्ये आणि आमचे सन्मा. सदस्य प्रविण पाटील यांच्याकडे ओ.पी.डी. बांधून रेडी आहेत. पण तिथे डॉक्टर बसले. तिथे का बसले?

(सभागृहात गोंधळ)

**विणा भोईर :-**

पानपट्टे साहेब मिरागाव मुन्शी कम्पाऊंड इथे लोकसंख्या ८० टक्के असतानाही आम्ही दिड वर्षापासून पत्रव्यवहार करत आहोत. ओ.पी.डी. व्हावे तरी पण तिथे अजून डॉक्टर आले नाहीत.

**प्रशांत दळवी :-**

महापौर मॅडम विषय एवढाच आहे की धृवकिशोर पाटीलांनी जे म्हटलेले आहे ते अगदी उत्तम आहे. माजी उपमहापौर माझे चांगले मित्र आहेत आणि त्यांना आजी महापौरांनी निवेदन दिले तिथे ओ.पी.डी. चालू आहे.....

(सभागृहात गोंधळ)

**प्रशांत दळवी :-**

दीड वर्ष धुळ खात पडले एवढ्या साठीच तिथे आंदोलनकर्ते भेटत नाही आहेत आणि त्यामुळे ती धुळ खात पडलेली आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

सत्ता तुमची, प्रशासन तुमचे तरी तुमची काम होत नाहीत.

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

महापौर मॅडम पानपट्टे साहेबांनी खुलासा करावा.

**मा. महापौर :-**

पानपट्टे साहेब खुलासा करावा.

**मा. आयुक्त :-**

सभागृहामध्ये माझी विनंती राहिल. एका सदस्याने एकटे बोलावे आणि सर्वांनी बसून घ्यावे. आज सभागृहाचे कामकाज शिस्तीने होत नाही.

**श्रीप्रकाश जिलेदार सिंह :-**

महापौर मॅडम कमिशनर साहब बोल रहे है, किसीको समाधानकारक जवाब मिल नहीं रहा है। सब बैठो। समाधानकारक तो जवाब मिलना चाहिए लोगो को।

**राकेश शाह :-**

महापौर मॅडम केबीन नाके पे शौचालय अपना महानगरपालिका का उसके बाजू में आरोग्य केंद्र कितने पाच साल पहिले वह बनाया गया है। सन्मा. सदस्या स्नेहा पांडे ने सजेस किया था। वर्षा भानुशाली के निधी से वह आरोग्य केंद्र बना हुआ है। आज तक वह आरोग्य केंद्र चालू हुआ नहीं तो सन्मा. सदस्य ने कितनी बार उसको चालू करने के लिए पत्रव्यवहार किया? यह जरा मुझे पहले बताइए।

**स्नेहा पांडे :-**

इसी विषय पे में खडी हूँ। पानपट्टे साहब को पूछीए कितनी बार पत्रव्यवहार किया हुआ है।

**स्नेहा पांडे :-**

राकेश शाहजी आपने बहुत अच्छा मुद्दा उपस्थित किया, लेकिन देढ साल से आप भी उस क्षेत्र के नगरसेवक थे। आपने कितने बार पत्रव्यवहार किया। हमने पाच साल में बहुतबार पत्रव्यवहार किया है।

**श्रीप्रकाश जिलेदार सिंह :-**

महापौर मॅडम करे भी तो क्या बाजू में शौचालय है। लोग बाहर टॉयलेट करते थे। दिवार को लेके आरोग्य केंद्र बनाया है।

**अनिल सावंत :-**

क्यों बनाया है।

**श्रीप्रकाश जिलेदार सिंह :-**

क्यों बनाया तुम लोगो को पता होगा ना।

(सभागृहात गोंधळ)

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

महापौर महोदयाच्या परवानगीने बोलतो, नवघरचे आरोग्य केंद्र चालू आहे. त्याच्या बाजूला जी अॅडीशनल जागा बांधलेली आहे. त्याच्यामध्ये आम्ही लसीकरण करतो. टी.बी. चे पेशंट ठेवतो आपण ती जागा वापरतो.

**धृवकिशोर पाटील :-**

साहेब तिथे ओ.पी.डी आहे. ओ.पी.डी. ची गरज आहे.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

तिथे लागूनच आहे.

**धृवकिशोर पाटील :-**

तुम्हाला एवढी अरजन्सी काय होती. जर तुम्ही आज सेव्हन इलेव्हन हॉस्पिटलची ओ.पी.डी. तुम्ही सुरु केली की नाही साहेब तिथे वर्षभर वस्ती आहे. तुम्ही सुरु करा. त्यावर अजिबात आमचे दुमत नाही. परंतु जिथे गरज आहे, दिड वर्षापासून त्याची ओ.पी.डी. रेडी आहे. तिकडे तुम्ही अजून हॉस्पिटल सुरु नाही केलं. नंबर दोन आमच्या विणा भोईर मॅडम आहेत. त्या एक वर्षापासून पाठपुरावा करत आहेत. आमचे उपमहापौर साहेब वैती साहेब पाठपुरावा करत आहेत. तिकडे तुम्ही डॉक्टर दिले नाहीत. का दिले नाहीत तिथे घरे नाहीत. तिथे स्लम एरिया आहे. तिथे पण गरिब लोक आहेत. तुम्हाला गरिबांची काळजी नाही. तुम्हाला पैशांची काळजी आहे का? आज शहरामध्ये एवढे ओ.पी.डी. आहेत. साहेब आज शहरामध्ये एवढे ओ.पी.डी. आहेत सगळ्या ओ.पी.डी कुठे आहेत मला सांगा? आयुक्त साहेब आज शहरामध्ये ९ ओ.पी.डी. सुरु आहेत आणि ह्या ९ चे ९ ओ.पी.डी. गरिब आणि स्लम एरियामध्ये सुरु आहेत. एकही उच्चभ्रु वस्तीमध्ये नाहीत. मग पानपट्टे साहेबांना एवढी घाई का? आज ते उपायुक्त आहेत ते पण डॉक्टर आहेत. त्यांना पण जाण पाहिजे की ओ.पी.डी. ही फक्त स्लम एरियासाठी आणि गरिबांसाठी आहे. मग ह्यांनी जे केलेले कामाची यांना तुम्ही शिक्षा दिली पाहिजे. अशी आमची तुम्हाला विनंती आहे.

**स्नेहा पांडे :-**

साहेब जहाँ पर प्रसुतिगृह है और आरोग्य केंद्र शुरु हो रहा है, वहाँ भी बहुत बड़ा स्लम एरिया है। आरक्षण क्र. १२२ इतना बड़ा स्लम एरिया वही गोल्डन नेस्ट में ही स्थित है। ऐसा नहीं है की वह सब अरबपती, खरबपती रहते हैं। वहाँ पे आरोग्य केंद्र की जरूरत है जो चालु हुआ है। पहले आप लोग पुरी जानकारी लिजीए, बाद में बोलिए शुरु हुआ कोई गलत हुआ है क्या? वह गरिब जनता के लिए ही शुरु हुआ और हर क्षेत्र में.....

**धृवकिशोर पाटील :-**

हमारे सन्मा. दोस्त रवीजीने अभिनंदन का ठराव मांडा है और हमने जो बोला है। आपने अच्छा किया लेकिन अच्छा करते करते आपने यह भी देखना चाहिए जो स्लम एरिया है उसमें गरिब लोग है वहाँ पे प्रथम प्राधान्य देना चाहिए। वही मांग है वह प्राधान्य देना चाहिए लेकिन वह प्राधान्य मिल नहीं रहा है।

(सभागृहात गोंधळ)

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

कॅबिन रोडला अतिशय कमी जागा आहे. त्याठिकाणी आणि बाजूला शौचालय आहे. ज्यावेळेस आरोग्य केंद्र बांधले त्यावेळी आरोग्य विभागाचा अभिप्राय घेऊन बांधले पाहिजे. त्याला जागा किती लागते. ग्राऊंड प्लस स्टेजेस किती लागतील मेडीकल ऑफिसर असतो. ५ जणांचा स्टाफ असतो. आमचे बरेचसे सामान असते. ब-याच वेळा टेस्ट होतात. जागा मोठी लागते प्रत्येक आरोग्य केंद्राचे लिमिट असते. त्याला किती जागा लागते त्याला किती फॅसिलिटी लागतात. त्याप्रमाणे आम्ही बांधलेले नाही. त्यामुळे आम्ही ताब्यात घेतली नाही.



**श्रीप्रकाश जिलेदार सिंह :-**

महापौर मॅडम ताबे में लिया नही तो उसको लेटर भी तो देना चाहिए।

**स्नेहा पांडे :-**

पानपट्टे साहब कितनी बार पत्रव्यवहार किया वह पहले बताईए।

**धृवकिशोर पाटील :-**

आपले उपमहापौर चंद्रकांत वैतीजी पाठपुरावा करत आहेत. आमचे सदस्य प्रविण पाटील साहेब पाठपुरावा करत आहेत. अजून पर्यंत डॉक्टर तिथे अव्हेलेबल केले नाही. महापौर मॅडम यांची चौकशी तुम्ही केली पाहिजे. तोपर्यंत ही सभा आम्ही चालू देणार नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**जुबेर इनामदार :-**

तुम्ही डब्ल्यू.एच.ओ. च्या प्रस्तावाप्रमाणे सेव्हन इलेव्हन क्रमांकामध्ये असलेले मॅटरनिटी होम डब्ल्यू.एच.ओ. प्रमाणे बांधून घेतलेला आहे का विकासकाकडून? नाही घेतले त्याला त्याच्या आधीच त्याला ओ.सी. दिली. आज हा विलंब झाला कारण ते बांधकाम संपूर्ण केले. विकासकाने केला का तुम्ही त्याच्यावर कारवाई.....

**सुशिल अग्रवाल :-**

पण जे चालू आहे त्याच्यात तरी घ्या.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

कोई भी एक ही मुद्दा थोडी सभी को पता चलू की क्या मुद्दा मांड रहे है।

**राजेंद्र जैन :-**

मॅडम मुद्दा यह है की ओ.पी.डी. करने में खुद डॉक्टर हूँ। मैं आपको समझा सकता हूँ आपसे बात कर सकता हूँ की, ओ.पी.डी. एक बहुत ही चिकित्सा का निम्नस्तर रहता है। जो सर ने बोला रेफर करना पडता है। सेकंड सेंटर ए.एम. से हाएस्ट सेंटर हो गया। ओ.पी.डी. बिलकुल लोएस्ट सेंटर होता है। हमारे पास में जो मल्टीस्पेशलिटी है नी रिप्लेसमेंट, हार्ट सर्जरी, एनजीओग्राफी यह सब चिज की सुविधा हमारे पास में ५० टक्के बेड है। उसको छोड के छोटी छोटी ओ.पी.डी. की चिंता कर रहे है सिर्फ हमें बेड मिलने चाहिए। इसके उपर के साल का ८४ करोड रुपये मेरा कॅल्क्युलेशन है। जादा भी हो सकता है। ८४ करोड रुपये साल का और १० साल का हुआ। ८ अरब ४० लाख रुपये सिर्फ ३ लाईन का पालन नही करने से ८ अरब ४० लाख रुपये हमने नुकसान पाया है। प्लस हमने जो अपने कर्मचारी की इन्शुरन्स भरी है वह गलत भरी है। वह हमने नही भरनी चाहिए थी। कितना नुकसान हुआ है सर जो ओ.पी.डी. हो सकती है उसके लिए हम बहुत कुछ कर सकते है। पर जो होना चाहिए बडी बडी सर्जरी उसके लिए हमने इमिजिएट कारवाई करनी चाहिए। महासभा में बैठे बैठे ६ साल हो गए। १० टक्का कोटा आपके हाथ में है। कॉर्डिनेशन करना डिस्प्ले करना सर आप कल ही इस चिज को किजीए और अपने निर्देश भिजवाइए की १० टक्का कोटे के बेड बिलकुल खाली रखे।

**अनिल सावंत :-**

महापौर मॅडम सर्वप्रथम मी आयुक्तांच्या आणि प्रदिप जंगमचे धन्यवाद देतो. अभिनंदन करतो. त्यांनी १४ दिवस उपोषण केले. प्रशासनाला जाग आली आणि तिथे हॉस्पिटल सुरु झाले. ते फक्त ओ.पी.डी. नाही त्या लोकांनी समजून घ्यायला पाहिजे. तिथे मॅटर्निटी होम आणि दवाखाना होणार आहे. दुसरी गोष्ट माझे मित्र स्टॅन्डिंग कमिटी सभापती रवि व्यास यांनी जो शब्दप्रयोग केला की बहुत पाप हुए है। त्याचा मी धिक्कार करतो. वह पाप की वजह से रवीजी आपके फ्रेंड की जान बच गई। पैसा जिंदगी में बहुत आता है। बहुत जाता है। हमारे माजी नगरसेवक हरिश्चंद्र म्हात्रे त्यांच्या भाच्याचे साहेब अॅक्सीडन्ट झाले. स्कल पूर्ण बाहेर आले भिवंडीला अॅक्सीडन्ट झाला. पूर्ण स्कल बाहेर आलेले त्या हॉस्पिटलमध्ये अॅडमिट केले. डॉक्टरांनी पूर्ण सांगितले की हा बरा होणारच नाही. दोन महिने होऊ.

(सभागृहात गोंधळ)

**अनिल सावंत :-**

महापौर मॅडम आयुक्त आहेत, आपली आरोग्य यंत्रणा आहे. उमराव ट्रस्ट किंवा व्होकार्ड हॉस्पिटल नाही. मंथली तुम्हाला रिपोर्ट दिलेले आहेत. इयरली रिपोर्ट दिलेले आहेत ते सभागृहासमोर ठेवायला पाहिजे. प्रत्येक वेळी सभाशास्त्राचा नियम आहे. जो सभागृहाचा सदस्य नाही. त्याच्या विषयी सभागृहामध्ये बोलु नये. तरी सुध्दा प्रत्येक वेळी आज ह्या विषयाला गोषवारा नाही. तुम्ही इतर विषय फेटाळून लावले. ती चर्चा पण करायची नाही. मी बोलणार नाही. परंतु ह्या विषयाला दिलेत कारण

कुठेतरी याला जळतय की एका माणसाने एवढे मोठे हॉस्पिटल तिथे बांधले आहे आणि आज शहरामील लोकांना त्यांचा फायदा होत आहे. आपले सभागृहाचे कित्येक सदस्य असतील ज्यांनी त्याचा उपभोग घेतलेला आहे. आज राज्य शासनाजवळ एक्स्ट्रा एफ.एस.आय. चा ज्यावेळी प्रपोजल त्यांनी पाठवले. राज्यशासनाने मंजूर केल्यानंतर त्याला ओ.सी. देण्यात आली. म्युन्सिपाल्टी जवळून सेम प्रपोजल सेव्हन इलेव्हन ने सुध्दा राज्य शासनाला पाठविलेले होते आणि ते रिजेक्ट करण्यात आले. इसके लिए रवीजी राज्यशासनाने रिजेक्ट किया हुआ है। इसके लिए वह २५ टक्के का समावेशक आरक्षण का वास्तु हँड ओव्हर करने का महापालिका को दुसरी बात व्होकार्डने किंवा उमराव ट्रस्टने काय केले. २०१२ पासून वर्ष वाईज माझ्याजवळ फिगर आहेत. हे रेकॉर्ड तुमच्या जवळ सुध्दा आहे. सभागृहाला दाखवायला पाहिजे. आज व्होकार्ड हॉस्पिटल इथले इतर कुठलेही हॉस्पिटल आहे. त्या हॉस्पिटलचे रेट काढा. ट्रिटमेंटचे रेट काढा. जे बॉंबाबॉंब करतात एवढे करते बिल आले तेवढे कसे आले जो तुम्ही पेशंट पाठवतात त्यावेळी आयुक्तांना अँटलिस्ट कन्सन्ट करुन हा पेशंट मी व्होकार्डला पाठवतो साहेब कन्शेशन किंवा प्रिफोर्थ ते तुम्ही बघा. हे प्रयत्न कधी सदस्यांनी केलेले आहेत का. ४० टक्के खाटा रिकाम्या ठेवायच्या अरे त्याच्यामधल्या १० टक्के खाटा शासकीय रुग्णांसाठी आहेत. म्हणजे त्याच्यामध्ये स्टेट सुध्दा येते, सेंट्रल सुध्दा येते. दुसरी गोष्ट २०१२ पासून डिसेंबर २०१८ पर्यंत १०१४ रुग्णांचे मोफत इलाज केलेले आहेत. ऑफिशियल रेकॉर्ड आहे आणि त्यापोटी उमराव ट्रस्टने ३ करोड ७६ लाख ३३ हजार ९४१ रुपये व्होकार्डला भरलेले आहेत. त्या फिगर तुमच्या जवळ सुध्दा आहेत. तुम्हाला दिलेल्या आहेत. संपूर्ण माहिती ह्या सदस्यांना मी सांगतो. डॉक्टर लोकांसारखे लोक ज्यावेळेला ह्या सभागृहाची दिशाभूल करतात म्हणजे प्रत्येकाला तसेच वाटते मोफत मिळायला पाहिजे. आज कुठचेही काही मोफत मिळत नाही. तिथे सुध्दा तुमच्याजवळ १० टक्के जे ओ.पी.डी. सांगितले आहे. शासनाच्या रेटप्रमाणे ते बघा.

(सभागृहात गोंधळ)

**सुशिल अग्रवाल :-**

सिर्फ डायलेसिस के पेशंट बढाके अपना पैसा बढाया हुआ है। मेरे पास यह पुरा रेकॉर्ड है। डायलेसिस के पेशंट बढा के सिर्फ डायलेसिस पेशंट पे इलाज होता है। मँडम मेरी डायरेक्टर ऑफ हेल्थ से बात हुई थी। उन्होंने कहाँ की इसपे हमारा नियंत्रण अगर कोई तक्रार आई तो यह भेजने के अधिकार आयुक्त के है। मैं सिर्फ यही पुछ रहा हूँ, प्रशासन की तरफ से कितने पेशंट है वह चॅरिटेबल ट्रस्ट है। उनको अपने ट्रस्ट के नियम कायदे कानून के अनुसार कुछ पेशंट को फ्री ओ.पी.डी. करना जरूरी है। कई यह तो नहीं हो रहा है। इधर भी वही लिस्ट जा रही है। चॅरिटी कमिशनर को वही लिस्ट जा रही है। मँडम दोनो तरफ से लड्डू हाथ में लेके खाना और मिरा भाईदर के जो गरजु नागरिक है उनका इसमें नुकसान हो रहा है। कही यह डबल डबल तो नहीं हो रहा है।

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. उपमहापौर :-**

अनिल साहेबांनी सांगताना निवेदन केले ते मी बरोबर आहे हे सांगताना दुसरा किती चुक आहे हे सांगण्याचा प्रयत्न केला. याच्यामध्ये फक्त डायलेसिसच्या पेशंटचीच माहिती मिरा भाईदर महापालिकेकडे आलेली आहे. दुसरे त्यांनी निवेदन करताना आपण राजकीय लाभ घेण्याचा प्रयत्न करतो. बाहेर आंदोलन चालू आहे त्याचा विजय झाला. काय मागणी होती हो तुमची? मॅटरनिटी होम सुरु करायची मग दोन मॅटरनिटी होम ह्या मिरा भाईदर महानगरपालिका सुरु असताना आंदोलन सुरु केले. मग आज ओ.पी.डी. घेताना ही ओ.पी.डी. आयुक्त साहेबांनी १० दिवसांपूर्वी सांगितलेले आहे. ओ.पी.डी. सुरु करतो मग तेव्हा सांगितले की मला ओ.पी.डी. नाही पाहिजे. मला मॅटरनिटी सेंटरच पाहिजे. आज तुम्ही अभिनंदन करताना मग १० दिवसांपूर्वी ते तिथे बसायचे ते आमचे मित्र आहेत. येता जाता आम्ही हाक मारायचो खराब वाटते. पण त्यांनी तसा हट्ट करायला नको होता. या शहरात ही नक्की गोष्ट खरी आहे, सत्य आहे की, कित्तक ठिकाणी आवश्यक असलेले आरोग्य केंद्र आपण बनवलेले नाहीत. ती टाकुन आपण फक्त एका राजकीय हेतुने प्रेरीत होऊन अशा पध्दतीचे काम करतो. परंतु हॉस्पिटलचे रिझर्व्हेशन असेल किंवा शाळेचे रिझर्व्हेशन असेल ज्याचे पण रिझर्व्हेशन असेल ज्याचा पण त्याने लाभ घेतला असेल त्या विकासकाने तो तो फायदा महानगरपालिकेला दिला पाहिजे. आयुक्त साहेब ह्या सभागृहात हा जो विषय नसेल ठराव होत नसेल तर तुम्ही ह्या सभागृहातून एक गोष्ट नक्की करुन जा की मला सर्व गोष्टीचे डिटेल् घ्यायचे आहे आणि ज्याची ज्याची जिथे जबाबदारी आहे, जिथे कोणी कोणाच्या ढाली घेऊन कोणाला वाचवायला लढायला आलेले नाहीत. परंतु ही शहराची गरज आहे. आता सावंत साहेब बोलले रवीचा मित्र वाचला. पण २२ लाख रुपये देऊन तो उधारीची जिदगी जगला ना. ते महत्वाचे नाही का असे असेल साहेब जर आपण खरच १० टक्के शासकीय कर्मचाऱ्यांचे दुःख मी कमी करु शकत असु त्यांचे ओझे कमी करत

शकत असू. तर ते केले पाहिजे. ह्या सभागृहाचे मा. आयुक्त तत्कालीन आयुक्त डॉ. नरेश गिते साहेब यांच्या आई अँडमिट होत्या. २ लाख ५२ हजार बिल झाले. आयुक्त साहेबांनी संपूर्ण भरले मग जर तेव्हा लाभ असता त्यांनी घेतला नसता का. मग आपण कोणाची पालखी कोणाच्या खांद्यावर घेऊन चाललो आहेत याचा आपण विचार करा. जर गरिबांसाठी मुझफ्फर हुसैन साहेब हे स्वतः ह्या शहराचे नागरिक आहेत. ह्या सदनाचे सदस्य होते, उपमहापौर होते. विधान परिषदेचे दोन वर्षे दोन टर्ममध्ये विधान परिषदेचे सदस्यत्व होते ते त्यांनी भुषविलेले आहे. स्वतः दानशुर आहेत. त्यांना विनंती करा. एक साईट आपल्या ताब्यात घ्या आणि त्या ठिकाणी ह्या शहरातल्या काही गरजू पेशंटला पाठवा. एक चांगले काम होईल. नाहीतर आपण असेच भांडत राहू. पण भांडतो कशाला त्याची दिशा काय. सेव्हन इलेव्हन हॉस्पिटल आपण ताब्यात घेतलेले आहे. त्याच्यात आपल्याला त्या क्षेत्रात काय चालू करता येईल त्या विषयी आपली पॉलिसी डिसाईड झाली पाहिजे. पुढच्या सभेत सर्व सदस्यांना मी एक असा अंदाज घेतलेला आहे. सगळ्यांना वाटते आता इथे थांबले पाहिजे. पण ही सभा जेव्हा पण चालू होईल त्यावेळेला आपली सर्व निवेदने सर्व ठराव आपल्याला करता येतील. ह्या पध्दतीने गोषवारे ह्या सभागृहात आले पाहिजे. किती लोकांचा वेळ आज बाहेर नागरिक जे आपल्या कामासाठी आलेले आहेत. सर्व अधिकारी ह्या महासभेच्या गडबडीत आहेत. सर्व नगरसेवक इथे आहेत. कामकाज काय झाले शहराला काय दिले ते देता आले पाहिजे. त्या दृष्टीकोनातून तयारी केली पाहिजे. महापौर मॅडम मी आपल्याला विनंती करतो की आजच्या सभेचे कामकाज इथे थांबवावे आणि पुढील तारीख लवकर निश्चित करावी.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

महापौर मॅडम आम्हाला रिप्लाय पाहिजे की व्होकार्ड हॉस्पिटल बोर्ड कधी लागणार? आम्हाला आता उत्तर पाहिजे. अनिल साहेबांनी सांगितल की २५ टक्के जे उमराव हॉस्पिटलला त्यांना का सुट दिली कारण त्यांचे जेव्हा सरकार होते काँग्रेस राष्ट्रवादीची आणि इथे पण त्यांची सत्ता होती. म्हणून आमचे जे रिजेक्ट झाले.....

(सभागृहात गोंधळ)

**धृवकिशोर पाटील :-**

मॅडम याच्याबरोबर जे तीन करोड रुपये व्होकार्डला भरलेले आहेत. याच्याबरोबर जे १०१४ रुग्णांचे उपचार केले त्यांची इन्व्वायरी झाली पाहिजे. त्यांची लिस्ट काढली पाहिजे.

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

सभागृहातील सर्व नगरसेवकांना नागरिकांना मोफत उपचाराच्या अटीशर्तीच्या माहितीच्या बोर्ड रुग्णालयाला दर्शनी भागावर लावण्यात यावा. तसेच जाहिर ठिकाणी प्रसिध्दी द्यावी. तोपर्यंत आजची सभा तहकुब करण्यात येत आहे. सभेची तारीख व वेळ आपल्याला नंतर कळविण्यांत येईल.

**श्रीप्रकाश जिलेदार सिंह :-**

महापौर मॅडम कमिशनर साहबने अभी बोला ना महासभा खत्म होते हुए डिक्लेअर करेंगे। कमिशनर साहब अगर मुझे जवाब नहीं मिलेगा तो मैं हाऊस के बाहर नहीं जाऊंगा। आपने पिछले सभा में भी बोला था अभी भी बोल रहे हो। मैं सभा छोडके जाऊंगा नहीं इधर ही बैठता हूँ।

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**


आजची सभा तहकुब करण्यात येत आहे.

(सभा तहकुब झाल्याची वेळ संध्या. ५.५० वाजता)

सही/-

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

  
(वासुदेव शिरवळकर)  
नगरसचिव  
मिरा भाईदर महानगरपालिका